महानगर नई दिल्ली बुधवार 8 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (10 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

ट्रंप की चेतावनी के बाद भारत ने दवा भेजने का किया फैसला

वाशिंगटन/नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद भारत ने मलेरिया के उपचार की दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की खेप अमेरिका भेजने का एलान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस दवा के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को आंशिक रूप से हटाने का फैसला किया गया है, जिससे कोरोना विषाणु महामारी से काफी प्रभावित अमेरिका व कई अन्य देशों को इस दवा की आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को चेतावनी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत अनुरोध के बावजूद अगर उनके देश को मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा का निर्यात नहीं किया गया तो इसे लेकर जवाबी कार्रवाई की जा सकती है।

इसके बाद विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने पड़ोसियों सहित कई देशों को मामला-दर-मामला के आधार पर हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन का निर्यात करने का फैसला लिया है और वह कोरोना विषाणु महामारी के रोकथाम के लिए अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा। हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन एक पुरानी और बेहद कम मूल्य की (सस्ती) दवा है, जिसका इस्तेमाल मलेरिया के इलाज में होता है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे कोरोना विषाणु संक्रमण के प्रभावी इलाज के रूप में देख रहे हैं। ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी है कि वह अमेरिका में तेजी से बढ़ रहे कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए उसके द्वारा ऑर्डर किए गए मात्रा में हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन टैबलेट के निर्यात की अनुमति दें। इसके बाद मंगलवार को ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'मुझे आश्चर्य होगा, अगर उनका बाकी पेज 8 पर

विदेश मंत्रालय ने कहा, निर्यात पर प्रतिबंध को आंशिक रूप से हटाया

ट्रंप ने चेताया था

मैंने रविवार सुबह उनसे (प्रधानमंत्री मोदी से) फोन पर बात की थी, मैंने कहा था कि अगर आप हमारे लिए निर्यात की अनुमति दें तो अच्छा लगेगा। अगर वह निर्यात की अनुमति नहीं देते हैं, तो कोई बात नहीं, लेकिन इसकी जवाबी कार्रवाई भी होगी। और ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए?

संक्रमितों की संख्या 508 बढ़ी, 13 और की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

देश में कोरोना विषाणु संक्रमितों की संख्या 4,789 पहुंच गई है जबकि इस महामारी से मंगलवार शाम तक 124 लोगों की मौत हो चुकी थी। चौबीस घंटे में संक्रमितों की संख्या जहां 508 बढ़ी है, वहीं 13 लोगों की मृत्यु की भी पुष्टि हुई है। अभी भी 4,312 मरीजों का इलाज अस्पतालों में चल रहा है जबकि 352 लोग ठीक हो चुके हैं। पूर्वोत्तर के एक और राज्य त्रिपुरा में भी कोराना विषाणु संक्रमण का मामला सामने आया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार शाम छह बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक चौबीस घंटे में मध्य प्रदेश में चार, राजस्थान में तीन, महाराष्ट्र में तीन, गुजरात में एक, ओड़ीशा में एक और पंजाब में एक मौत की पुष्टि हुई है। अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र में हुई हैं जिनकी संख्या बाकी पेज 8 पर

राजस्थान और ओड़ीशा में भी हुईं संक्रमितों की मौत। *पूर्वोत्तर* के एक और राज्य त्रिपुरा में भी सामने आया मामला।

भारत में संक्रमितों की संख्या व मृत्यु

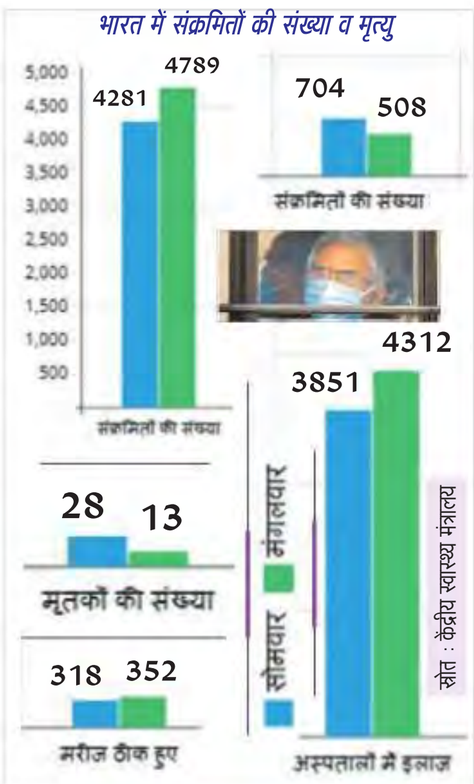

कोरोना संक्रमण : नौ प्रदेश बंदी बढ़ाने के पक्ष में

पूर्ण बंदी के मसले पर राज्यों की राय को अहमियत देगा केंद्र

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

नौ राज्य सरकारों और विशेषज्ञों ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार से 14 अप्रैल के बाद भी पूर्ण बंदी की अवधि बढ़ाने की मांग की है। केंद्र सरकार भी इस दिशा में विचार कर रही है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के आला अधिकारियों ने कहा कि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है, इसलिए अटकलें लगाना ठीक नहीं होगा। कोरोना संक्रमण के मद्देनजर देश में 25 मार्च से 21 दिनों की पूर्ण बंदी की गई है।

सोमवार रात को ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने पूर्ण बंदी को बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था।

उत्तर प्रदेश सरकार ने भी स्पष्ट कर दिया कि पूर्ण बंदी बढ़ाई जा सकती है। मंगलवार को बाकी पेज 8 पर

14 दिन

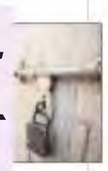

प्रभावित इलाकों में ज्यादा जांच करेंगे : केजरीवाल
विस्तृत खबर पेज 3

पूरे राज्य में बंदी पर चरणबद्ध तरीके से कदम उठाया जाएगा। बंदी के संदर्भ में एक कार्यबल का गठन किया गया है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर सोच-समझकर निर्णय होगा।
-अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री राजस्थान

कोरोना विषाणु के कारण लागू किए गए बंदी पर निर्णय स्थिति की समीक्षा करने के बाद उचित समय पर किया जाएगा।
-उद्धव ठाकरे, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र

देश में लागू 21 दिन के लॉकडाउन की अवधि का 14 अप्रैल के बाद विस्तार किया जाए। लोगों के जीवन की रक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है।
-के चंद्रशेखर राव, मुख्यमंत्री तेलंगाना

अगर जरूरत पड़ती है तो बंदी को बढ़ाया जाना चाहिए। लोगों की जान ज्यादा कीमती है, अर्थव्यवस्था को तो बाद में भी बढ़ा लेंगे।
-शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश

जमाखोरी, कालाबाजारी रोकी जाए : शाह

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे पूर्ण बंदी की अवधि में सामानों व माल की कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए राज्य सरकारों के साथ तालमेल कर कदम उठाएं। गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव पुण्य बाकी पेज 8 पर

धार्मिक केंद्रों, सार्वजनिक स्थलों पर रहेगी रहेगी पैनी नजर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण फैलने से रोकने के लिए देश भर में धार्मिक केंद्रों, सार्वजनिक स्थलों सहित उन स्थानों पर सरकार की पैनी नजर रहेगी जहां अधिक संख्या में लोगों के जमा होने की संभावना होगी। इस आशय का फैसला मंत्रियों के समूह (मंत्री समूह) की बैठक में लिया गया। मंत्री समूह ने देशव्यापी पूर्ण बंदी के कारण उत्पन्न स्थिति, इससे निपटने को लेकर उठाए जा रहे कदमों की विस्तृत समीक्षा की।

14 अप्रैल के बाद की संभावित स्थिति के बारे में भी संक्षिप्त चर्चा की गई, जब पूर्ण बंदी का मौजूदा दौर खत्म होगा। मंत्री समूह ने सुझाव दिया कि धार्मिक केंद्रों, मॉल सहित लोगों की अधिक उपस्थिति वाले सार्वजनिक स्थलों की ड्रोन से निगरानी की जाए। यह भी कहा गया कि इन स्थलों को निकट भविष्य में सामान्य कामकाज शुरू बाकी पेज 8 पर

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन आइसीयू में

लंदन, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के लक्षणों से निजात न मिलने की वजह से अस्पताल में भर्ती ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें सघन निगरानी कक्ष (आइसीयू) में रखा गया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट ने यह जानकारी दी और कहा कि एहतियात के तौर पर यह उठाया कदम गया है क्योंकि स्वस्थ होने के लिए उन्हें वेंटिलेटर पर रखे जाने की जरूरत पड़ सकती है।

जॉनसन में कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण लगातार नजर आने के बाद लंदन के सेंट थॉमस अस्पताल में रविवार रात को उन्हें 'नियमित जांच' के लिए भर्ती कराया गया था लेकिन सोमवार को उनकी स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें आइसीयू में ले जाया गया। इस बीच दुनियाभर के नेताओं ने जॉनसन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

ब्रिटेन के कैबिनट ऑफिस के मंत्री माइकल गोव ने मंगलवार सुबह कहा, 'प्रधानमंत्री को वेंटिलेटर पर नहीं रखा गया है। उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट दिया जा रहा है और उन्हें आइसीयू में रखने का एक बाकी पेज 8 पर

दुनिया भर के नेताओं ने की जल्द स्वस्थ होने की कामना

दुनिया भर में 75,000 से ज्यादा की गई जान

कोरोना कहर

पेरिस, 7 अप्रैल (एएफपी)।

कोरोना वायरस महामारी से दुनिया भर में 75,000 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। इसमें अधिकतर की मौत यूरोप में हुई है। मंगलवार को आधिकारिक सूत्रों से मिले आंकड़ों को एएफपी द्वारा संकलित किए जाने पर यह जानकारी सामने आई है। इस बीमारी से 75,538 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 53,928 लोगों की जान यूरोप में गई है।

मैड्रिड : स्पेन में कोरोना वायरस से रोजाना मृत्यु का औसत आंकड़ा मंगलवार को 743 पहुंच गया और स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस संक्रमण से मरने वालों की कुल संख्या 13,798 हो गई। इटली के बाद कोरोना वायरस से दूसरे सबसे बुरी तरह प्रभावित इस देश में रोगियों की संख्या 1,40,510 पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि सप्ताहांत में मौत के मामले कुछ दिन बाद ही दर्ज हो पाते हैं जिससे संख्या बढ़ सकती है।

तोक्यो : जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों में तेजी से इजाफा होने के बाकी पेज 8 पर

फ्रांस में भी मौत का आंकड़ा 10 हजार पार, अन्य ऐसे देश हैं इटली, स्पेन, अमेरिका

स्पेन में रोजाना मृत्यु का औसत आंकड़ा मंगलवार को 743 पहुंच गया।

जापान ने आपातकाल का एलान किया

बंद के दौरान 20 लोगों ने चाकुओं व डंडों से हमला किया

भोपाल : हमले में दो पुलिसकर्मी घायल

भोपाल, 7 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बंद के दौरान भीड़ को हटाने गई पुलिस पर शातिर बदमाशों सहित करीब 20 लोगों ने चाकुओं व डंडों से हमला कर दिया। इसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि दिन-रात एक कर जनता को इस महामारी से बचाने में लगे पुलिसकर्मियों पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इन गुंडों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की जाएगी। तलैया पुलिस थाना प्रभारी डीपी सिंह ने मंगलवार को बताया कि भोपाल में लागू संपूर्ण बंद के कारण सोमवार रात बाकी पेज 8 पर

बरेली में हमला करने के मामले में 39 गिरफ्तार

बरेली, 7 अप्रैल (जनसत्ता)।

बरेली शहर के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में पूर्ण बंदी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने और पुलिस चौकी फूंकने का प्रयास के आरोप में 150 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिनमें से 42 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन 42 लोगों में से 39 लोगों को जेल भेज दिया गया, जबकि इनमें से तीन महिलाओं को जमानत पर रिहा बाकी पेज 8 पर

महबूबा मुफ्ती को जेल से आवास स्थानांतरित किया गया

श्रीनगर, 7 अप्रैल (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को अस्थायी जेल से उनके आवास स्थानांतरित कर दिया गया है हालांकि जन सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत वह अब भी हिरासत में ही रहेंगी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मांग की कि महबूबा मुफ्ती को रिहा किया जाए।

मुफ्ती को स्थानांतरित किए जाने का आदेश जम्मू-कश्मीर के गृह विभाग ने जारी किया है। 60 वर्षीय मुफ्ती को पिछले साल पांच अगस्त को एहतियातन हिरासत में रखा गया था लेकिन बाद में छह फरवरी को बाकी पेज 8 पर

लेकिन जन सुरक्षा कानून के तहत अब भी हिरासत में ही रहेंगी

वाट्सऐप ने संदेश साझा करने के नियम बदले

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

वाट्सऐप ने कोरोना वायरस संकट के बीच गलत खबरें और जानकारियां फैलने की समस्या से निपटने के लिए संदेश फॉरवर्ड (साझा करने) के नियमों में बदलाव किया है और अब ज्यादा फॉरवर्ड होने वाले संदेशों को एक बार में एक जगह भेजने की सीमा लगा दी है। अभी तक यह सीमा पांच लोगों या समूहों तक की थी। फेसबुक के स्वामित्व वाली बाकी पेज 8 पर

दरअसल

पक्ष में फैसला न सुनाने पर वकील ने न्यायाधीश से कहा **निकृष्ट आचरण** अवमानना कार्रवाई की अनुशंसा की न्यायाधीश ने

'जा तुझे कोरोना विषाणु लग जाए'

कोलकाता, 7 अप्रैल (भाषा)।

अपने पक्ष में फैसला नहीं आने पर एक वकील ने कलकत्ता हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश से कहा कि जा तुझे कोरोना विषाणु हो जाए, वकील के इस 'निकृष्ट' आचरण से नाराज न्यायाधीश ने उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की अनुशंसा की है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने अदालत की गरिमा को बरकरार रखने में विफल रहने तथा 'इस गरिमापूर्ण पेशे के सदस्य के हिसाब से' आचरण नहीं करने पर वकील विजय अधिकारी की निंदा की और उन्हें नोटिस भेजे जाने की तारीख के 15 दिनों के अंदर अवमानना नियम के तहत जवाब देने को कहा है।

न्यायमूर्ति दत्ता ने यह निर्देश भी दिया कि ग्रीष्म अवकाश के बाद जब अदालत खुलेगी तो यह मामला उचित खंडपीठ द्वारा सुना जाएगा जिसके पास आपराधिक अवमानना के मामले सुनने का अधिकार होगा।

कोरोना महामारी के कारण कलकत्ता हाई कोर्ट में 15 मार्च से सिर्फ अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई हो रही थी और 25 मार्च से वह मामलों की सुनवाई सिर्फ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कर रही है।

अधिकारी ने कर्ज अदायगी न करने पर एक राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा उसके मुवक्किल की बस नीलामी पर रोक लगाने की याचिका न्यायमूर्ति दत्ता की अदालत में दी थी। इस बस के 15 जनवरी को जब्त किए जाने की जानकारी के बाद अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। जब न्यायाधीश ने अपना आदेश देना शुरू किया तो नाराज विजय अधिकारी बार-बार उन्हें टोकते रहे।

न्यायमूर्ति दत्ता ने अपने आदेश में कहा, ' विजय अधिकारी को बार-बार संयमित आचरण के लिए चेतावनी दी गई लेकिन उन्होंने इन पर ध्यान नहीं दिया, उन्हें कहते सुना गया कि मेरा भविष्य वह अंधकारमय बना देंगे और इसलिए उन्होंने मुझे श्राप दिया कि मुझे कोरोना संक्रमण लग जाए।'

न्यायाधीश ने कहा, 'विजय अधिकारी को स्पष्ट रूप से बता दिया गया कि न तो मुझे अपने भविष्य के अंधकारमय होने का डर है न ही मैं संक्रमण से डरता हूं लेकिन अदालत की गरिमा मेरे दिमाग में सर्वोच्च है और इसे बरकरार रखने के लिए उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई का निर्देश दिया जा सकता है।'

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने अदालत की गरिमा को बरकरार रखने में विफल रहने तथा 'इस गरिमापूर्ण पेशे के सदस्य के हिसाब से' आचरण नहीं करने पर वकील विजय अधिकारी की निंदा की और उन्हें नोटिस भेजे जाने की तारीख के 15 दिनों के अंदर अवमानना नियम के तहत जवाब देने को कहा है।

कोरोना महामारी के कारण कलकत्ता हाई कोर्ट में 15 मार्च से सिर्फ अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई हो रही थी और 25 मार्च से वह मामलों की सुनवाई सिर्फ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कर रही है।

www.readwhere.com

मध्य प्रदेश में नवजात का नाम रखा गया 'लॉकडाउन'

श्योपुर (मध्य प्रदेश), 7 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के आदिवासी विकास खंड कराहल के बछेरी गांव में सोमवार को जन्म लेने वाले एक बच्चे का नाम उसके माता-पिता ने 'लॉकडाउन' रखा है। उनका कहना है कि कोरोना विषाणु महामारी के प्रसार पर रोक के लिए देश में लागू पूर्ण बंदी को यादगार बनाने के लिए उन्होंने अपने बेटे का नाम 'लॉकडाउन' रखा है।

सोमवार को शहर के एक निजी अस्पताल में बछेरी गांव के रघुनाथ माली की पत्नी मंजू (24) ने एक बेटे को जन्म दिया। जन्म के तत्काल बाद ही मंजू और उसके पति रघुनाथ माली ने अपने नवजात बेटे का नाम लॉकडाउन रख दिया। श्योपुर जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर बछेरी गांव निवासी मंजू माली दूसरी बार मां बनी हैं। तीन साल पहले उसने बेटी को जन्म दिया था।

रघुनाथ माली ने बताया कि सोमवार सुबह उनकी पत्नी को प्रसव पीड़ा होने के बाद उसे श्योपुर के निजी अस्पताल लाया गया, जहां ऑपरेशन से हुए प्रसव में मंजू ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। जन्म के बाद नवजात का जन्म प्रमाणपत्र बनने और उसमें नाम लिखने की बात आई तो नवजात की मां मंजू और मैंने अपने बेटे का नाम लॉकडाउन रख दिया। रघुनाथ माली और मंजू ने बताया कि कोरोना विषाणु से बचने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के पूर्ण बंदी की अपील की है। इस संकट की घड़ी से निबटने के लिए पूरा देश एकजुट है। इसी दिन को यादगार बनाने के लिए हमने अपने बेटे का नाम लॉकडाउन रखा है।

विवाह समारोह की अनुमति देने पर केडीएमसी कर्मी निलंबित

ठाणे, 7 अप्रैल (भाषा)।

शहर में पिछले महीने एक विवाह समारोह के आयोजन की इजाजत देने पर मंगलवार को कल्याण डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। इस कार्यक्रम में कतर से लौटा एक व्यक्ति शामिल हुआ था, जो बाद में कोरोना से संक्रमित पाया गया था और ऐसी आशंका है कि उससे बाद में यह संक्रमण कई और लोगों को स्थानांतरित हुआ होगा। यह संयोग है कि दोहा से लौटने वाले जिस व्यक्ति की शादी समारोह में मौजूदगी की वजह से अधिकारी को निलंबन का सामना करना पड़ा, उसे कोविड-19 से ठीक होने के बाद सोमवार रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अधिकारियों ने कहा कि केडीएमसी आयुक्त विजय सूर्यवंशी ने डोंबिवली क्षेत्रीय वार्ड अफसर भागाजी भांगरे को निलंबित करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह विवाह कार्यक्रम 19 मार्च को हुआ था, जब राज्य और केंद्र सरकार ने निकाय अधिकारियों को भीड़भाड़ वाले कार्यक्रमों की इजाजत नहीं देने को कहा था, क्योंकि वहां आने वाले लोगों को कोरोना संक्रमण का खतरा हो सकता है। उसे ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना विषाणु से निपटने के लिए महाराष्ट्र में 13 मार्च को महामारी रोग अधिनियम लागू किया गया था, जो अधिकारियों को पूर्ण बंदी और पृथकवास में भेजने जैसे कई अधिकार देता है।

देशबंदी के दौरान मंगलवार को जम्मू के बिक्रम चौक पर कीटाणु नाशक का छिड़काव करते निगम के कर्मचारी।

पूर्ण बंदी खत्म करने की योजना में अगले सात दिन अहम : वेंकैया नायडू

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि पूर्ण बंदी का आखिरी सप्ताह उससे बाहर निकलने की रणनीति तय करने की दृष्टि से बड़ा अहम है, क्योंकि कोरोना वायरस के फैलने के संबंध में प्राप्त आंकड़ों का सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णय पर असर होगा।

उन्होंने लोगों से अपील की कि आखिरकार सरकार जो भी निर्णय ले, उसका वे पालन करें और यदि उसका तात्पर्य 14 अप्रैल के बाद भी कुछ हद तक कठिनाइयां जारी रहना हो, तो भी वे उसी जज्बे के साथ सहयोग करें जो अब तक नजर आया है। नायडू ने यहां जारी एक बयान में कहा, '25 मार्च के बाद से आज इस पूर्ण बंदी का दूसरा सप्ताह पूरा हो गया, ऐसे में मैंने कोरोना महामारी से उत्पन्न संकट से उबरने के लिए मौजूदा प्रयासों के बीच लोगों और इस देश के नेतृत्व के पास अपनी राय एवं अपनी चिंता रखना उपयुक्त समझा।' उपराष्ट्रपति ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य हित एवं अर्थव्यवस्था के स्थिर होने के बीच की बहस में वाकई जनस्वास्थ्य अर्थव्यवस्था से ऊपर है।

उन्होंने कहा, 'मेरे विचार से अर्थव्यवस्था की चिंताएं एक और दिन इंतजार कर सकती हैं, स्वास्थ्य नहीं।' नायडू ने कहा, 'लॉकडाउन का अगला एक सप्ताह उससे बाहर निकलने की रणनीति तय करने की दृष्टि से बड़ा अहम है, क्योंकि कोरोना वायरस के फैलने के संबंध में प्राप्त आंकड़ों और अगले सप्ताह के दौरान उस की दर का सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णय पर असर होगा।'

डॉक्टरों के सुरक्षा उपकरण के लिए आइआइटी बॉम्बे ने शुरू की वेबसाइट

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण से लड़ाई में सबसे आगे हमारे डॉक्टर हैं। इस लड़ाई के लिए डॉक्टरों को सुरक्षा उपकरण (पीपीई) की अति आवश्यकता है क्योंकि उनके बिना डॉक्टरों के भी संक्रमित होने का खतरा रहता है। दूसरी ओर, दुनिया भर में डॉक्टरों के सुरक्षा उपकरणों की कमी है। भारत में यह कमी अन्य विकसित देशों के मुकाबले अधिक है। इसी समस्या के समाधान के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) बॉम्बे के विद्यार्थियों ने एक वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डॉट पीपीईकोविड डॉट कॉम बनाई है। इस वेबसाइट के दानदाता पीपीई दान दे सकते हैं, वहीं अस्पताल और डॉक्टर यहां से पीपीई ले सकते हैं।

आइआइटी बॉम्बे से मिली जानकारी के मुताबिक इस मुहिम को आइआइटी हैदराबाद की एक टीम का भी सहयोग मिल रहा है। उस टीम में 500 से अधिक स्वयंसेवक काम कर रहे हैं।

वेबसाइट पर पीपीई के संबंध में विभिन्न जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं जैसे कहां कितनी पीपीई हैं, पीपीई कहां से खरीदे जा सकते हैं, दानदाताओं की सूची आदि शामिल हैं। इस वेबसाइट के माध्यम से देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों में मौजूद कैमिकल, कैमिस्ट्री, बायोलॉजी प्रयोगशालाओं, जांच प्रयोगशालाओं, उद्योग एवं दंत अस्पतालों की प्रयोगशालाओं से अपील की गई है कि वे अपने यहां मौजूद सुरक्षा उपकरणों को उपलब्ध कराएं।

हिंदू महिला के अंतिम संस्कार में मुसलिमों ने की मदद, अर्थी को दिया कंधा

भोपाल, 7 अप्रैल (भाषा)।

इंदौर में कुछ मुसलिम युवकों ने एक बुजुर्ग महिला की अर्थी को कंधा देकर और उसके अंतिम संस्कार में मदद करके एक मिसाल कायम की है। पूर्ण बंदी के कारण महिला के अन्य रिश्तेदार अंतिम संस्कार में पहुंचने में विफल रहे थे।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इंदौर के मुसलिम युवाओं के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए ट्वीट किया कि इंदौर के नार्थ तोड़ा क्षेत्र में एक बुजुर्ग हिंदू महिला द्रोपदी बाई की मृत्यु होने पर क्षेत्र के मुसलिम समाज के लोगों ने उनके दो बेटों का साथ देकर उनकी शवयात्रा में कंधा देकर व उनके अंतिम संस्कार में मदद कर जो आपसी सद्भाव व मानवता की मिसाल पेश की, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि यही हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति है। ऐसे दृश्य हमारे आपसी प्रेम-सद्भाव व भाईचारे को प्रदर्शित करते हैं।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने मंगलवार को कहा कि 65 वर्षीय द्रोपदी बाई का सोमवार को इंदौर में निधन हो गया। वह पक्षघात से पीड़ित थीं और अपने बड़े बेटे के साथ रहती थीं।

वे बहुत गरीब हैं। उन्होंने बताया कि असलम, अकील, सिराज, इब्राहिम और आरिफ सहित कुछ मुसलिम समुदाय के सदस्यों को इसके बारे में पता चला तो वे आगे आए और न केवल बुजुर्ग महिला की अर्थी को कंधा दिया, बल्कि उसके अंतिम संस्कार में सहायता भी की। चूंकि शहर में पूर्ण बंदी होने के कारण कोई शव वाहन भी नहीं मिल रहा था। इसलिए वे लगभग 2.5 किलोमीटर तक अर्थी को कंधा देकर श्मशान गृह तक ले गए।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें मुसलिम समुदाय के युवा इस महिला की अर्थी को कंधा देते नजर आ रहे हैं। ये लोग मुसलिम टोपी के साथ कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क भी पहने नजर आ रहे हैं। सलूजा ने कहा कि इन मुसलिम युवकों का कहना है कि यह उनका कर्तव्य है, क्योंकि उनका बचपन यहीं बीता है।

क्षेत्रीय निवासियों ने बताया कि दिवंगत महिला लंबे समय से लकवे की मरीज थी। हिंदू रीति-रिवाज के मुताबिक उसके पार्थिव देह को उसके बेटे ने जूनी इंदौर मुक्तिधाम में मुखाग्नि दी।

पुणे के चिड़ियाघर में कर्मचारियों की जांच, बाड़ों की साफ-सफाई

पुणे, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु महामारी के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्देशों के मद्देनजर पुणे के राजीव गांधी प्राणी उद्यान ने पशुओं के बाड़ों की साफ-सफाई और कर्मचारियों की जांच करना शुरू कर दिया है। अमेरिका में एक बाघ के कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद प्राधिकरण ने सोमवार को देश के सभी चिड़ियाघरों से हाई अलर्ट पर रहने को कहा था। फिलहाल, चिड़ियाघर में नौ बाघ, दो शेर, तीन तेंदुए, एक भालू व अन्य जानवर हैं।

चिड़ियाघर के निदेशक राजीव कुमार जाधव ने बताया कि प्राधिकरण के निदेशकों के मुताबिक, पशुओं के लिए मांस लाने वाली गाड़ियों को विषाणु मुक्त किया जा रहा है और जानवरों के बाड़ों को साफ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चिड़ियाघर ने अपने स्टाफ की जांच भी शुरू कर दी है और उनसे टोपी, मास्क और दस्ताने पहनने को कहा गया है।

मांस के सेवन से कोरोना का संक्रमण नहीं : पशुपालन विभाग

जयपुर, 7 अप्रैल (भाषा)।

राजस्थान के पशुपालन विभाग ने स्पष्ट करते हुए कहा है कि मांस का सेवन करने से कोरोना वायरस का संक्रमण नहीं होता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। विभाग के अनुसार लोग बेफिक्र होकर अण्डे, चिकन और मछली का खाने में उपयोग कर सकते हैं।

कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर विभाग ने यह स्पष्टीकरण जारी किया है। इसके अनुसार राज्य सरकार ने भी अपने परामर्श में स्पष्ट किया है कि पशुपालन, मत्स्य और डेयरी की सभी गतिविधियां प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से अनुमत की गई हैं। पशु दाना व चारा, मुर्गी दाना, मछली आहार और इससे जुड़ी विक्रय की दुकानें भी इसमें शामिल हैं। इसके साथ ही मुर्गी पालन के लिये सभी विनिर्माण इकाइयां जिसके अन्तर्गत पैकेजिग और अन्य इकाइयां जो आपूर्ति का हिस्सा है, को भी अनुमति दी गई है।

इसके अनुसार केन्द्र सरकार की ओर से जारी परामर्श में भी स्पष्ट किया गया है कि अण्डे, चिकन और मछली अच्छी गुणवत्ता वाले प्रोटीन के सस्ते स्रोत हैं। इनके सेवन से इंसानों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जो कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करती है। विभाग ने स्वच्छता का पूरा ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा है कि इनके सेवन से पूर्व इन्हें अच्छी तरह से धोकर पूरी तरह से पका कर ही इनका सेवन करें।

पूर्ण बंदी का उल्लंघन करने पर 40 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी

बलरामपुर, 7 अप्रैल (भाषा)।

बलरामपुर जिले के तुलसीपुर में पूर्ण बंदी का उल्लंघन करने के मामले में 40 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री के दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम के आह्वान पर रविवार रात को तुलसीपुर नई बाजार में कुछ लोग अपने-अपने घरों में दीप जलाने के बजाय मोमबत्ती लेकर सड़कों पर सामूहिक रूप से आ गए थे। तुलसीपुर थाने में इस मामले में 40 लोगों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 144 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे जिले में बंद का सख्ती से पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

यूको बैंक UCO BANK
अंचल कार्यालय: सूरी जोन
सूरी दुमका रोड़, सूरी, नजदीक सर्किट हाउस, जिला बीरभूम: पश्चिम बंगाल-731 101

परिसर की आवश्यकता

बैंक को अधिमानता धरातल या प्रथम तल पर 2800 वर्ग फुट कार्पेट एरिया यदि यह माल, शॉपिंग सेंटर में है, जहां आधारिक संरचना की सुविधाएं जैसे लिफ्ट्स, एस्केलेटर्स उपलब्ध है, वाले परिसर को किराए पर लेने का इच्छुक है। बैंक को अपनी शाखाएं खोलने के लिए निम्नलिखित स्थानों में परिसर की आवश्यकता है:-

1) सीलीगुड़ी टाऊन एरिया

विवरण यूको बैंक सीलीगुड़ी शाखा (हिल कार्ट रोड़, सीलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल-734401) या अंचल कार्यालय सूरी (सूरी दुमका रोड़, सूरी, नजदीक सर्किट हाउस, जिला बीरभूम, पश्चिम बंगाल-731 101) से प्राप्त किया जा सकता है या हमारे बैंक की वेबसाईट www.ucobank.com, से डाऊनलोड कर सकते हैं। निर्धारित प्रारूप पर सीलबंद आवरण में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28.04.2020 को अपराह्न 4.00 बजे तक है।

दिनांक: 08.04.2020 अंचल प्रमुख

देशबंदी : धरती का कंपन कम नहीं, लेकिन भूकम्प का पता करने में मिली मदद

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

वैज्ञानिकों का कहना है कि कोविड-19 के खतरे के मद्देनजर दुनिया भर में एहतियातन लोगों के खुद पृथकवास में जाने और लॉकडाउन की वजह से मानवजनित 'भूकम्पीय शोर' कम हुआ है, जिसकी वजह से कम तीव्रता वाले भूकम्पों की पहचान भी ज्यादा सटीकता और स्पष्टता से की जा सकती है। उन्होंने यह साफ किया कि इस बंद की वजह से धरती की सतह के कंपन में किसी तरह की कमी नहीं आई है।

वैज्ञानिकों ने कहा कि भूकम्प का शोर जमीन का एक अपेक्षाकृत लगातार होने वाला कंपन है जो आमतौर पर सिस्मोमीटर द्वारा दर्ज संकेतों का एक अवांछित घटक है। इससे पहले के अध्ययनों में कहा गया था कि सभी तरह की मानव गतिविधियां ऐसे कंपन पैदा करती हैं जो अच्छे भूकम्प उपकरणों से की गई पैमाइश को विकृत कर देती हैं।

दुनिया के अनेक हिस्सों में जारी बंद की वजह से इन विकृतियों में कमी आई है और 'भारतीय विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान संस्थान', कोलकाता के एक प्रोफेसर सुप्रिय मित्रा समेत भूकम्प वैज्ञानिकों का मानना है कि यह कहना गलत होगा कि धरती की सतह में अब 'कंपन धीरे' हो रहा है, जैसा कि मीडिया में आई कुछ खबरों में कहा गया है।

बेल्जियम में आंकड़े दर्शाते हैं कि ब्रसेल्स में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए अपनाए गए बंद की वजह से मानव जनित भूकम्पीय शोर में करीब 30 फीसद की कमी आई है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इस शांति का मतबल यह है कि सतह पर भूकम्प को मापने के पैमाने के आंकड़े उतने ही स्पष्ट हैं जितना कि उसी उपकरण को पहले धरती की सतह में गहराई पर रखने से मिलते थे।

यह नया विचार देने वाले ब्रसेल्स के रॉयल ऑब्जर्वेटरी ऑफ बेल्जियम के भूकम्प वैज्ञानिक थॉमस लेकॉक ने कहा कि इस पैमाने पर आवाज में कमी का अनुभव आम तौर पर सिर्फ क्रिसमस के आसपास होता है।

भारत में, मित्रा इसी तरह के भूकम्पीय आंकड़ों और अध्ययनों को देख रहे हैं। मित्रा ने बताया, 'हम लॉकडाउन के दौरान के आंकड़ों को जुटाना चाहते थे और यह देखना चाहते हैं कि भूकम्पीय शोर किस स्तर तक कम हुआ है।' उन्होंने कहा कि मानवजनित गतिविधियों के कारण सांस्कृतिक व परिवेशीय शोर एक हट्र्ज या उससे ऊपर है- और एक हट्र्ज वह मानक आवृत्ति है जिस पर भूकम्प की ऊर्जा आती है।

मित्रा ने कहा, 'इसलिए अगर शोर ज्यादा है, तो आम तौर पर भूकम्पों का पता कम चलता है।' बंद के फलस्वरूप क्या हुआ, वह बताते हैं कि गाड़ियों की आवाजाही और मानव गतिविधियां कम हुईं जिसकी वजह से परिवेशीय शोर कम हुआ। उन्होंने कहा, 'भूकम्प का पता लगाने की सीमा कम हो गई है। इसलिए छोटे भूकम्पों का भी ज्यादा पता चल रहा है।'

भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की भूकम्प वैज्ञानिक कुशला राजेंद्रन ने कहा कि मानव गतिविधियों का स्तर कम होने से, भूकम्प संवेदक अब छोटे भूकम्पों का पता लगा सकते हैं जो पहले अन्यथा शोर का हिस्सा होते थे। उन्होंने बताया कि भूकम्प केंद्र यातायात, सामुद्रिक लहरों या अन्य तरह के शोर से दूर स्थापित किए जाते हैं। राजेंद्रन ने कहा, 'स्थानिक कवरेज और पहुंच के लिहाज से कई केंद्रों को मानव गतिविधि की सीमा में ही बनाया जाता है। यह केंद्र इतने संवेदनशील होते हैं कि यह 500 मीटर के दायरे में किसी इंसान की पदचाप भी दर्ज कर सकते हैं।' वह बताती हैं, 'अगर शोर का स्तर बेहद कम रखा जाए तो ये संवेदक सबकुछ दर्ज करेंगे।' भारत के प्रमुख भूकम्प वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि यह कहना गलत होगा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कोविड-19 के कारण लागू किए गए बंद की वजह से धरती की सतह 'धीरे घूम रही हैं या उसके कम कंपन हो रहा है'।

खबर कोना

बागपत में अस्पताल से भागा संक्रमित गिरफ्तार

बागपत, 7 अप्रैल (भाषा)।

बागपत जिले के खेकड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से भागने वाले संक्रमित व्यक्ति को मंगलवार दोपहर पकड़ लिया गया और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तबलीगी जमात कार्यक्रम में शामिल हुआ नेपाली नागरिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से भाग गया था। बागपत की जिलाधिकारी शकुंतला गौतम ने बताया कि फरार नेपाली नागरिक को सीएचसी के पास ही एक स्थान से मंगलवार दोपहर करीब दो बजे स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पकड़ लिया और उसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौतम ने बताया कि नेपाली व्यक्ति को पकड़ने के लिए पुलिस विभाग की दस टीमें लगाई गई थीं।

विचाराधीन महिला कैदी ने जेल के स्नानगृह में लगाई फांसी

इंदौर (मध्य प्रदेश), 7 अप्रैल (भाषा)।

दहेज प्रताड़ना के आरोपों का सामना कर रही 55 वर्षीय महिला कैदी ने मंगलवार को जिला जेल में कथित तौर पर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।

संयोगिता गंज पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जिला जेल के स्नानगृह में अंजू सेन का फांसी के फंदे पर लटका शव मिला। यह फंदा महिला के साड़ी और ब्लाउज से बनाया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

इस बीच, जिला जेल की अधीक्षक अदिति चतुर्वेदी ने बताया कि कथित तौर पर आत्महत्या करने वाली महिला कैदी 25 जुलाई, 2019 से इस कारागार में बंद थी। वह दहेज प्रताड़ना के आरोपों में एक अदालती मुकदमे का सामना कर रही थी। इसी मुकदमे में उसका पति और बेटा भी आरोपी हैं। ये दोनों भी जेल में बंद हैं। उन्होंने बताया कि महिला कैदी ने मंगलवार सुबह आम दिनों की तरह जेल में चाय-नाश्ता किया था। वह जेल में अन्य महिला कैदियों के साथ सुबह की प्रार्थना में भी शामिल हुई थी।

कोरोना संकट के कारण जीआईसैट-1 का प्रक्षेपण फिर टला

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु संकट के मद्देनजर लागू राष्ट्रव्यापी बंदी के कारण जीआईसैट-1 उपग्रह का प्रक्षेपण फिर से टल गया है। सूत्रों ने मंगलवार को इस आशय की जानकारी दी। जीएसएलवी-एफ10 से जीआईसैट-1 उपग्रह का प्रक्षेपण पांच मार्च को होना था लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से यह टल गया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से जारी एक बयान में बताया गया था कि अगली तिथि की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। सूत्रों ने हालांकि बताया कि अगला प्रक्षेपण अप्रैल में करने की योजना थी। सूत्र ने बताया, 'लेकिन देशबंदी के कारण अब जीआईसैट-1 का प्रक्षेपण नहीं हो सकता है। उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए, उसके विभिन्न पहलुओं पर काम करने के लिए करीब 1,000 लोगों की जरूरत होती है।' सूत्र ने बताया कि जीआईसैट-1 के प्रक्षेपण के लिए अभी तक कोई तारीख तय नहीं की गई है। भारत में उपग्रहों का प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होता है।

मूक-बधिर युवती से बलात्कार, आरोपी गिरफ्तार

बनिहाल/जम्मू, 7 अप्रैल (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के एक सुदूर गांव में एक बजुर्ग व्यक्ति ने 23 वर्षीय एक मूक-बधिर युवती के साथ कथित रूप से बलात्कार किया और उसे गर्भवती कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार युवती के पिता ने बुजुर्ग के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

अधिकारी ने बताया कि लड़की की चिकित्सीय जांच हुई, जिसमें उसके चार महीने की गर्भवती होने का पता चला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि आरोपी ने कई बार युवती के साथ दुष्कर्म किया और उसे अपने लाइसेंसी बंदूक से गोली मारने की धमकी देता रहा।

www.readwhere.com

दिल्ली में '5-टी' योजना से काम करेगी सरकार, बोले केजरीवाल

प्रभावित इलाकों में ज्यादा जांच करेंगे

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण को हराने के लिए दिल्ली में पंच सूत्रीय कार्य योजना तैयार की है। मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह योजना पेश की। उन्होंने कहा कि जो देश कोरोना से आगे रहे, उन्होंने कोरोना को नियंत्रित किया। हम कोरोना से तीन कदम आगे होंगे तो लड़ाई जरूर जीतेंगे। बुधवार को मुख्यमंत्री सासंदों से भी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि यह 5–टी प्लान (टेस्टिंग यानी जांच, ट्रेसिंग यानी पहचान, ट्रीटमेंट यानी इलाज, टीम वर्क यानी एकजुट होकर काम करना और ट्रैकिंग एंड मॉनिटरिंग यानी रोगी की लगातार जानकारी लेना) है। इसका पालन कर कोरोना को पराजित कर देंगे। सरकार को 30 हजार मरीज होने पर 400 वेंटीलेटर की जरूरत पड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम साउथ कोरिया का उदाहरण ले सकते हैं। साउथ कोरिया ने बहुत बड़े स्तर पर जांच कर एक–एक आदमी को चिंहित किया कि इसको कोरोना है। उसको पृथक कर इलाज किया गया। उन्होंने एक–एक आदमी को चिंहित किया, ताकि कोरोना दूसरे आदमी तक न पहुंच सके। रैपिट टेस्ट के बाद हमारे जो भी हॉट स्पॉट हैं, जहां हमें लगता है कि कोरोना के मरीज ज्यादा निकले। मसलन, मरकज निजामुद्दीन व दिलशाद गार्डन में थोड़ा ज्यादा मरीज निकले थे। उनमें रेपिड टेस्ट को ज्यादा इस्तेमाल करेंगे और रैंडम टेस्ट भी कराएंगे, ताकि पता चल सके कि वहां पर कोरोना फैल तो नहीं रहा है।

टी 1 (टेस्टिंग)
दिल्ली में बढ़ेगी जांच
मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले जांच बढ़ाई जाएगी। जांच नहीं करेंगे तो कोरोना फैलता जाएगा। ऐसे ही दक्षिण कोरिया ने खूब जांच की। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने 50 हजार लोगों के टेस्ट के लिए आर्डर किया है। एक लाख लोगों के टेस्ट के लिए किट आर्डर कर दी है। शुक्रवार से किट आनी शुरू होगी।

टी 2 (ट्रेसिंग)
हॉटस्पॉट में रैपिड टेस्ट कराएंगे
कोरोना पॉजिटिव निकलेगा उसको ट्रेस किया जाएगा। ट्रेसिंग अच्छी चल रही है, अब पुलिस की मदद लेंगे। पुलिस को 27,702 लोगों के फोन नंबर देकर निगरानी कर रहे हैं। मरकज के लोगों के 2 हजार नंबर पुलिस को देंगे, मरकज वाले जहां गए थे। वह जगह पूरी तरह सील की जाएगी।

टी 3 (ट्रीटमेंट)
3000 बिस्तर तैयार
मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार के पास तीन हजार बिस्तर तैयार हैं। इनमें कुल 2450 सरकारी हैं बाकी निजी अस्पताल हैं। इनमें मैक्स साकेत, गंगाराम और अपोलो शामिल हैं। आज दिल्ली के अस्पतालों में 2950 बिस्तर हैं जबकि 525 मरीज हैं। अगर 3,000 से ज्यादा मरीज हुए तो मरीजों को गुरू तेग बहादुर अस्पताल में ले जाया जाएगा।

टी 4 (टीमवर्क)
काम के लिए अनुशासन जरूरी
मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना को अकेले ठीक नहीं कर सकता। इसके लिए टीम बनाकर काम करना होगा। सभी राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा। डॉक्टर और नर्स इस टीम का सबसे बड़ा हिस्सा हैं। सब लोगों को अनुशासन से काम करना है। जिन लोगों के पास पैसा है वो मदद के लिए सामने आ रहे हैं।

टी 5 (ट्रैकिंग-मॉनिटरिंग)
मैं खुद करूंगा यह काम
केजरीवाल ने कहा कि पांचवां टी है ट्रैकिंग एंड मॉनिटरिंग। मैंने जितनी भी बातें बताई, वह सब सही चल रही हैं या नहीं, उसकी मॉनिटरिंग करने की जिम्मेदारी मेरी है। दिल्ली के अंदर 24 घंटे एक–एक चीज को ट्रैक करना योजना के मुताबिक चल रही है या नहीं, इसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है।

दिल्ली में कोरोना
कुल मामले 576
ठीक 20
मौत 09

30 हजार मरीजों के लिए तैयार
मुख्यमंत्री ने बताया कि अगर 30,000 एक्टिव मरीज होते हैं तो उसकी भी योजना तैयार है। इन मरीजों के लिए आठ हजार अस्पताल में कमरे रहेंगे। इसके अतिरिक्त होटल के कमरे टोकओवर करेंगे, 10 हजार मरीज धर्मशाला और बैंक्वेट में रहेंगे। उन्होंने बताया कि एलएनजेपी अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल ,राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को पूरी तरह से कोरोना अस्पताल घोषित कर दिया है। इस तरह 2450 बिस्तर सरकारी अस्पतालों में हैं और 400 बिस्तर निजी अस्पतालों में कोविड बेड घोषित कर दिए हैं। कोरोना इलाज के लिए मैक्स साकेत , गंगाराम को कोरोना के लिए घोषित कर दिया है। यदि यह आंकड़ा 3 हजार को पार कर जाता है, तो हम जीटीबी अस्पताल को पूरी तरह से कोरोना के लिए घोषित कर देंगे। जीटीबी में कुल 1500 बिस्तर हैं।

कैंसर संस्थान में डॉक्टर समेत 13 कोरोना संक्रमित मिले

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

दिल्ली के स्वास्थ्यकर्मियों के बीच कोरोना विषाणु का संक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान में अब एक और डॉक्टर सहित 12 कर्मी और कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इनके साथ ही उन्हें मिला कर अब अस्पताल के दो डॉक्टर सहित 18 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इसके साथ ही प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। अस्पताल के अन्य 45 चिकित्साकर्मियों को भी घर में रहने को कहा गया है।

दिल्ली सरकार के अस्पताल दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में कोरोना का कहर बढ़ता ही जा रहा है। अस्पताल के पास अभी तक इसके स्रोत को लेकर कोई पुख्ता जानकारी नहीं हैं। अभी तक लग रहा था कि डॉक्टर के भाई की वजह से संक्रमण हुआ है लेकिन अब प्रशासन नए सिरे से स्रोत खंगालने में लगा है। अस्पताल पूरी तरह से बंद कर असंक्रमित किया जाएगा साथ ही इसके मरीजों को दूसरे निजी अस्पतालों में भेजा जाएगा।

इतनी बड़ी संख्या में अस्पताल कर्मी संक्रमित हुए है जिसके बाद अस्पताल इस जांच में जुटा है कि आखिर यह संक्रमण इतना फैला कैसे। अस्पताल में भर्ती 19 कैंसर मरीजों के भी नमूने कोरोना जांच के लिए भेजा गया। अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ बीएएल शेरवाल ने कहा कि अगर उनकी रिपोर्ट निगेटिव आती है तो उनको निजी अस्पताल धरमशिला कैंसर संस्थान में भेजा जाएगा। इनका खर्च सरकार वहन करेगी।

चूंकि कैंसर मरीज पहले ही काफी कमजोर होते हैं ऐसे में उनको संक्रमण का खतरा अधिक है। इसलिए उनका विशेष ध्यान रखा जाएगा। डॉ शेरवाल ने बताया कि आज संक्रमित पाए गए कर्मियों को राजीव गांधी सुपरस्पेशियिलटी अस्पताल में रखा गया है। यह अभी करीब 200 कोरोना मरीज हैं जिनमें से करीब 130 मरीज मरकज वाले हैं।

कोरोना पर बच्चों के सवालों को दूर करेगी हेल्पलाइन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

दिल्ली सरकार के बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) ने कोरोना महामारी के दौरान सार्थक जुड़ाव और रचनात्मक कार्य करने के लिए बच्चों और माता–पिता की काउंसलिंग करेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने ट्वीट कर हेल्पलाइन की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह पहल इंडस एक्शन और कोविड रिस्पॉन्स के सहयोग से की गई है। यह पूरी तरह से प्रशिक्षित शिक्षाविदों, मनोवैज्ञानिकों और काउंसलरों की एक टीम है जो प्रभावी ढंग से बातचीत करेगी। यह टीम सुबह 10 से शाम 7 बजे तक 30 अप्रैल तक परामर्श प्रदान देगी। कोई भी हेल्पलाइन नंबर 011–411–82977 पर संपर्क कर मदद ले सकता है। यह सुविधा सप्ताह के सभी दिनों में उपलब्ध रहेगी। बच्चों द्वारा हेल्पलाइन का उपयोग नई गतिविधियों को सीखने के लिए भी किया जा सकता है, ताकि वे खुद को रचनात्मक बना सकें।

जमातियों के बैंक खातों पर अपराध शाखा की नजर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

निजामुद्दीन स्थित तबलीगी जमात के मरकज पर अपराध शाखा का शिकंजा कसना शुरू हो गया है। अपराध शाखा ने आरोपियों के बैंक खाते को खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शाखा की ओर से यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इनको कौन–कौन लोग फंडिंग कर रहे थे। किन–किन संस्थाओं से जमात को चंदा मिल रहा था। इसकी जांच भी की जा रही है कि पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआइ) संस्था से फंडिंग हुई या नहीं? खुद को पृथक केंद्र में रहने की दलील को नहीं मानते हुए पुलिस ने मौलाना साद की भी तलाश तेज कर दी है। मरकज का कोरोना कनेक्शन सामने आने के बाद जमात के अमीर मौलाना साद समेत सात लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज है।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सोमवार को ही मौलाना साद को दूसरा नोटिस भेजा था जिसमें 26 सवालों के जवाब मांगे गए थे। दिल्ली पुलिस मौलाना साद का खुद को पृथक केंद्र में होने की दलील को इस आधार पर खारिज कर दिया कि उसके पास ऑनलाइन अपनी सफाई देने का मौका है। मरकज में खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में फंड मिलता है, जो जांच के दायरे में है। राजधानी में बीते फरवरी माह में हुए दंगे और शाहीनबाग में लंबे समय तक चले प्रदर्शन में पीएफआइ पर फंडिंग के आरोप लगे थे। इन मामलों को लेकर स्पेशल सेल ने पीएफआइ के कई पदाधिकारियों को भी गिरफ्तार किया था।

इसलिए अब मरकज मामले में भी पीएफआइ से फंडिंग का शक शाखा को है। निजामुद्दीन मरकज से दिल्ली सरकार और पुलिस कुल 2361 लोग निकाले थे। इनमें से 300 से ज्यादा की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आ चुकी है। मरकज से बड़ी संख्या में जमाती दिल्ली के विभिन्न मस्जिदों में चले गए थे। उनमें से भी काफी लोगों को पुलिस तलाशकर क्वारंटाइन में भेज चुकी है। इस पूरे प्रकरण को लेकर दिल्ली पुलिस अधिकारी ने एफएसएल के साथ जाकर मरकज की छानबीन की है। शाखा ने जो 26 सवाल किए हैं उसमें मरकज का पूरा नाम–पता, रजिस्ट्रेशन और संगठन से जुड़े लोगों, मरकज का पैन नंबर, बैंक अकाउंट और बैंक स्टेटमेंट की जानकारी मांगी है।

कमरे के बाहर ही दो जमातियों ने किया शौच, मामला दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

नरेला पृथक केंद्र (क्वारंटाइन सेंटर) में भर्ती दो जमातियों के खिलाफ बदसलूकी के आरोप में दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कोरोना विषाणु से संक्रमित होने के शक में नरेला क्वांरटाइन केंद्र में शिफ्ट किए गए दोनों जमातियों ने अपने कमरे के बाहर ही शौच कर दिया। जब कर्मचारी वहां पहुंचे तो वो उनसे बदसलूकी करने लगे। स्टाफ ने अपने अधिकारियों को इसकी सूचना दी और फिर इनके खिलाफ पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया।

दरअसल, दिल्ली के नरेला पुलिस स्टेशन में जमातियों के खिलाफ क्वारंटाइन सेंटर के प्रभारी की तरफ से दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने जमाती मोहम्मद फाद और अदनाम जाहिर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि दोनों जमाती मनमाना खाना और मांसाहारी भोजन की मांग कर थे। मना करने पर इनकी यह करतूत सामने आई।

बुजुर्ग की कोरोना से मौत, अपार्टमेंट सील

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

पूर्वी दिल्ली के मयूर ध्वज अपार्टमेंट में रहने वाले बुजुर्ग की कोरोना से हुई मौत के बाद अपार्टमेंट को सील कर दिया गया है। हैरान करने वाली बात ये है कि बुजुर्ग ना तो विदेश गए थे और ना ही उनके परिवार का ही कोई सदस्य विदेश से आया है। आइपी एक्सटेंशन इलाके स्थित मयूर ध्वज अपार्टमेंट में रहने वाले बुजुर्ग किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। उनका इलाज विकास मार्ग स्थित शांति मुकुंद में चल रहा था। इलाज के दौरान मौत के बाद उनमें विषाणु का पता चला। सोसायटी को सील करने के बाद अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को क्वारंटाइम रहने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक मरीज किस कारण से संक्रमित हुए, इसका पता नहीं चल पाया है। विदेश से कनेक्शन नहीं होने पर आशंका है कि अस्पताल में ही वह संक्रमित हुए।

11वीं की ऑनलाइन पढ़ाई शुरू, नौवीं की भी जल्द

पहले ही दिन 9 हजार से अधिक बच्चों का पंजीकरण

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

दिल्ली सरकार अपने बच्चों को ऑनलाइन शिक्षण दे रही है। कोरोना संक्रमण की वजह से देशबंदी के बाद यह पहल शुरू की गई है। इसकी मदद से 11वीं कक्षा के बच्चों की पढ़ाई शुरू की गई है। ये बच्चे 12वीं में जाने के लिए परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। माध्यमिक कक्षाओं के बच्चों के शिक्षण कार्य के लिए खान अकादमी के साथ करार किया है। जल्द ही कक्षा 9 के छात्रों के लिए भी यह रास्ता खुलेगा।

दिल्ली सरकार के स्कूलों में 6 अप्रैल से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की गई हैं। विशेष रूप से गणित और विज्ञान में शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता और छात्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से कक्षा 9 के छात्रों के लिए भी एक विस्तृत शिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए खान अकादमी के साथ बातचीत की जा रही है। सोमवार कार्यक्रम में पहले ही दिन 9000 से अधिक छात्रों ने ऑनलाइन कक्षाओं के लिए अपना पंजीकरण कर लिया है।

दिल्ली सरकार इसके शैक्षिक पोर्टल पर दी गई सामग्री और संसाधनों का उपयोग कक्षा 12 के छात्रों के लिए पहले से ही चल रही ऑनलाइन कक्षाओं के साथ जोड़ने पर विचार कर रही है। इससे बंद में किसी भी तरह से पढ़ाई में बाधक नहीं बने। साझेदारी के तहत यह एक तरह की स्वशिक्षण योजना है। छात्रों को स्वमूल्यांकन के साथ पढ़ाई के लिए ऑडियो और वीडियो आधारित सामग्री प्रदान की जाएगी। छात्रों के लिए महत्त्वपूर्ण विषयों पर विशेष शंका समाधान के सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। खान अकादमी की टीम लाइव चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने और सभी तरह की प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। दिल्ली सरकार खान अकादमी की मदद से शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की भी योजना बना रही है ताकि शैक्षणिक सत्र शुरू होने से ठीक पहले छात्रों के लिए फॉलोअप सत्र को प्रभावी ढंग से शुरू करने के लिए उन्हें तैयार किया जा सके।

कतार में खड़े दिखे लोग | **दिक्कत** | कड़ी मशक्कत उठानी पड़ी

सुबह से खड़े लोगों को दोपहर बाद मिला राशन

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

छज्जुपुर में रहने वाली गुड्डी को रात में ही मोबाइल पर संदेश आ गया था कि सुबह 11 बजे से 2 बजे तक राशन मिलेगा। गुड्डी उन लाखों उपभोक्ताओं में से एक हैं, जिसके पास राशन कार्ड नहीं है और राशन के लिए उसने सरकारी वेबसाइट पर पंजीयन कराया था। ऐसे सैकड़ों लोग राशन के लिए सुबह 9 बजे से कतार में थे लेकिन 2 बजे के बाद ही वितरण शुरू हो पाया।

राशन केंद्र पर राशन देरी से पहुंचा जिससे परेशानी खड़ी हो गई। इस वजह से केंद्रों पर भीड़ बढ़ गई। दिल्ली सरकार ने मंगलवार से ही स्कूलों के माध्यम से राशन वितरण करने की योजना तैयार की थी। योजना के तहत बिना राशन कार्ड वालों को 5 किलो राशन दिया जाना था। गुड्डी की तरह ही राजेंद्र और मो कासिम भी ऐसे ही लोगों में शामिल थे। उस जैसे बहुत सारे लोगों को यह संदेश पहुंच था।

इन केंद्रों पर दोपहर के समय में भीड़ अधिक हो गई और तैनात सिविल डिफेंस के कर्मचारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। खराब व्यवस्था का सबसे बड़ा कारण यह था कि इन केंद्र पर ही दिल्ली सरकार द्वारा भोजन वितरण का भी काम चल रहा था। प्रबंधन के काम में लगे कर्मचारियों ने व्यवस्था को दोषी ठहराया। राशन वितरण के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से ई–कूपन जारी किए गए थे। इस ई–कूपन पर ही लोगों को बताया गया था कि उनको कहां से राशन मिलेगा। दिल्ली भर में कई केंद्र पर यह राशन नहीं पहुंचने की शिकायत सामने आई हैं। लोगों को राशन के लिए नई तारीख 8 अप्रैल दी गई है।

राशन से लंबी कतार दिल्ली के बैंकों के बाहर नजर आई। इन केंद्रों पर व्यवस्था बनाने में पुलिस ने बैंक की काफी मदद की। दरअसल सभी बुजुर्गों की पेंशन व सरकारी ऐलान के मुताबिक बैंक खातों में पांच हजार रुपए आने की सूचना के बाद ये लाइनें सरकारी बैंकों के बाहर नजर आई। यहां बच्चों और बुजुर्ग लाइन में दिखे।इनमें ज्योति कॉलोनी एसबीआइ, छज्जुपुर, और घौंडा जैसी बैंक शाखा शामिल थी।

कोविड–19 के मद्देनज़र
शब–ए–बारात
के सम्बन्ध में अपील

सत्यमेव जयते

शब–ए–बारात की पवित्र रात परिवारों के लिए अपने पूर्वजों को याद और प्रार्थना करने का अवसर है।

कोविड–19 महामारी के दौरान दिल्ली लॉकडाउन में है। इसलिए, लोगों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने घरों से बाहर न निकलें और घर पर रह कर ही अपने परिवार की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। प्रत्येक व्यक्ति ऐसे किसी भी अनुचित व्यवहार करने से बचे जिससे कोविड–19 से निपटने के लिए निर्धारित दिशा–निर्देशों का उल्लंघन हो।

मैं सभी धार्मिक नेताओं, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और अभिभावकों से अपील करता हूँ कि वे युवाओं को इस अवसर का निष्ठापूर्वक पालन करने और एक साथ मिल कर भीड़ इकट्ठा न करने की सलाह दें। हमें पूर्ण लॉकडाउन का पालन करते रहना चाहिए। दिल्ली पुलिस आम जनता के हित में किसी भी उल्लंघन के लिए शून्य सहिष्णुता (zero tolerance) के साथ पूर्ण लॉकडाउन को बनाए रखने के लिए व्यापक बंदोबस्त करेगी।

(अनिल बैजल)
उप–राज्यपाल, दिल्ली

आपकी सहायता में हमारी मदद करें

तुरंत पुलिस सहायता के लिए कॉल करें 112
पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 1090

DP/9236/2020

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	34.2 डि.से.	34.2 डि.से.	36.0 डि.से.	36.0 डि.से.
न्यूनतम	17.6 डि.से.	17.6 डि.से.	17.5 डि.से.	17.6 डि.से.

नोएडा में निजी अस्पताल की एक प्रयोगशालाकर्मी संक्रमित

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 7 अप्रैल।

गौतम बुद्ध नगर में दो दिन बाद मंगलवार को नोएडा में कोरोना वायरस से संक्रमण का एक नया मामला सामने आया है। जिसके चलते जिले में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 59 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है लेकिन बाद में प्रशासन ने संशोधित सूचना जारी करते हुए मंगलवार को मिले मामले को दिल्ली की कड़ी से जुड़ा होने की वजह से इसे गौतम बुद्ध नगर का रोगी नहीं मना है। हालांकि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का केंद्र बने गौतम बुद्ध नगर में दो दिनों के अंतराल के बाद यह मामला आया है। जानकारी के मुताबिक, फोर्टिस अस्पताल में लैब तकनीशियन महिला में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है।

जिले में कोरोना के कुल 10 मरीजों की अस्पताल से छुट्टी हो चुकी है। दो दिनों बाद इस मामले ने फिर से प्रशासन के कान खड़े कर दिए हैं। नए डीएम के तैनात होने के बाद

प्रशासन ने रोगी को दिल्ली का माना, दूसरी जगह भेजा

कोरोना विषाणु संक्रमण से ग्रसित 10 मरीज हुए ठीक

जिले में कोरोना वायरस पर काबू पाया गया है। युवा और तेजतर्रार डीएम सुहास एलवाई तैनाती के बाद से लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने कोरोना के खिलाफ जागरूकता के तहत 300 सर्विलांस और जांच टीमें बनाई हैं।

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जो रिपोर्ट जारी किए गए उसके अनुसार जिले के अब तक दस लोगों ने कोरोना से जंग जीत ली है। सीएमओ डॉ. एपी चतुर्वेदी के मुताबिक अभी तक जिले में 1180 लोगों को निगरानी में रखा गया है। इसके साथ ही विदेश से यात्रा करने वाले 1862 लोगों में से 1368 को चिन्हित किया गया है लेकिन 184 लोग अब भी स्वास्थ्य विभाग की पहुंच से दूर हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से विभिन्न अस्पतालों में 344 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

झुग्गी झोपड़ी से 200 लोगों को किया पृथक

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 7 अप्रैल।

सेक्टर-8 की झुग्गियों में रह रहे करीब 200 लोगों को क्वारंटाइन (पृथक) किया गया है। इन सभी को शहर के अलग-अलग केंद्रों में भेजा जा रहा है। देर रात झुग्गियों में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस लेकर पहुंची। इसके बाद वहां हड़कंप का माहौल है। जिला प्रशासन ने बताया कि कुछ दिन पहले कोरोना का एक संदिग्ध संक्रमित झारखंड से यहां आया था। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसके संपर्क में करीब 200 लोग आए हैं। एहतियात के तौर पर इन लोगों को 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन में भेजा गया है। मौके पर भारी पुलिस बल व एंबुलेंस तैनात है। इन सभी लोगों की कोरोना जांच करवाई जाएगी।

बूथ गौतम बुद्ध नगर में सुरक्षित नमूने लेने के लिए एक बूथ बनाया गया है। बूथ के अंदर से एक महिला के नमूने लेता स्वास्थ्यकर्मी।

लुटियंस दिल्ली की हरियाली और सफाई को बरकरार रखने की चुनौती

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण के चलते लुटियंस दिल्ली की मुख्य सड़कों की हरियाली और सफाई को बरकरार रखने की चुनौती को देखते हुए नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) कर्मचारियों ने पांच मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीन से पर्यावरण अनुकूल बनाने का अभियान तेज कर दिया है। पालिका परिषद के पास 42.74 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में रखरखाव के साथ ही मुख्य सड़कों की सफाई के लिए व्यापक लंबाई 360 किलोमीटर का दायरा है।

परिषद वर्तमान में नई दिल्ली क्षेत्र में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए मुख्य सड़कों को दो शिफ्टों में 5 मैकेनिकल रोड स्वीपर का संचालन कर रही है। लगभग 190 किमी प्रतिदिन सड़क की दैनिक या वैकल्पिक दिन पर सफाई इन मेकेनिकल रोड स्वीपरों से की जा रही है। इन मोटराइज्ड स्वीपर में स्प्रिंकलर सिस्टम लगे हैं जिससे इनके द्वारा गीली सफाई की व्यवस्था होती है, जो पालिका परिषद के क्षेत्र को सफाई होते समय धूल मिट्टी के प्रदूषण से बचाती है।

फरीदाबाद में कोरोना विषाणु संक्रमण की जांच के लिए घर-घर जाएगी टीम

फरीदाबाद, 7 अप्रैल (जनसत्ता)।

फरीदाबाद में कोरोना संक्रमण के छह, पलवल में तीन और नूहं में सोलह नए मामले आने के बाद प्रशासन ने युद्ध स्तर पर का शुरू कर दिया है। हालांकि नूहं में कोरोना संक्रमित सबसे ज्यादा 30 मामले हैं पर यहां प्रशासन ने अभी तक इसे रोकने के पुख्ता इंतजाम नहीं किए हैं जबकि पलवल में 15 गांव को अलग-थलग और 36 गांव को बफर जोन में शामिल कर उनकी सीमाएं सील कर दी है।

इसी तरह फरीदाबाद प्रशासन ने करीब 20 लाख आबादी वाले इस जिले मैं घर-घर जाकर हर परिवार की जांच करने का एलान किया है। इसके लिए एक स्वास्थ्य नियंत्रण केंद्र स्थापित किया गया है। हर परिवार का ब्योरा जुटाने और स्वास्थ्य जांच करने के लिए 2313 टीम बनाई गई है। इसके अलावा 187 मोबाइल टीम भी बनाई गई है।

जिले में अब पृथक जोन में शामिल गांवों की संख्या हुई 15 हो गई है। बफर जोन में शामिल गांव की तादाद 36 हो गई है। कोरोना विषाणु को फैलने से रोकने के लिए इन सभी गांवों की सीमाएं सील कर दी गई है। मंडलायुक्त संजय जून मंगलवार को लघु सचिवालय में जिला प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोरोना से बचाव के संबंध में किए जा रहे कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी लोगों का डाटा इकट्ठा करें, मरीजों का फालोअप भी लें, सरकारी व निजी एंबुलेंस गाड़ियों का डाटा तैयार कर लें।

दिल्ली में आपराधिक वारदातों का ग्राफ हुआ कम

अपराधी भी कोरोना की वजह से दुबके

अमलेश राजू
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

राजधानी दिल्ली में कोरोना के चलते पूर्णबंदी के दौरान भी आपराधिक वारदातें हो रही हैं। हालांकि इनकी संख्या कम हो गई है। सेंधमारी और चोरी की वारदातों में भी कमी है, लेकिन बंदी के इस दौर में अपराधियों के लिए यह काम करना आसान बना हुआ है। पुलिस के पास अधिकतर शिकायतें ऑनलाइन आ रही हैं।

पूर्णबंदी के चलते लोगों का घर से निकलना बंद किया गया है। लेकिन अपराधी इससे बेपरवाह हैं। सख्ती में भी घटनाओं की सूचना पुलिस को मिल रही है। लोग थाने न पहुंचकर अपनी समस्याएं ऑनलाइन दर्ज करा रहे हैं। हालांकि पुलिस के पास पड़ोसियों से कोरोना के संक्रमण, खाद्य पदार्थों की कमी की शिकायत के बाद बीमारों को अस्पताल ले जाने की दिक्कतों से संबंधित सूचनाएं प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में आ रही हैं। आपराधिक वारदातों का ग्राफ काम होने के दावे दिल्ली पुलिस के तीनों उपायुक्त एसके सिंह, शरत कुमार सिन्हा और अतिरिक्त प्रवक्ता एके मित्तल के भी हैं।

घरेलू हिंसा पर आयोग गंभीर

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्लू) ने कोरोना के दौरान घरेलू हिंसा से जुड़े मामले बढ़ने की बात कही है।

जबकि दिल्ली पुलिस ने 15 दिनों के आंकड़े देते हुए यह दावा किया है कि शिकायतें कम हैं। आयोग की रेखा शर्मा ने कहा है कि 24 मार्च से एक अप्रैल तक एनसीडब्लू को 69 घरेलू हिंसा की शिकायतें मिली हैं और यह दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। रोज कम से कम एक या दो ईमेल मिल रहे हैं, यहां तक कि सीधे मेरी व्यक्तिगत ईमेल आइडी पर भी कई मेल आ रहे हैं। मेरे स्टाफ के सदस्यों को हमारे आधिकारिक ईमेल आईडी और फोन नंबर के अलावा उनके व्यक्तिगत ईमेल और वाट्सऐप नंबर पर घरेलू हिंसा की शिकायतें भी मिल रही हैं। शर्मा ने कहा कि मैंने लॉकडाउन के कारण विभिन्न प्रकार की शिकायतें देखी हैं। महिलाएं पुलिस तक नहीं पहुंच पाती हैं और वे पुलिस में भी नहीं जाना चाहती हैं।

आंकड़ों में दिल्ली का अपराध

	2019	2020
वारदात	109	53
लूट	13	03
रंगदारी	121	66
चोरी	294	181
झपटमारी	01	00
फिरौती	259	150
अपहरण	1982	1243
वाहन चोरी	126	55
सेंधमारी	144	72
महिला अपराध	78	27
मारपीट	216	112
सड़क दुर्घटना	48	19
गंभीर दुर्घटना		

(नोट : सभी आंकड़ें दिल्ली पुलिस की ओर से 15 मार्च से 31 मार्च के बीच के हैं।)

'जेल की चिट्ठी' में दिखा कोरोना के खिलाफ कैदियों का काम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल ।

कोरोना विषाणु के खिलाफ लड़ाई देश की जेलों से भी लड़ी जा रही है। आम जनता को संक्रमण के खतरे से बचाने लिए जेलों में भी मास्क, सेनेटाइजर किट व विशेष वार्ड भी तैयार किए जा रहे हैं।

जेल सुधारक व तिनका तिनका की संस्थापक वर्तिका नंदा ने इसकी तारीफ की है। इसके लिए वर्तिका नंदा ने वीडियो तैयार किया है जिसे उन्होंने 'जेल की चिट्ठी' नाम दिया है। इसमें उन्होंने बताया है कि बंद की वजह से पहली बार लोगों को जेल जैसी जिंदगी का अहसास हुआ है जबकि जेल की परिस्थितियां इससे कहीं ज्यादा विकट हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब बाहर के कई लोग खुद को जेल के बंदी जैसा ही महसूस करने लगे हैं। इससे यह उम्मीद भी की जा सकती है कि उन्हें आपकी तकलीफ का अंदाजा होगा। देश की 1,339 जेलों में करीब 4,66,084 कैदी बंद हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, देश की जेलों में औसतन क्षमता से 117.6 फीसदी ज्यादा बंदी हैं। उत्तर प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों में यह दर क्रमशः 176.5 फीसदी और 157.3 फीसद है। संकट के इस दौर में तिहाड़ से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और केरल समेत कई राज्यों ने बाहर की दुनिया को कोरोना से बचाने के लिए सराहनीय काम किया है।

जिला अस्पताल की आपातकालीन सेवा में देखे जाएंगे सामान्य मरीज

जनसत्ता संवाददाता
गाजियाबाद, 7 अप्रैल।

कोरोना विषाणु के संक्रमण से निपटने के लिए गाजियाबाद प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर ली हैं। जिला एमएमजी अस्पताल में अब केवल सामान्य मरीज देखे जाएंगे। कोरोना के सभी 20 मरीज मुरादनगर सीएचसी में बनाए गए कोविड-19 लेवल-1 अस्पताल में भर्ती किए गए हैं।

सीएमओ डॉ एनके गुप्ता ने बताया तय दूरी का पालन करने के लिए फिलहाल एमएमजी अस्पताल में ओपीडी सेवाएं शुरू नहीं होंगी। बाकी सभी सुविधाएं पूर्व की भांति चलती रहेंगी। हालांकि सीएमओ ने बहुत जरूरी होने पर ही अस्पताल जाने की सलाह दी है। मरीज ओपीडी के बजाए सीधे आपातकालीन सेवा में जाएंगे और जरूरी उपचार ले सकेंगे। चूंकि बदलते मौसम में तमाम तरह के संक्रमण बढ़ जाते हैं। जिला अस्पताल में कोरोना वार्ड से दूसरे मरीजों को उपचार देने में परेशानी हो रही थी इसलिए एमएमजी में अब कोरोना से संबंधित कोई भी उपचार न करने का निर्णय लिया गया है। जिला अस्पताल में ओपीडी को छोड़कर सामान्य दिनों की ही भांति सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

जिला अधिकारी ने नए केंद्र बनाने के लिए बीबीडीआईटी में दो सौ बिस्तर, सिकरोड स्थित आईडियल इंस्टीटयूट में 100 बिस्तर, मटियाला स्थित जनहित कॉलेज में 100 बिस्तर, एबीईएस कॉलेज में 125 बिस्तर और लाल कुआं स्थित आइएमएस कॉलेज में 490 कमरे का अधिग्रहण कर लिया है। इनके अलावा नेहरू नगर स्थित यशोदा अस्पताल में 50 बिस्तरों का पृथक वार्ड और कोलंबिया एशिया अस्पताल में 95 बिस्तर का वार्ड बनाने के लिए अधिग्रहण कर लिया है।

10 करोड़ के नशीले पदार्थ के साथ पांच गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

दिल्ली पुलिस ने पूर्णबंदी में 10 करोड़ का नशीला पदार्थ बरामद किया। पुलिस की भनक लगते ही गिरोह का सरगना छत से छलांग लगाकर भागने की कोशिश करने लगा लेकिन टीम ने इसे भागने का मौका नहीं दिया और दबोच लिया। जबकि चार अन्य नाइजीरियाई नागरिक को विदेशी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस द्वारका जिला के एंटी नारकोटिक्स स्क्वायड और मोहन गार्डन थाने की पुलिस टीम ने एक संयुक्त ऑपरेशन में नशीले पदार्थ तस्करी के मामले में एक नाइजीरिया मूल के हेरोइन तस्कर सहित पांचों को गिरफ्तार किया है। ये लोग लॉकडाउन में बचते-बचाते नशीले पदार्थ की खेप भेजने के चक्कर में थे।

मां को मुखाग्नि देने के लिए मुख्यमंत्री को किया ट्वीट, बिहार भिजवाया

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 7 अप्रैल।

पूर्णबंदी के दौरान शहर में फंसे एक मजदूर की मां की सोमवार को बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित गांव में मृत्यु हो गई। युवक ने तुरंत मुख्यमंत्री कार्यालय, नोएडा पुलिस सहित प्रशासनिक अधिकारियों को टैग करते हुए ट्वीट कर बिहार भिजवाने की गुहार लगाई। सीएम कार्यालय से मामला संज्ञान में आने पर विधायक पंकज सिह ने नोएडा पुलिस और डीएम को ट्वीट कर युवक को बिहार भेजने का निर्देश दिया। देर शाम उसे बिहार रवाना किया गया।

मूलरूप से ग्राम मदहोल जिला मुजफ्फरपुर बिहार निवासी सचिन कुमार नोएडा के सेक्टर 35 स्थित मोरना गांव में किराए के मकान में रहते हैं। वह दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं। सचिन की माता का काफी समय से स्वास्थ्य खराब चल रहा था। सोमवार रात गांव में सचिन की माता का देहांत हो गया। परिजनों ने उसे इसकी सूचना दी। अब उसके सामने मुश्किल खड़ी हो गई कि वह कैसे गांव पहुंचे। क्योंकि पूर्णबंदी के चलते बस- रेल आदि सब बंद है। उसने एक शिकायत तैयार कर उसमें लिखा कि उसकी माता का गांव में देहांत हो गया है। उनकी माता को कोई मुखाग्नि देने वाला नहीं है।

पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सचिन ने शिकायत को मुख्यमंत्री कार्यालय, यूपी पुलिस, पुलिस सहित कई प्रशासनिक लोगों को टैग कर ट्वीट कर मदद मांगी। नोएडा विधायक पंकज सिह को इस बारे में मुख्यमंत्री कार्यालय से पता चला। उन्होंने तुरंत सचिन के ट्वीट को रि-ट्वीट कर जिलाधिकारी और नोएडा पुलिस को मामले को देखने का निर्देश दिया।

शिअद कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण से जूझ रहे दिल्ली वालों के लिए शिरोमणि अकाली दल दिल्ली (शिअद) ने 52 यूनिट रक्त दान किया।

शिअद प्रधान सरदार परमजीत सिंह सरना की अगुआई में सिख युवकों ने दिल्ली के अस्पतालों में 52 यूनिट रक्त भी उपलब्ध कराया। शिअद ने कहा-जनता कर्फ्यू के बाद से अब तक करीब 14 दिनों में शिअद के कार्यसेवक 70 हजार से अधिक लोगों को खाने का सामान और अन्य उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा चुके हैं। यह काम आगे तब तक जारी रहेगा जबतक पूर्णबंदी लागू है। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सरना ने कहा- शिअद दिल्ली के कार्यकर्ता जान जोखिम में डालकर दिल्ली की झुग्गी बस्तियों और कई कॉलोनियों में सेनेटाइजेशन के कार्यों को अंजाम दिया।

भंडारण और फसल बेचने की व्यवस्था नहीं | **समस्या** | पूर्ण बंदी में कृषि छूट साबित हो रही बेमानी

फसल कटाई के बाद सामने खड़ी है बड़ी मुसीबत

केंद्र की तरह सभी राज्यों से फसल खरीद आदेश जारी करने की मांग

भंडारण और उपार्जन से जुड़ी समस्या पर किसानों का महासंघ आगे आया

प्रियरंजन
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

पूर्णबंदी में रबी की कटाई के लिए खेती किसानी को मिली सशर्त छूट के बीच एक समस्या फसलों के भंडारण और उपार्जन को लेकर खड़ी हो गई है। भंडारण और उपार्जन को लेकर कई जगह स्थानीय प्रशासन ने रोक लगा दी है। लिहाजा फसलों के पुनर्खरीद न होने से किसानों को तुरंत मिल सकने वाले पैसे से वंचित होना पड़ रहा है। खरीब के फसलों की तैयारी प्रभावित होने का अंदेशा खड़ा हो गया है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ का कहना है कि रबी के फसलों की कटाई, खुदाई, मड़ाई, सफाई, सुखाई, छंटाई आदि प्रक्रिया में किसानों ने सरकार के सभी शर्तों का पालन शुरू कर दिया है। लेकिन भंडारण और फसलों को बेंचकर पैसा कमाने के लिए वे वहीं खड़े है जहां वे कर्फ्यू पास मिलने के पहले खड़े थे।

उचित दूरी का ध्यान रखते हुए खेत में काम करते किसान।

महासंघ ने कहा -राज्य सरकारों, स्थानीय प्रशासनों को व्यवहारिकता को समझना होगा। किसान अपनी फसलें बेच कर अपना कर्ज चुकाता है। जरुरी खर्चों का इंतजाम करता है व खरीफ की फसलों की बुआई की तैयारी करता है। केंद्र सरकार के आदेश के बावजूद किसानों की फसल खरीदी संबंधी कोई भी आदेश राज्य सरकारों ने जारी नहीं किया है। इससे स्थानीय स्तर पर भ्रम की स्थिति है। महासंघ के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा-केंद्र सरकार का फसल खरीदी का आदेश होने के बावजूद मध्यप्रदेश सरकार ने फसल खरीदी को स्थगित कर दिया। उन्होंने बताया कि महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार कक्काजी ने इस बाबत मध्यप्रदेश सरकार को पत्र लिखकर किसानों की व्यवहारिकता को समझने की अपील की है। शासन के आदेश को वापस लेने की मांग की है। साथ ही सभी राज्यों से यह दरखास्त भी की है कि वे केंद्र सरकार के आदेश के पक्ष में फसल खरीदी संबंधी आदेश अपने अपने यहां जल्द जारी करें। बकौल कक्काजी अगर इस समय किसानों की फसलों की खरीदी नहीं हुई तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जरूरी धनराशि नहीं आ पाएगी। अगर किसानों की फसलों का सही से भंडारण नहीं किया गया तो आने वाले समय में खाद्यानों की कमी का सामना देश को करना पड़ सकता है। देश की 60 फीसद लोग प्रभावित होंगे।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने किसानों के लिए जो जरूरी पैमाना तय किया है उसका पूरे देश में पालन हो रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए जारी दिशानिर्देश में कंबाइन हार्वेस्टर (कृषि यंत्र) और कृषि-बागवानी उपकरणों की कटाई और बुआई संबंधित मशीनों की अंतर-राज्य आवाजाही को भी शामिल किया गया है। किसान नेताओं ने कहा यदि पूर्णबंदी में किसानी पर ध्यान नहीं दिया गया तो स्थितियां और बिगड़ेंगी।

चार अस्पतालों का अधिग्रहण कर स्वास्थ्य विभाग को सौंपा

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 7 अप्रैल।

गौतम बुद्ध नगर प्रशासन ने शहर के चार अस्पतालों का अधिग्रहण कर स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया है। इन अस्पतालों में पृथक वार्ड संचालित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एपी चतुर्वेदी ने चारों अस्पतालों में पृथक वार्ड तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि शहर के चार अस्पतालों का अधिग्रहण जिला प्रशासन ने किया है। शहर में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इन अस्पतालों में पृथक वार्ड बनाए जाएंगे। इनमें सेक्टर 35 स्थित सुरभि अस्पताल, सेक्टर 29 स्थित भारद्वाज अस्पताल, सेक्टर 61 स्थित लाइफ केयर अस्पताल और सेक्टर 19 स्थित इंडो गल्फ अस्पताल शामिल हैं।

जिलाधिकारी के मुताबिक गौतम बुद्ध नगर में कोरोना वायरस से संक्रमित 300 लोगों का एकसाथ उपचार करने की सुविधाएं विकसित कर ली गई हैं। जिन अस्पतालों में पृथक वार्ड बनकर तैयार हैं, वहां मरीजों का इलाज किया

चारों अस्पतालों में बनाए जाएंगे पृथक वार्ड, 300 लोगों का एक साथ किया जा सकेगा उपचार

जा रहा है। फिलहाल नोएडा में सेक्टर 30 स्थित सुपर स्पेशलिटी चाइल्ड अस्पताल, ग्रेटर नोएडा का राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान और शारदा मेडिकल कॉलेज में पृथक वार्ड काम कर रहा है। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा में एआइआइएमएस में भी पृथक वार्ड बनाने का काम चल रहा है। ग्रेटर नोएडा स्थित कैलाश प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल में 100 बिस्तर का पृथक वार्ड बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। सीएमओ ने बताया कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कम से कम 1000 बिस्तर के पृथक वार्ड तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में इन अस्पतालों का उपयोग किया जा सके। माना जा रहा है कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में इतनी बड़ी संख्या में लोग संक्रमित नहीं होंगे। लेकिन, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई मरीजों का इलाज गौतम बुद्ध नगर में किया जा सकता है।

www.readwhere.com

सुरक्षा परिषद कल करेगी कोविड-19 पर वार्ता

संयुक्त राष्ट्र, 7 अप्रैल (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद कोविड-19 महामारी पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को एक सत्र आयोजित करेगी।

सुरक्षा परिषद कोरोना पर पहली बार वार्ता करेगी। इस महामारी ने विश्वभर में 74 हजार लोगों की जान ले ली है और 13 लाख लोग इससे संक्रमित हैं।

अप्रैल महीने के लिए परिषद के अध्यक्ष डोमिनिकन गणराज्य ने कहा कि उसने 'यूएनएससी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामलों पर कोविड-19 के प्रभाव के संबंध में' वीडियो टेलीकॉन्फ्रेंसिग के जरिए बैठक करने का फैसला किया है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस भी गुरुवार को होने वाले इस सत्र में भाग लेंगे। यह देखने वाली बात होगी कि बैठक के बाद कोविड-19 संबंधी हालात पर प्रेस के लिए कोई बयान जारी किया जाएगा या नहीं।

इससे पहले डोमिनिकन गणराज्य के विशेष दूत जोस सिंगर ने पिछले सप्ताह जानकारी दी थी कि कोरोना वायरस महामारी पर चर्चा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पहली बैठक अगले हफ्ते या उससे भी पहले हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस भी गुरुवार को होने वाले इस सत्र में भाग लेंगे। यह देखने वाली बात होगी कि बैठक के बाद कोविड-19 संबंधी हालात पर प्रेस के लिए कोई बयान जारी किया जाएगा या नहीं। इससे पहले डोमिनिकन गणराज्य के विशेष दूत जोस सिंगर ने पिछले सप्ताह जानकारी दी थी कि कोरोना वायरस महामारी पर चर्चा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पहली बैठक अगले हफ्ते या उससे भी पहले हो सकती है।

अप्रैल के महीने के लिए अध्यक्षता डोमिनिकन गणराज्य के पास है। पिछले महीने यह चीन के पास थी। दुनियाभर में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों के बावजूद पिछले महीने चीन की अध्यक्षता में सुरक्षा परिषद ने वैश्विक महामारी के बारे में कोई चर्चा नहीं की।

संयुक्त राष्ट्र में डोमिनिक गणराज्य के विशेष दूत एवं अप्रैल माह के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष सिंगर ने संवाददाताओं से कहा था, 'हां, हम सभी जानते हैं कि कोविड-19 मुख्य विषय होगा और हम इस पर काम कर रहे हैं। पांच से छह राजदूतों ने इस बैठक के लिए अनुरोध किया था और हम यह करेंगे या तो अगले हफ्ते या इससे पहले।'

पश्चिमी नेपाल में आश्रय शिविरों में फंसे हैं 39 भारतीय श्रमिक

काठमांडो, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के संक्रमण को फैलने से रोकने के मद्देनजर भारत नेपाल सीमा बंद किए जाने के कारण 39 भारतीय श्रमिक यहां फंस गए हैं और पश्चिमी नेपाल के झापा जिले में आश्रय शिविरों में पिछले एक पखवाड़े से रह रहे हैं।

भारत में होली का त्योहार मनाने के बाद ये श्रमिक काम की तलाश में नेपाल आए थे। कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए दोनों देशों ने अपनी सीमाएं बंद कर दी जिससे ये श्रमिक सीमाई क्षेत्र में फंस गए हैं। नेपाल सरकार ने भारत से लौटे दो लोगों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद भारत की सीमा से सटे पश्चिमी जिलों में देशबंदी को और सख्त कर दिया है। नेपाल सरकार ने सोमवार को जारी देशबंदी को आठ दिन के लिए और बढ़ा दिया है। देश में अब लॉकडाउन 15 अप्रैल तक रहेगा। इस हिमालयी देश में अबतक नौ लोग कोरोना विषाणु से संक्रमित पाए गए हैं। झापा जिले में एक स्कूल की इमारत में बने आश्रय शिविर में रहने वाले बिहार के कटिहार जिले के 60 वर्षीय श्रमिक असारू रिषि ने कहा, हम लोग पांच छह लोगों के छोटे समूहों में पृथक शिविर में रह रहे हैं।

जापान के प्रधानमंत्री ने की आपातकाल की घोषणा

तोक्यो, 7 अप्रैल (एएफपी)।

जापान के प्रधानमंत्री शिजो आबे ने देश में कोरोना विषाणु के संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि होने के बाद मंगलवार को तोक्यो और देश के छह अन्य हिस्सों में एक महीने के लिए आपातकाल की घोषणा की।

जापान में कोरोना विषाणु के कारण अब तक 91 लोगों की मौत हो चुकी है और कुल 3,906 मामले सामने आए हैं। आबे ने मंगलवार को कहा, ऐसे हालात बन रहे हैं जो लोगों के जीवन और अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। मैं आपातकाल की

घोषणा करता हूं। यह कदम दुनिया के विभिन्न देशों में लागू पूर्णबंदी से कुछ कम सख्त है लेकिन स्थानीय गवर्नरों को लोगों से घरों में रहने और उद्योगों को बंद करने के लिए कहने का अधिकार देता है। आबे ने कहा कि सरकार का यह कदम लोंगों से घरों में रहने के अनुरोध के रूप में आया है और यह आदेश नहीं है। इसका उल्लंघन करने वालों को दंडित नहीं किया जाएगा। घोषित आपातकाल छह मई तक के लिए है।

नेपाल के लिए अगले दो सप्ताह बेहद नाजुक : ओली

काठमांडो, 7 अप्रैल (भाषा)।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को नागरिकों से अपने अपने घरों में ही रहने की अपील करते हुए उन्हें आगाह किया कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में आने वाले दो हफ्ते देश के लिए बेहद नाजुक हैं। नेपाल में कोरोना के नौ मामले सामने आए हैं।

मंगलवार को टेलीविजन पर दिए गए राष्ट्र के नाम संबोधन में ओली ने लोगों से मौजूदा

समय की सबसे बड़ी चुनौती से बचने के लिए घरों में सुरक्षित रहने की अपील की। उन्होंने लोगों से आग्रह किया 'आपसी मेलजोल में दूरी बनाए रखें और घरों में ही रहें।' ओली ने कहा कि संघीय सरकार विषाणु से निपटने के लिए स्थानीय और प्रांतीय स्तर पर समन्वय कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश भर में 30,566 लोगों के लिए पृथक स्थानों का प्रबंध किया है।

अमेरिका में पत्रकार समेत कई भारतवंशी कोरोना से संक्रमित, कुछ की मौत

वाशिंगटन, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु महामारी का सामना कर रहे अमेरिका में सैकड़ों भारतवंशी इससे संक्रमित हैं और उनमें से कई की जान भी गई है। मृतकों में भारतीय समाचार एजेंसी के एक पूर्व पत्रकार भी हैं। अमेरिका में कई सामुदायिक संगठनों और प्रवासी नेताओं ने यह जानकारी दी है। हालांकि कितने भारतवंशी विषाणु से संक्रमित हैं, इसको लेकर कोई ठोस आंकड़ा मौजूद नहीं है।

सोशल मीडिया समूहों पर मौजूद जानकारी के अनुसार न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी संक्रमित हैं। इन दोनों शहरों में ही सबसे अधिक संख्या में भारतवंशी रहते हैं और यहीं कोविड-19 के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। इन दोनों शहरों में सोमवार तक 1,70,000 से अधिक लोग विषाणु से संक्रमित थे और 5,700 लोगों की इससे जान जा चुकी थी। समुदाय के नेताओं ने बताया कि रोजाना हमें अपने करीबियों के इससे संक्रमित होने की खबर मिलती है। 'अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन' (एएपीआइ) के पूर्व अध्यक्ष सहित कई लोग गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती हैं। वहीं भारतवंशी पत्रकार ब्रह्म कुचिभोटला का सोमवार रात निधन हो गया। वह समाचार एजंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया के लिए काम करते थे। उन्होंने न्यूयार्क के अस्पताल में अंतिम सांस ली। न्यूयॉर्क महानगरीय क्षेत्र, ग्रेटर वाशिंगटन क्षेत्र मैरीलैंड और वर्जीनिया में कई सामुदायिक नेता विषाणु से संक्रमित पाए गए हैं। जहां अधिकतर लोगों ने खुद को घर में पृथक कर लिया है, वहीं कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं।

चीन में पहली बार मौत का कोई मामला सामने नहीं आया

बेजिंग, 7 अप्रैल (भाषा)।

चीन में घातक कोरोना विषाणु से संबंधी आंकड़ें जनवरी से प्रकाशित किए जाने के बाद से मंगलवार को पहली बार ऐसा हुआ कि देश में कोरोना विषाणु वैश्विक महामारी से मौत का एक भी मामला सामने नहीं आया और वह अब इस संक्रमण का केंद्र रहे वुहान को बाहरी लोगों की यात्रा के लिए खोलने की तैयारी कर रहा है। उधर वुहान ने बुधवार से रेल और हवाई सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है। वुहान हुबेई प्रांत की राजधानी है और हुबेई ने पहले ही बाहरी लोगों के लिए यात्रा की सुविधा शुरू कर दी है।

चीन ने जहां वुहान को खोलना शुरू कर दिया है वहीं के फिर से वापसी को लेकर भी देश में चिंताएं बढ़ रही हैं क्योंकि विदेशों से संक्रमित होकर आए 32 नए मामलों से इनकी संख्या 983 हो गई है। इसने बताया कि जहां सोमवार को कोरोना के घरेलू स्तर पर फैलने का कोई मामला सामने नहीं आया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। चीन में कोरोना विषाणु के मृतकों का आधिकारिक आंकड़ा 3,331 है। सोमवार को ही चीनी भूभाग पर कुल 30 ऐसे मामले सामने आए जिनमें संक्रमण की पुष्टि तो हुई है लेकिन उसके लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं।

भारत से अभी तक 1,300 अमेरिकी लौटे अपने देश

वाशिंगटन, 7 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका अभी तक भारत से अपने 1,300 नागरिक वापस ला चुका है लेकिन विश्व में कोरोना के सबसे अधिक मामले अमेरिका में सामने आने के बाद अब बाकी नागरिकों को यहां लौटने से डर लग रहा है।

दक्षिण और मध्य एशिया मामलों की कार्यकारी सहायक मंत्री एलिस जी. वेल्स ने कहा, 'कल रात तक करीब 1,300 अमेरिकी नागरिकों को वापस लाया गया था और पांच अतिरिक्त विमान इस सप्ताह भारत जाएंगे। कितने अमेरिकियों को देश वापस आने में मदद चाहिए इसका सटीक आंकड़ा बता पाना मुश्किल है। अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास में 7,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है।' वेल्स ने इस बात का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि अमेरिका में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों के चलते ही अमेरिकी वापस आने से घबरा रहे हैं या नहीं।

ईरान में संसद खोली गई

तेहरान, 7 अप्रैल (एएफपी)।

ईरान में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बाद बंद किए गए संसद के दरवाजे मंगलवार को खोल दिए गए। सात दिन में संक्रमण के मामले घटने के बाद यह निर्णय लिया गया। 290 सदस्यीय संसद के दो तिहाई से अधिक सदस्य संसद पहुंचे हालांकि वरिष्ठ नेता एवं स्पीकर अली लारिजानी नहीं पहुंचे। उन्हें पिछले सप्ताह कोरोना से संक्रमित पाया गया था। संसद अथवा मजलिस के कम से कम 31 सदस्य संक्रमित पाए गए हैं। सरकारी टेलीविजन में संसद के सत्र की शुरुआत के जो फुटेज दिखाए गए उनमें कुछ सांसद झुंड बना कर खड़े दिखाई दिए।

बिहार में छह मरीजों ने जीती कोरोना से जंग

भागलपुर, 7 अप्रैल (जनसत्ता)।

बिहार में मंगलवार को उस वक्त खुशी का ठिकाना नहीं था जब कोरोना से छह संक्रमण पीड़ित मरीजों ने इस वैश्विक महामारी को शिकस्त दे दी। डाक्टरों ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर इनमें से दो पीड़ितों को तालियां बजाकर विदा किया। फिलहाल कोरोना वार्ड में नौ मरीज भर्ती हैं। छह संक्रमित मरीजों की रिपोर्ट नकारात्मक आ गई। इन्हें भी अस्पताल से जल्द छुट्टी दे दी जाएगी। राज्य में पहली मौत के शिकार युवक के संपर्क में आने से ये सभी छह लोग कोरोना विषाणु से संक्रमित हो गए थे।

दरअसल जवाहर लाल नेहरू भागलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कोरोना पृथक वार्ड में भर्ती छह संक्रमित मरीजों की रिपोर्ट नकारात्मक आ गई। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरसी मंडल ने इस संवाददाता को बताया कि इनमें चार मरीजों की दूसरी रिपोर्ट भी मंगलवार को नकारात्मक आई है। एक महिला

ठीक होने पर दो पीड़ितों को मिली अस्पताल से छुट्टी, डाक्टरों ने तालियां बजाकर किया विदा

और एक बच्चे की रिपोर्ट दो दिन पहले ही दोनों रिपोर्ट नकारात्मक आ चुकी थी। इन दोनों को यहां के कोरोना वार्ड से मुक्त कर मंगलवार को मुंगेर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। इन्हें कुछ दिन घर में ही पृथक रखने की सलाह दी गई है। बाकी चारों पीड़ितों को भी जल्द यहां से छुट्टी मिल जाएगी। इनमें दो मुंगेर और दो सहरसा के हैं। संक्रमित मुक्त हुए ये छहों मरीज मुंगेर के कोरोना संक्रमण से बिहार में पहली मौत के शिकार सैफ अली के संपर्क में आए थे। यह कतर से आया था। 21 मार्च को इसकी मौत कोरोना संक्रमण की वजह से पटना एम्स में हुई थी।

अस्पताल से मुक्त करते समय कोरोना को मात देने वाले मरीजों का चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने ताली बजाकर दोनों का स्वागत किया। स्वस्थ हुई मरीज जसिना बेगम ने भी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को धन्यवाद कहा। बालक मोहम्मद कैफ ने भी डिस्चार्ज की खुशी व्यक्त की और कहा कि वो अपने आप को आजाद पा रहा है और बीमारी के चले जाने पर काफी खुशी महसूस कर रहा है। दोनों मरीजों को एंबुलेंस से मुंगेर सदर अस्पताल भेजा गया जहां उसे होम क्वारेंटाइन में तत्काल रखा जायेगा। अस्पताल के चिकित्सक भी कोरोना पर मिली जीत से उत्साहित नजर आये और वक्त रहते अस्पताल पहुंचने पर इलाज मुमकिन बताया।

तबलीगी जमात में शामिल हुए महाराष्ट्र के 50 लोगों का कोई अता-पता नहीं

मुंबई, 7 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के निजामुद्दीन (पश्चिम) में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए राज्य के 1400 लोगों में से 50 ने सरकार से अब तक कोई संपर्क नहीं किया है।

देशमुख ने सामने ना आने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए इनसे स्वयं राज्य सरकार अधिकारियों से संपर्क करने को कहा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से संपर्क करने पर राज्य सरकार ऐसे लोगों को पृथक रखेगी और उनकी देखभाल करेगी। देखमुख ने कहा कि पिछले महीने आयोजित तबलीगी जमात के इस कार्यक्रम में करीब 4,000 लोगों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से कई कोरोना से संक्रमित पाए गए और कई की तो जान भी चली गई है। महाराष्ट्र से इस कार्यक्रम में 1400 लोगों ने हिस्सा लिया था। देखमुख ने कहा कि इनमें से 1350 लोगों को पता लगाकर उन्हें पृथक कर दिया गया है। उन्होंने कहा, बाकी बचे 50 लोगों के मोबाइल फोन अब भी बंद हैं। इसलिए हम उनसे खुद सरकार से संपर्क करने का आग्रह करते हैं।

कश्मीर में बंद का उल्लंघन करने के आरोप में 17 लोग गिरफ्तार

श्रीनगर, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के संक्रमण को रोकने के लिए पिछले 20 दिन से कश्मीर में लोगों की आवाजाही पर बंद है और सोमवार को पुलिस ने बंद का उल्लंघन करनेवाले 17 लोगों को गिरफ्तार किया।

निषेधाज्ञा का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कार्रवाई करती हुई पुलिस ने सोमवार को 17 लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच शुरू की गई है। घाटी में बंद के बाद से कई लोगों को गिरफ्तारी हुई है।

कोरोना केंद्रों की हालत बदतर बताने के आरोप में विधायक गिरफ्तार

गुवाहाटी, 7 अप्रैल (भाषा)।

असम में एक विपक्षी विधायक को कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए अस्पतालों की हालत, रोधी केंद्रों से बदतर बताने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

राज्य पुलिस प्रमुख ज्योति महंत ने बताया कि अखिल भारतीय संयुक्त गणतांत्रिक मोर्चा (एआईडीयूएफ) के ढिंग निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अमीनुल इस्लाम को प्राथमिक जांच के बाद मंगलवार सुबह गिरफ्तार किया गया। विधायक की एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी, जिसमें वह एक अन्य व्यक्ति के साथ बातचीत में पृथक केंद्रों और अस्पतालों की कथित तौर पर 'उपेक्षा' कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर यह भी कहा कि वहां रहने की सुविधा रोधी केंद्र से बदतर है।

PXIL
Transforming Power Markets
Power Exchange India Limited
Sumer Plaza, Unit No.901,9th floor, Marol Maroshi Road, Andheri (East),Mumbai-400059, India
Tel:+ 91 22 40096667/87 **Fax:**+ 91 22 40096633/90
Email: info@pxil.co.in, **CIN**:U74900MH2008PLC179152
Trading Month March - 2020

Markets Traded	INTRADAY Prices (Rs/KWh)	INTRADAY Volume (MUs)	DAC Prices (Rs/KWh)	DAC Volume (MUs)	ANYDAY Prices (Rs/KWh)	ANYDAY Volume (MUs)
Min	1.92	0.10	2.98	0.05	1.97	0.02
Max	3.58	2.94	3.05	0.19	3.10	0.50
Avg	2.93	0.88	3.03	0.14	2.69	0.36
Total		10.57		0.43		7.91

(This is only an advertisement for information purposes and not a prospectus announcement)

DJ Mediaprint & Logistics Limited
(Formerly known as DJ Logistic Solutions Private Limited)

Our Company was originally incorporated as "DJ Logistic Solutions Private Limited" on February 24, 2009 under the provisions of the Companies Act, 1956 bearing Corporate Identification Number U60232MH2009PTC190567 issued by the Registrar of Companies, Mumbai, Maharashtra. Subsequently name of the company has been changed to "DJ Mediaprint & Logistics Private Limited" vide a Certificate of Incorporation pursuant to change of name dated December 08, 2017. Subsequently our company was converted into Public Limited Company and the name of our Company was changed to "DJ Mediaprint & Logistics Limited" vide a fresh Certificate of Incorporation consequent upon conversion from Private Company to Public Company dated December 19, 2017 bearing Corporate Identification Number U60232MH2009PLC190567 issued by the Registrar of Companies, Mumbai. For further details of change in name and registered office of our Company, please refer to section titled "History and Certain Corporate Matters" beginning on page no 90 of the Prospectus.

Registered office: 24, 1st Floor, Palkhiwala House, Tara Manzil, 1st Dhobi Talao Lane, Mumbai – 400 002, Maharashtra, India. **Contact Person:** Ms. Khushboo Mahesh Lalji, Company Secretary & Compliance Officer, **Tel No.:** 022 – 2788 9341, **E-Mail ID:** cs@djcorp.in; **Website:** www.djcorp.in; **CIN:** U60232MH2009PLC190567

OUR PROMOTERS: (I) MR. DINESH MUDDU KOTIAN AND (II) MR. SANTHOSH MUDDU KOTIAN

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC OFEFR OF 12,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF DJ MEDIAPRINT & LOGISTICS LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹20/- PER EQUITY SHARE, INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹10/- PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE"), AGGREGATING TO ₹240.00 LAKHS ("THE ISSUE"), OF WHICH 60,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10/- EACH FOR CASH AT A PRICE OF ₹20/- PER EQUITY SHARE, AGGREGATING TO ₹12.00 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTIONS BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 11,40,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10/- EACH FOR CASH AT A PRICE OF ₹20/- PER EQUITY SHARE, AGGREGATING TO ₹228.00 LAKHS IS HERE IN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 28.48% AND 27.05% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAIDUP EQUITY SHARE CAPITAL OF THE COMPANY.

THIS OFFER IS BEING MADE IN TERMS OF CHAPTER IX OF THE SEBI (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIRMENT) REGULATIONS, 2018 (THE "SEBI ICDR REGULATIONS") READ WITH RULE 19(2)(b)(i) OF SCRR AS AMENDED. THIS ISSUE IS A FIXED PRICE ISSUE AND ALLOCATION IN THE NET OFFER TO THE PUBLIC WILL BE MADE IN TERMS OF REGULATION 253(2) OF THE SEBI (ICDR) REGULATIONS, 2018. ***(For further details please see "The Issue" beginning on page no. 28 of the Prospectus.)***

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS ₹ 10/- EACH AND THE ISSUE PRICE IS ₹ 20/- EACH. THE ISSUE PRICE IS 2.0 TIMES OF THE FACE VALUE.
ISSUE PROGRAMME: ISSUE OPENED ON: MARCH 26, 2020 and CLOSED ON: MARCH 31, 2020,
PROPOSED DATE OF LISTING: APRIL 13, 2020*.

The Equity Shares offered through Prospectus are proposed to be listed on the SME Platform of BSE ("BSE"). Our Company has received in-principal approval letter dated March 18, 2020 from BSE for using its name in this offer document for listing of our shares on the SME Platform of BSE. For the purpose of this Issue, the Designated Stock Exchange will be the BSE Limited ("**BSE**"). The trading is proposed to be commenced on or about April 13, 2020*.

* Subject to receipt of listing and trading approvals from the BSE SME Platform.

SUBSCRIPTION DETAILS

The Issue Received 164 applications for 20,40,000 shares and was subscribed to the extent of 1.70 times before technical rejection but after bids not banked. After considering Technical Rejections cases, the Issue was subscribed 1.68 times i.e. 159 applications for 20,10,000 shares. 7 application for 42,000 shares were bided without banking.

Summary of the Valid Applications Received:

Sr. No	Category	Gross Application No. of Application	Gross Application Equity Share	Less: Rejections No. of Application	Less: Rejections Equity Share	Valid No. of Application	Valid Equity Share	Allotment No. of Application	Allotment Equity Share
1	Retail Individual Applicants	155	9,30,000	5	30,000	150	9,00,000	95	5,70,000
2	Non-Retail Applicants	8	10,50,000	-	-	8	10,50,000	8	5,70,000
3	Market Maker	1	60,000	-	-	1	60,000	1	60,000
	Total	**164**	**20,40,000**	**5**	**30,000**	**159**	**20,10,000**	**104**	**12,00,000**

Allocation: The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange –BSE SME Platform on April 07, 2020

A. Allocation to Market Maker (After Technical & Multiple Rejections and Withdrawal): The Basis of Allotment to the Market Maker, at the issue price of ₹20/- per Equity Share, was finalised in consultation with BSE SME Platform. The category was subscribed by 1.00 time. The total number of shares allotted in this category is 60,000 Equity shares.

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Equity Shares Applied	% to Total	No. of Equity Shares Allotted per Bidder	Ratio	Total No. of Equity Shares Allotted
1	60,000	1	100	60,000	100	60,000	1 : 1	60,000
	Total	**1**	**100**	**60,000**	**100**			**60,000**

B. Allocation to Retail Individual Investors (After Technical & Multiple Rejections and Withdrawal): The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, at the issue price of ₹20/- per Equity Share, was finalized in consultation with BSE SME Platform. The category was subscribed by 1.58 times i.e. for 9,00,000 Equity Shares. Total number of shares allotted in this category is 5,70,000 Equity Shares to 95 successful applicants.

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Equity Shares Applied	% to Total	No. of Equity Shares Allotted per Bidder	Ratio	Total No. of Equity Shares Allotted
1	6,000	150	100	9,00,000	100	6,000	19 : 30	5,70,000
	Total	**150**	**100**	**9,00,000**	**100**			**5,70,000**

C. Allocation to Other than Retail Individual Investors (After Technical Rejections & Withdrawal): The Basis of Allotment to Other than Retail Individual Investors, at the issue price of ₹ 20/- per Equity Share, was finalized in consultation with BSE SME Platform. The category was subscribed by 1.84 times i.e. for 10,50,000 shares. Total number of shares allotted in this category is 5,70,000 Equity Shares to 8 successful applicants.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Equity Shares Applied	% to Total	No. of Equity Shares Allotted per Bidder	Ratio	Total No. of Equity Shares Allotted
1	12,000	1	12.50	12,000	1.14	6,000	1 : 1	6,000
2	18,000	1	12.50	18,000	1.71	12,000	1 : 1	12,000
3	48,000	1	12.50	48,000	4.57	24,000	1 : 1	24,000
4	66,000	1	12.50	66,000	6.29	36,000	1 : 1	36,000
5	1,14,000	1	12.50	1,14,000	10.86	60,000	1 : 1	60,000
6	1,50,000	1	12.50	1,50,000	14.29	84,000	1 : 1	84,000
7	2,40,000	1	12.50	2,40,000	22.86	1,32,000	1 : 1	1,32,000
8	4,02,000	1	12.50	4,02,000	38.29	2,16,000	1 : 1	2,16,000
	Total	**8**	**100.00**	**10,50,000**	**100.00**			**5,70,000**

The Board of Directors of the company at its meeting held on April 07, 2020 has approved the Basis of Allotment of Equity shares as approved by the Designated stock Exchange viz. BSE SME Platform and at a meeting held on April 07, 2020 has authorized the corporate action for the transfer and allotment of the Equity Shares to various successful applicants.

In terms of the Prospectus dated March 18, 2020 and as per the SEBI (ICDR) Regulations, 2018 wherein a minimum of 50% of the net offer of shares to the Public shall initially be made available for allotment to retail individual investors as the case may be. The balance net offer of shares to the public shall be made available for allotment to a) individual applicants other than retail investors and b) other investors, including Corporate Bodies / Institutions irrespective of number of shares applied for. The unsubscribed portion of the net offer to any one of the categories specified in (a) or (b) shall be made available for allocation in the other category, if so required. "For the purpose of sub-regulation (2) of regulations 253, if the retail individual investor category is entitled to more than fifty per cent on proportionate basis, the retail individual investors shall be allocated that higher percentage".

The CAN-cum-Refund advices and allotment advice and/or notices will be forwarded to the address/email id of the Applicants as registered with the depositories as filled in the application form on or before April 09, 2020. Further, the instructions to Self Certified Syndicate Banks for unblocking the amount will be processed on or prior to April 08, 2020. In case the same is not received within 10 days, investors may contact at the address given below. The Equity Shares allocated to successful applicants are being credited to their beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is taking steps to get the Equity Shares admitted for trading on the BSE SME Platform within six working days from the date of the closure of the Issue.

Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meanings assigned to them in the Prospectus dated March 18, 2020 ("Prospectus")

INVESTORS PLEASE NOTE The details of the allotment made would also be hosted on the website of the Registrar to the Issuer, PURVA SHAREGISTRY (INDIA) PRIVATE LIMITED at www.purvashare.com**. All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/ Sole applicants, serial number of the Application Form, number of shares applied for and Bank Branch where the application had been lodged and payment details at the address of the Registrar given below:**

PURVA SHAREGISTRY (INDIA) PRIVATE LIMITED
9, Shiv Shakti Industrial Estate, J. R. Boricha Marg, Opp. Kasturba Hospital Lane, Lower Parel (E) Mumbai – 400011, Maharashtra
Telephone: 022 2301 2518 / 8261, **Email/ Investor Grievance E-mail**: support@purvashare.com, **Website:** www.purvashare.com
Contact Person: Ms. Deepali Dhuri - Compliance Officer, **SEBI Registration No:** INR000001112, **CIN No:** U67120MH1993PTC074079

Place: Mumbai
Date: April 07, 2020

For **DJ Mediaprint & Logistics Limited**
On behalf of the Board of Directors

Sd/-
Managing Director

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF DJ MEDIAPRINT & LOGISTICS LIMITED

जनसत्ता

8 अप्रैल, 2020

सुरक्षा का संकट

इन दिनों पुलिस और चिकित्सा कर्मियों पर हमलों की बढ़ती घटनाएं चिंता पैदा करने वाली हैं। बंदी के दौरान लोग घरों से न निकलें, सड़कों पर न घूमें, इसका पालन करवाना पुलिस के लिए भारी साबित हो रहा है। इसी तरह लोग कोरोना जांच के लिए आने वाले चिकित्सा कर्मियों से भी सहयोग नहीं कर रहे हैं, बल्कि उन पर हमले कर रहे हैं। सवाल है कि इस वक्त हम जिस संकट से गुजर रहे हैं, उसे लोग समझ क्यों नहीं रहे हैं। पुलिस पर हमले की ताजा घटना उत्तर प्रदेश के बरेली और मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में देखने को मिली। बरेली में पुलिस पर हमला उस वक्त हुआ, जब पुलिस शहर से सटे एक गांव में कुछ तबलीगियों के बारे में पूछताछ करने पहुंची। तभी बंदी के दौरान घूम रहे कुछ लोगों को घरों में रहने को कहा। इसी पर बढ़े विवाद में पुलिस एक शख्स को थाने ले आई। इसके बाद करीब पांच सौ ग्रामीणों ने थाने को घेर लिया। लाठीचार्ज कर बड़ी मुश्किल से भीड़ को खदेड़ा गया।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में तो और बदतर स्थिति देखने में आई। शहर के इस्लामनगर में सोमवार रात जमा भीड़ को हटाने पहुंची पुलिस पर लाठियों, सरियों और चाकुओं से हमला कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हमलावरों में दो कुख्यात अपराधी भी है, जिनकी शह पर यह हुआ। पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए हमलावरों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन इस घटना से यह तो साफ है कि अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और वे पूर्ण बंदी को सफल नहीं होने देने के लिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। सरियों, चाकू से होने वाले हमले का मतलब है कि शरारती तत्व पहले से तैयार थे। दरअसल, ज्यादातर जगहों पर अब नई समस्या यह सामने आ रही है कि सूचनाओं के आधार पर पुलिस तबलीगी जमात से लौटे लोगों की तलाश में जहां-जहां जा रही है, उसे ऐसे विरोध और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। अगर पुलिस ऐसे लोगों का पता नहीं लगाएगी और तबलीगी जमात से लौटे लोग स्वयं बाहर आकर सच नहीं बताएंगे, तो न जाने कितने लोगों में यह संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ता चला जाएगा।

बंदी के दौरान सबसे ज्यादा पुलिस और चिकित्सा कर्मी जान जोखिम में डाल कर काम में लगे हैं। लेकिन दुख की बात यह है कि लोग इस बात को समझ नहीं रहे हैं और अफवाहों और गलत जानकारियों के शिकार हो रहे हैं और हमले जैसा कदम उठा रहे हैं। पिछले हफ्ते इंदौर की एक मुसलिम बस्ती में कोरोना संदिग्धों की जांच के लिए पहुंचे चिकित्सा कर्मियों के दल को डेढ़-दो सौ सोगों की भीड़ ने घेर लिया था। हालांकि जांच टीम के लोग किसी तरह बच निकले और जान बचाई। जिस तरह से लोग हमले कर रहे हैं, वे अचानक होने वाले हमले नहीं हैं। ये सुनियोजित हमले हैं। हालांकि इसके पीछे एक वजह यह भी है कि लोगों में जांच कराने को लेकर डर है। जानकारी के अभाव में लोगों को लगता है कि कहीं पुलिस पकड़ कर उन्हें चौदह-पंद्रह दिन के लिए अलग न कर दे। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह की घटनाओं के बावजूद चिकित्सा कर्मियों और पुलिस ने ज्यादातर मौकों पर संयम का परिचय दिया है। इस तरह के हमले कर्तव्य-निर्वहन में जुटे कर्मियों के मनोबल पर बुरा असर डालते हैं। इसलिए आपराधिक तत्वों के सख्ती जरूरी है।

आदत से लाचार

इस वक्त सारी दुनिया कोरोना विषाणु के संक्रमण से पार पाने की जद्दोजहद में लगी है। पाकिस्तान खुद इस महामारी की चपेट में है और उसे अपने लोगों को सुरक्षित रख पाने का कोई उपाय नहीं सूझ रहा, तब भी वहां से आतंकी घुसपैठ की गतिविधियां नहीं रुक रहीं। वहां पल रहे आतंकी संगठनों और वहां की सेना का शायद एक ही मकसद है, आतंक फैलाना। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पर उधर से आतंकवादियों ने फिर घुसपैठ की कोशिश की। पिछले हफ्ते से ही उनकी ऐसी कोशिशें देखी जा रही हैं। बीते शुक्रवार को भी कुछ आतंकवादी भारत की सीमा में घुसते देखे गए थे, जिनमें से भारतीय सेना ने चार को मार गिराया था। ताजा घुसपैठ में भी पांच आतंकी मारे गए। इस मुठभेड़ में सेना के भी तीन जवान शहीद हो गए। छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान की तरफ से होने वाली घुसपैठ में वहां की सेना का भरपूर सहयोग होता है। जबसे कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा है, पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ गई है। दुनिया के तमाम मंचों पर गुहार लगा-लगा कर वह थक चुका है, कहीं से भी उसे सहारा नहीं मिला। इस झुंझलाहट में भी वह अपने यहां प्रशिक्षित चरमपंथियों को भारतीय सीमा में किसी तरह प्रवेश करा कर यहां अस्थिरता पैदा करना चाहता है।

हालांकि पाकिस्तान की ऐसी कोशिशें नई नहीं है, पर एक ऐसे वक्त में जब वह खुद कोरोना विषाणु के प्रभाव से परेशान है, उसका ध्यान उससे पार पाने के बजाय भारत में आतंकवादी भेजने पर लगा हुआ है, यह उसकी कैसी मानसिकता है, समझना मुश्किल है। इस वक्त भारत में बंदी का आलम है, हर तरफ सुरक्षाबलों की चौकसी है कि लोग घरों से बाहर न निकलें। सड़कों पर वाहनों का आवागमन बंद है। इससे घुसपैठ पर नजर रखना ज्यादा आसान हो जाता है, क्योंकि सामान्य नागरिक गतिविधियां बिल्कुल रुकी हुई हैं। इसके बावजूद वहां की सेना अगर आतंकियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रही है, तो यह उसकी कोई पुख्ता रणनीति नहीं, बल्कि बौखलाहट ही कही जा सकती है। दरअसल, कश्मीर में धीरे-धीरे स्थिति सुधर रही है। नजरबंद नेताओं को रिहा किया जा रहा है, वहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली की सूरत बन रही है। लोग सामान्य जीवन की तरफ लौटना चाहते हैं। ऐसे में पाकिस्तान को अपनी पराजय नजर आ रही है। किसी भी तरह वहां अस्थिरता पैदा कर भारत को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान के आतंकवाद को बढ़ावा देने के पीछे कई वजहें हैं। एक तो वह इस तरह भारत से छद्म युद्ध बनाए रखना चाहता है। दूसरे, इससे वहां की कट्टरपंथी ताकतों को संतुष्ट रखने में मदद मिलती है। तीसरे, वहां की सेना और खुफिया एजेंसी को अपनी अहमियत बनाए रखने में मदद मिलती है। इसके अलावा पाकिस्तानी हुक्मरान को अपने देश की असल समस्याओं की तरफ से अवाम का ध्यान भटकाए रखने में सहूलियत होती है। पाकिस्तान तमाम तरह की बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है, वहां की अर्थव्यवस्था खोखली हो चुकी है, स्वास्थ्य और शिक्षा का हाल बुरा है। तिस पर वहां कोरोना महामारी बन कर टूट पड़ा है। ऐसे में उसे ध्यान भटकाने के लिए आतंकी संगठनों की मदद लेना मुफीद जान पड़ता होगा। मगर इस तरह भारत के खिलाफ गतिविधियां चला कर वह बहुत देर तक अपने लोगों को मुगालते में नहीं रख सकता, उसे यह बात जितनी जल्दी समझ आ जाए, उतना ही अच्छा।

कल्पमेधा

कोई भी सुधार तब ही हुआ है, जब साहसी व्यक्तियों ने समाज में प्रचलित अमानवीय प्रथाएं और रीति-रिवाज स्वयं तोड़ डाले हों।

– महात्मा गांधी

सेहत पर उठते सवाल

संजीव पांडेय

सिर्फ अमेरिका ही क्यों, स्वास्थ्य की मद में भारी पैसा खर्च करने वाले फ्रांस, इटली और ब्रिटेन की स्वास्थ्य सेवाओं का हाल भी यही है। इटली में कोरोना के कारण पंद्रह हजार से ज्यादा लोग मर चुके हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के मामले में इटली को दुनिया में दूसरे स्थान पर रखा जाता है। लेकिन देखने को यह मिल रहा है कि यहां भी कोरोना जांच के लिए जरूरी किट, बिस्तर, मास्क, पीपीई की भारी कमी है।

कोरोना महामारी ने पश्चिमी विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत को उजागर करके रख दिया है। कोरोना संकट ने साफ बता दिया है कि विकसित देशों की स्वास्थ्य सेवाएं मुनाफे के खेल पर आधारित हैं। इटली, स्पेन, ब्रिटेन सहित कई यूरोपीय देश और अमेरिका तक इस महामारी का मुकाबला कर पाने में इसलिए नाकाम रहे हैं कि जरूरत के हिसाब से अस्पताल तैयार नहीं हो पाए। कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए जरूरी श्वसन यंत्र (वेंटिलेटर), मॉस्क, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) कम तक पड़ गए हैं। अमेरिका की स्वास्थ्य सेवाओं की तो पूरी तरह से पोल खुल गई है। विश्वभर में अमेरिकी स्वास्थ्य सेवाओं का तो उदाहण दिया जाता है। अमेरिका दुनिया में एकमात्र देश है जो सबसे ज्यादा पैसा स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करता है। अगर स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च की जाने वाली राशि को देखें तो अमेरिका प्रति व्यक्ति दस हजार डालर सालाना खर्च करता है। इसके बावजूद आज पूरे अमेरिका में श्वसन यंत्रों की भारी कमी पड़ गई है। न्यूयार्क में जरूरी श्वसन यंत्र के अभाव के कारण प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं। वैसे तो पूरे अमेरिका में श्वसन यंत्रों की कमी है। एक अनुमान के अनुसार आबादी के हिसाब से अमेरिका को दस लाख श्वसन यंत्र चाहिए। लेकिन वहां डेढ़ लाख श्वसन यंत्र ही उपलब्ध हैं। कोरोना की सबसे ज्यादा मार न्यूयार्क पर पड़ी है। यहां जरूरी श्वसन यंत्रों की भारी कमी पड़ गई है। न्यूयार्क में फिलहाल पांच हजार श्वसन यंत्र आपातकालीन स्थिति में चाहिए। वहां मास्क की भी भारी कमी हो गई है। लोगों को रूमाल से नाक को ढंकने की हिदायत दी गई है। यह वही अमेरिका है जहां स्वास्थ्य सेवाओं पर लगभग तीन सौ लाख करोड़ रुपए सालाना का खर्च किया जाता है। अमेरिका की संघीय सरकार का सालाना स्वास्थ्य बजट (2020-21) तेरह सौ सत्तर अरब डालर का है। 2019-20 में यह बजट बारह सौ चौरासी अरब डालर का था। अमेरिका में जीडीपी का सत्रह फीसद स्वास्थ्य पर खर्च किया जाता है। इसके बावजूद कोरोना संकट से निपटने में अमेरिका के हाथ-पैर फूल गए हैं। यहां कोरोना से अब तक साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो गए हैं। मरने वालों का आंकड़ा दस हजार को पार कर गया है। वाइट हाउस के प्रमुख स्वास्थ्य सलाहकार डा. एंथनी फाउसी पहले ही एक लाख से दो लाख चालीस हजार लोगों के मरने का अनुमान व्यक्त कर चुके हैं।

वैसे में अहम सवाल यही है कि आखिर अमेरिकी स्वास्थ्य बजट का पैसा जाता कहां है? दरअसल, अमेरिका में लंबे समय से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मुनाफे का खेल चल रहा है। यहां स्वास्थ्य सेवाएं काफी महंगी हो गई है। स्वास्थ्य बीमा भी काफी महंगा है। अमेरिकी आबादी के बड़े हिस्से के पास तो स्वास्थ्य बीमा भी नहीं है। इसीलिए ज्यादातर लोग इसी चिंता में डूबे हैं कि अगर वे कोरोना की चपेट में आ गए तो इलाज कैसे करवाएंगे। अमेरिका में स्वास्थ्य बजट का बड़ा हिस्सा मधुमेह और दिल की बीमारियों पर खर्च किया जा रहा है, क्योंकि इन दो बीमारियों से ही बीमा और दवा कंपनियों को खासा मुनाफा होता है। यों अन्य बीमारियों का इलाज भी सस्ता नहीं है। जबकि इलाज पर वास्तविक खर्च काफी कम आता है। वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट के मुताबिक घुटना प्रत्यारोपण पर वास्तविक खर्च जहां से सात से दस हजार डालर आता है, वहीं मरीजों से पचास हजार डालर तक वसूल लिए जाते हैं। कोरोना संक्रमण का इलाज भी अमेरिका में महंगा बताया जा रहा है, इस कारण काफी लोग जरूरी जांच कराने से भी कतरा रहे हैं।

सिर्फ अमेरिका ही क्यों, स्वास्थ्य की मद में भारी पैसा खर्च करने वाले फ्रांस, इटली और ब्रिटेन की स्वास्थ्य सेवाओं का हाल भी यही है। इटली में कोरोना के कारण पंद्रह हजार से ज्यादा लोग मर चुके हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के मामले में इटली को दुनिया में दूसरे स्थान पर रखा जाता है। लेकिन देखने को यह मिल रहा है कि यहां भी कोरोना जांच के लिए जरूरी किट, बिस्तर, मास्क, पीपीई की भारी कमी है। हालांकि इसकी एक वजह यह भी है कि अचानक जिस तरह से कोरोना फैला, उसकी शायद ही किसी ने कल्पना की होगी। इटली अपनी जीडीपी का नौ फीसद स्वास्थ्य पर खर्च करता है। मुसीबत की इस घड़ी में इटली की मदद को क्यूबा जैसा देश आगे आया। क्यूबा ने अपने डॉक्टरों की टीम इटली भेजी। फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र पर अपनी जीडीपी का लगभग ग्यारह फीसद स्वास्थ्य खर्च करता है। लेकिन कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए यहां भी जरूरी उपकरण, सामान और दवा नहीं हैं, अस्पतालों में जगह नहीं बची है। ब्रिटेन में भी तीन हजार से ज्यादा लोग कोरोना से मर चुके हैं। फ्रांस, ब्रिटेन और इटली उन मुल्कों में शामिल हैं जो स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रति व्यक्ति चार से पांच हजार डालर सालाना खर्च करते हैं।

लेकिन दुख और चिंता की बात यह है कि जब पूरी दुनिया इस गंभीर संकट का सामना कर रही है और रोजाना बड़ी संख्या में लोग मर रहे हैं, ऐसे में भी कोरोना के बहाने मुनाफाखोरी का धंधा जारी है। कोरोना के बहाने कई गुना कीमतों पर जरूरी स्वास्थ्य उपकरण बेचे जा रहे हैं। कई देशों ने जरूरी चीजों की जमाखोरी भी शुरू कर दी है। दूसरी ओर, क्यूबा जैसा देश दूसरे मुल्कों की मदद के लिए आगे भी आया है। क्यूबा ने कई मुल्कों में अपने डॉक्टर, तकनीकी सहयोगी और नर्सों को भेजा है। हालांकि पश्चिमी मीडिया कोरोना संकट के इस दौर में भी क्यूबा की आलोचना से बाज नहीं आ रहा है। पश्चिमी मीडिया का एक तबका अभी भी क्यूबा को खलनायक बताने पर तुला है। क्यूबा को कोरोना संकट के दौरान मौके का फायदा उठाने वाला देश बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि क्यूबा कोरोना संकट का फायदा उठा कर अपने स्वास्थ्य कर्मचारी कई मुल्कों में भेज पैसे कमा रहा है। क्यूबा ने इटली में अपने डॉक्टर और नर्स भेजे हैं। लेकिन यह प्रचार किया जा रहा है कि क्यूबा ने इटली से कर्ज ले रखा है और वह कर्ज चुकाने में विफल रहा है, इसलिए डॉक्टरों और नर्सों को इटली भेज अवसर को भुनाने की कोशिश में है। क्यूबा कोरोना संकट के दौरान विदेशों में अपने पांच सौ तिरानवे स्वास्थ्य कमर्चारी भेज चुका है। इसमें दो सौ से ज्यादा डॉक्टर और तीन सौ के करीब नर्स हैं।

चीन जो खुद कोरोना की भयानक मार झेल चुका है, दुनिया के बाजार में फिर से उतर चुका है। चीन इस समय जरूरी स्वास्थ्य उपकरणों के उत्पादन का बड़ा केंद्र बन गया है। वह जरूरी स्वास्थ्य उपकरणों को ज्यादा कीमतों पर बेच रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका जैसे देश अपने हितों को सर्वोपरि मानते हुए चीन में दूसरे देशों के आर्डर के तहत भेजे जा रहे दस्तानों और मॉस्क को भी महंगी कीमत पर खरीदने की कोशिश कर रहा है। फ्रांस ने आरोप लगाया है कि चीन से उसके यहां भेजे जा रहे मास्क अमेरिका ने तीन गुना ज्यादा पैसे देकर शंघाई एयरपोर्ट पर ही अपने नियंत्रण में कर लिए। अमेरिका की इस हरकत से फ्रांस खफा है। ऐसी ही शिकायतें कनाडा और ब्राजील ने भी की हैं। इन दोनों मुल्कों ने भी चीन से दस्ताने और मॉस्क खरीद के आर्डर दिए हैं। लेकिन उन्हें अभी तक यह सामान नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि अमेरिका के कई मालवाहक विमान चीन में मौजूद हैं, जो दूसरे देशों के लिए भेजे जाने वाले तैयार सामान अमेरिका ले जा रहे हैं। जो हो, कोरोना महामारी ने दुनिया के सर्वाधिक विकसित देशों की असली तस्वीर पेश कर दी है।

खुलना भीतर के तालों का

प्रतिभा कटियार

दुनिया मेरे आगे

अरसे बाद सुबहों को सुन पा रही हूं। शामों में जो एक धुन होती है न शांत-सी, मीठी-सी, उसे गुनगुना पा रही हूं। चाय की मिठास में पंछियों की चहचहाहट घुल रही है। वक्त के पीछे भागते-भागते वक्त का कोना भूलने लगे थे हम शायद। आज वक्त मिला है खुद को समझने का है। अपने आप से बात करने का है। सोचने का कि मशीन की तरह यह जो हम भागते जा रहे थे, उसके मायने क्या थे आखिर। द्वेष, ईर्ष्या, बैर इन सबका अस्तित्व क्या है आखिर। जीवन बहुत कीमती है। इसे प्यार करना, लम्हों को युगों की तरह जीना, लोगों को अपने होने से बेहतर महसूस करवा सकना और क्या?

इससे बात करना पसंद नहीं, उसने ऐसा क्यों कहा, वह ऊंचा है, वह फलां धर्म का है, मैंने तो हमेशा सबके लिए अच्छा किया, फिर मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ..! जैसे जाने कितने खयाल हैं जो हमें बेहतर मनुष्य होने से रोकते हैं। जाहिर है, ये खयाल हम लेकर तो नहीं जन्मे थे, ये सब यहीं मिले हमें सामाजिकता, दुनियादारी के टीकाकरण (वैक्सिनेशन) के बाद। हम वह विचार और व्यवहार अपना समझ कर ढोने लगे, जो न हमारे थे, न हमारी पसंद थे। तो हम अपने भीतर किसी और को जी रहे हैं इतने बरसों से?

यह मुश्किल वक्त हमसे कुछ कहने आया है। इतना विनाशकारी वायरस भी हमें कुछ सिखा रहा है कि वह हमें सिर्फ मनुष्य के तौर पर पहचानता है। उसके लिए इस बात के कोई मायने नहीं कि आप किस देश के, किस राज्य के, धर्म के, जाति के हैं। कौन से ओहदे पर हैं और क्या सामाजिक-आर्थिक हैसियत है आपकी! उसके लिए हमारा मनुष्य होना ही काफी है! और इधर हम न जाने कितने खांचों में बंटे हैं! एक पिघलन-सी महसूस हो रही है भीतर। जी चाहता है कि अपने सब जानने वालों से जोर-जोर से बोलूं कि उनसे प्यार है। सबसे माफी मांग लूं कि कभी दिल दुखाया हो शायद मैंने। कहूं कि देखो न आज गले भी नहीं मिल सकते और गले मिलने के वे सारे लम्हे जब पास थे, हमने उन लम्हों को झगड़ों में गंवा दिया।

यह वक्त हमें वह सिखाने आया है जो सीखने के लिए लोग न जाने कितने पुस्तकालयों की खाक छानते रहे, कितने वृक्षों के नीचे धूनी जमाने के लिए भटकते रहे। मनुष्यता का पाठ। हाल ही में हमने की आग देखी है, बर्बर हिंसा देखी है। हिंसा बाहर बाद में आती है, पहले वह भीतर जन्म लेती है। वह किसी भी बहाने बाहर फूट पड़ने को व्याकुल होती है। यह समय अपने भीतर की उस हिंसा को समझने का है, उसे खत्म करने का है।

यह वक्त गुजर जाएगा। यकीनन हम वापस अपनी-अपनी जिंदगी में लौट आएंगे। सब पहले जैसा हो जाएगा। लेकिन वह क्या हमें सब पहले जैसा ही चाहिए? क्या हमें पहले से बेहतर दुनिया नहीं चाहिए? मेरी एक दोस्त कहती है कि आपदा का यह समय बीत जाने के बाद अगर हम बचे रह जाएं और हम एक बदले हुए मनुष्य न हों तो मरना बेहतर है। सच ही तो कहती है वह।

यह वक्त अपने भीतर नमी को सहेज लेने का है, उन सबके प्रति प्रेम से भर उठने का, जिनके प्रति कभी भी जरा भी रोष रहा हो। क्या होगा इस हिसाब-किताब का कि किसने क्या कहा, किसने क्या किया!

अपने भीतर के विन्रमता के पौधे को, मनुष्यता के पौधे को खूब खाद-पानी देने का समय है। जी भर कर रो लेने का, प्यार से भर उठने का समय है। यह समझने का भी कि हमारे ईश्वर, अल्लाह, नानक ने हमें हमारे ही हवाले किया है, हमारी चेतना और संवेदना के हवाले। सोचना है कि हम उनके नाम पर कर क्या रहे हैं।

सामाजिकता ने हमारे भीतर जो खांचे बनाए हैं, जिनमें न जाने कब से हम अनजाने ही घरों में बंद हैं, उनसे खुद को मुक्त करना है। हम बेहतर मनुष्य होकर लौटेंगे और ज्यादा ऊर्जा और सकारात्मकता से काम पर जाएंगे। अपने भीतर पनप रहे नकारात्मकता के वायरस को खत्म करके हाथ भी मिलाएंगे, गले भी मिलेंगे। यकीनन इस बार हम पहले से बेहतर मनुष्य होकर मिलेंगे।

अफवाहों के बीच

पूर्ण बंदी के दौरान सोशल मीडिया के जरिए कोरोना से संबंधित खबरों को लेकर जिस तरह से अफवाहें फैलाने की घटनाएं सामने आई हैं, वह गंभीर चिंता पैदा करने वाली बात है। ये अफवाहें महामारी से कहीं ज्यादा घातक साबित हो रही हैं। लोग घरों में बंद हैं। ऐसे में सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या और उस पर बिताने वाले समय में भी बढ़ोतरी हुई है। सोशल मीडिया पर रोजाना गलत संदेश, वीडियो आदि की भरमार देखने को मिल रही है। ऐसी गलत सूचनाओं, अफवाहों या फेक न्यूज के चलते सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहै है कि इससे समाज में अलगाव और अंधविश्वास फैलने का खतरा बढ़ रहा है। इन अफवाहों का प्रभाव भी बहुत व्यापक होता है। किसी के द्वारा डाली गई भ्रामक सामग्री कुछ समय में हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। सोशल मीडिया का दौर कहे जा रहे इस युग में फेक न्यूज के बढ़ते मामलों ने उसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया एक अभिव्यक्ति का स्वतंत्र माध्यम है। परंतु इसका मतलब यह नहीं कि इस माध्यम के जरिए लोग गलत चीजें फैलाएं। इस माध्यम में कोई रोक-टोक न होने से इसके दुरुपयोग का खतरा ज्यादा बढ़ गया है।

हालांकि दिल्ली दंगों के बाद से सरकार की तरफ से वाट्सऐप पर झूठी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही गई थी। लेकिन सच्चाई तो यह है कि अफवाह फैलाने वालों की कुल संख्या का दस फीसद भी पकड़ में नहीं आ पाता। हमारे समाज में लोग अफवाहों को तेजी से आगे बढ़ा तो देते हैं, लेकिन उसकी सच्चाई पता चलने पर अफवाह फैलाने वाले व्यक्ति की शिकायत तक करने का साहस नहीं दिखाते। लोगों को इस तरह की भ्रामक खबरों के प्रति जागरूक होना होगा। सरकार को जनता को भ्रामक खबरों के प्रति जागरूक करने और इस तरह की खबरों का पता लगाने के प्रयास लगाने पर ओर अधिक बल देना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन, पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट, तथ्यों की जांच से संबंधित वेबसाइटों पर जाकर और स्वयं पुनः जांचे बिना किसी भी खबर को डालने या फैलाने से बचना चाहिए। इस समय पूरी दुनिया कोरोना जैसी महामारी से जूझ रही है। ऐसे में सरकार जनता की भलाई के दिन रात कार्य कर रही है। इस स्थिति में हम नागरिकों का भी यह फर्ज बनता है कि संकट की इस घड़ी में देश का प्रत्येक नागरिक समाज के लिए सकारात्मक स्थिति को बनाए रखने में सहयोग करे।

● *अखिल सिंघल, दिल्ली विवि, दिल्ली*

दोहरा संकट

निसंदेह समूचा विश्व इस समय दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ तो कोरोना महामारी ने बड़े से बड़े देशों को झकझोर कर रख दिया है और दूसरी तरफ अर्थव्यवस्था की मंदी और गहरा गई है। भारत भी इससे अछूता नही है। भारत में तो आर्थिक सुस्ती कादौर पिछले दो-ढाई साल चल रहा है। निसंदेह महामारी से निपटना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन यह वक्त अर्थव्यवस्था में बुनियादी सुधारों पर काम करने का भी है, ताकि जैसे ही धीरे-धीरे हालात सुधारने लगें और जिंदगी वापस पटरी पर आने लगे, तो सरकार इन सुधारों को लागू करे और अगले वित्तीय वर्ष मे हमारी अर्थव्यस्था वापस सही दिशा पकड़ ले। एशियाई विकास बैंक का कथन सच हो जाए, इसके लिए जमीनी स्तर पर बहुत से कार्य हमारी सरकार और वित्तमंत्री को करने हैं।

● *बाल गोविंद, नोएडा*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

सहयोग जरूरी

कोरोना महामारी ने मानव सभ्यता को खतरे मे डाल दिया है। कोई भी देश चाहे कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, इससे बच नहीं पाया है। यूरोप के देशों में कोरोना से मरने वालों को दफनाने तक के लिए जगह नसीब नहीं हो पा रही है। हालांकि भारत में इस बीमारी का प्रकोप फिलहाल अभी ज्यादा खतरनाक स्थिति में नहीं पहुंचा है। लेकिन यह भी नहीं कहा जा सकता कि इस बीमारी का फैलाव नहीं होगा। अगर हम अभी भी नहीं संभले तो यह बीमारी अपने तीसरे चरण में पहुंच कर भारी तबाही कर सकती है। अभी भी वक्त है जब हमें इस बीमारी को भगाने के लिए सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

● *अजीत समुंदर, सतना (मप्र)*

बंदी से सबक

देश में इन दिनों बंदी के कारण जहां लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और अर्थव्यवस्था का पहिया भी लगभग रुक-सा गया है, वहीं दूसरी ओर हमें पर्यावरण के क्षेत्र में इसके सकारात्मक पहलू भी देखने को मिले हैं। जो छोटे-बड़े शहर वायु प्रदूषण से कराह रहे थे, वहां अब हवा काफी हद तक साफ हो चुकी है। जिन बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक छह-सात सौ तक पहुंच गया था, वहां अह पचास से भी नीचे है। वाहनों के पहिए थम जाने से न सिर्फ धूल मिट्टी के कण, बल्कि जैविक ईंधन के जलने से उत्सर्जित होने वाली जहरीली गैसों में भी भारी कमी देखने को मिली है। औद्योगिक गतिविधियों के रुकने से ध्वनि, वायु और जल प्रदूषण तीनों ही कम हुए हैं।

अगर हम भविष्य में होने वाले जलवायु परिवर्तन के संकट को भी इसी तरह महसूस कर लें तो ये संपूर्ण मानव जाति के लिए हित कर होगा। इस महामारी से जो सबक अब लिए जा रहे हैं, अच्छा तब होगा जब संपूर्ण वैश्विक जगत इस महामारी से मुक्त होने के उपरांत भी ऐसे प्रयासों को जारी रखे। जैसे हम महीने में एक दिन की बंदी रखें, वाहन चलाने के मामले सम-विषम जैसी व्यवस्था को स्थायी रूप से अपनाने पर विचार करें और लागू हो तो उस पर ईमानदारी से अमल करें। इसी तरह नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए सरकारों को उद्योगों से निकलने वाले अवशिष्टों के निस्तारण के विकल्पों पर विचार करना होगा। वरना जो नदियां अभी थोड़ी-बहुत साफ हुई लग रही हैं, वे पहले वाली हालत में आ जाएंगी।

● *माला मलिक, मेरठ*

www.readwhere.com

कोरोना असर

उत्तराखंड में 27 स्थानों पर नहाने लायक हुआ गंगाजल

भारतीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी के एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड के उत्तरकाशी से पश्चिम बंगाल में कोलकाता के गंगासागर तक गंगाजल 36 स्थानों में नहाने और आचमन के लायक भी नहीं था परंतु गंगा बंदी के बाद अब 27 स्थानों पर गंगाजल नहाने लायक है। यह सब पूर्ण बंदी के बाद गंगा में जन दबाव कम होने तथा औद्योगिक कचरा कूड़ा प्रदूषित पानी ना जाने के कारण हुआ है।

पहले मौसम, अब कोरोना ने बांधे किसानों के पैर

सुमन भटनागर
चंडीगढ़।

दो महीनों में कई बार हुई बेमौसमी बरसात ने हरियाणा के किसानों की गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया। अब कोरोना संक्रमण के कारण लागू पूर्ण बंदी ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। आम तौर पर बैसाखी से पहले गेहूं की फसल अनाज मंडियों में आनी शुरू हो जाती थी लेकिन इस बार कुछ देर से पकी हैं और कटाई भी अप्रैल के दूसरे सप्ताह के आखिर में शुरू होगी। बंदी के कारण सरकारी कामकाज भी काफी हद तक रुका पड़ा है। किसान चिंतित हैं उनकी फसल की खरीद व भुगतान में कहीं कोई दिक्कत न आए।

सरकार ने बंदी के कारण इस बार गेहूं की खरीद 20 अप्रैल से शुरू करने का फैसला किया है जबकि आम तौर पर यह खरीद 1 अप्रैल से शुरू हो जाती थी। मंडियों में देर से आने वाली फसल पर बोनस देने का भी प्रावधान किया गया है ताकि लोगों में अपनी फसल पहले बेचने की होड़ न लगे। पहले की तरह इस साल भी भारतीय खाद्य निगम, हेफेड, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग व वेयर हाउस कारपोरेशन प्रदेश में गेहूं की खरीद करेंगे।

इस साल प्रदेश में करीब 25 लाख हेक्टेयर जमीन पर गेहूं की बुआई की गई है और करीब 125 लाख टन गेहूं की उपज की उम्मीद है। इसमें से सरकार का करीब 80 फीसदी गेहूं खरीदने का लक्ष्य है। इस बार खरीद केंद्रों की तादाद बढ़ाई गई है ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए ज्यादा दूर न जाना पड़े। सरकार की कोशिश होगी कि इस बार किसानों को उनके भुगतान में बिना वजह कोई देरी न हो और उन्हें सरकारी द्वारा निर्धारित न्यूनतम दाम भी मिले।

> गांवों में आम तौर पर किसानों के पास भंडारण का कोई इंतजाम नहीं होता इसलिए सरकार ऐसा इंतजाम करे कि फसल की कटाई के तुरंत बाद उसकी खरीद व उठान हो जाए। मंडियों में तो किसानों के अनाज को रखने के बड़े-बड़े शेड होते हैं। अगर अचानक बारिश आ जाने पर आढ़तियों के पास बड़ी-बड़ी तिरपालें होती हैं लेकिन गांव में गेहूं को बारिश से बचाना एक दिक्कत वाला काम है।
> *- गुरमीत कौर, सरपंच, सुल्लर (अंबाला)*

सरकार ने बंदी के कारण इस बार गेहूं की खरीद 20 अप्रैल से शुरू करने का फैसला किया है जबकि आम तौर पर यह खरीद एक अप्रैल से शुरू हो जाती थी।

हरियाणा

कोरोना संक्रमण के आतंक के चलते प्रदेश के लाखों प्रवासी मजदूर बिहार व यूपी अपने घरों में लौट गए हैं जिसके चलते इस साल किसानों को मजदूरों की दिक्कत आएगी उन्हें ज्यादा पैसे देकर स्थानीय मजदूरों को मजबूरी में बुलाना पड़ेगा। कटाई के दिनों में आम तौर पर शहरों में रिक्शा चलाने वाले, छोटे मोटे कारखानों में काम करने वाले प्रवासी मजदूर व दिहाड़ीदार मजदूर गांवों में किसानों के साथ लग जाते थे इससे उन्हें अच्छी दिहाड़ी मिलने के साथ थोड़ा बहुत अनाज भी मिल जाता था लेकिन इस बार वे मजदूर नदारद हैं। कहा जा रहा है कि यदि कोरोना का प्रकोप न होता किसानों को मजदूरों की दिक्कत न आती।

हालांकि सरकार ने गेहूं की कटाई के प्रदेश में पर्याप्त कंबाइन मशीनों का जुगाड़ किया है लेकिन हर किसान की कोशिश होगी जल्दी से जल्दी उसकी फसल काट कर खरीद एजंसियों के पास पहुंच जाए। कहा जा रहा है कि इस वजह से प्रदेश में ज्यादा कंबाइनों की जरूरत पड़ सकती है। हरियाणा के किसानों के पास अपनी कंबाइन मशीनें कम हैं। कुछ खेतों में फसलें बिछी पड़ी हैं वहां कंबाइन की बजाय हाथों से ही कटाई करवानी पड़ेगी।

क्षेत्र के एक किसान ने बताया कि सरकार आस पास के कुछ गांवों को मिला कर एक बिक्री केंद्र बनाने की योजना बना रही है जिसका फायदा खास तौर पर उन किसानों को मिलेगा जिनके पास अपनी उपज मंडी तक पहुंचने के लिए ट्रैक्टर-ट्राली नहीं है। उसका कहना है कि गांवों में बड़ी अनाज मंडियों की तरह बड़े-बड़े शैड नहीं है। ऐसी हालत में मौसम का मिजाज बदलने पर खुले में पड़ी किसानों की फसल का नुकसान ज्यादा हो सकता है।

कोरोना जंग में भीलवाड़ा तो जीता पर जयपुर का रामगंज मुसीबत बना

राजीव जैन
जयपुर।

राजस्थान में कोरोना की जंग में अब सरकार के साथ लोगों के लिए जयपुर का रामगंज का इलाका मुसीबत बन गया है। रामगंज जैसे ही हालात भीलवाड़ा के थे पर वहां के लोगों ने प्रशासन का साथ देते हुए हालात को संभाल लिए। देश भर में अब भीलवाड़ा के मॉडल हो अन्य जिलों में अपनाए जाने पर विचार चल रहा है। जयपुर के रामगंज इलाके में ओमान से आए एक युवक ने एकांतवास के सूत्र की अनदेखी कर डाली और हालात अब विस्फोटक हो चुके हैं। जयपुर शहर के अंदरूनी इलाके में हफ्ते भर से कर्फ्यू लगा है पर कोरोना मरीजों के मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है।

जयपुर में कोरोना के सोमवार दोपहर तक 94 मरीज थे, इनमें से अकेले रामगंज इलाके के 74 है। इस इलाके से रविवार को तो एक ही दिन में एक साथ 39 मरीज सामने आए। इलाके के करीब दो हजार से ज्यादा लोगों को एकांतवास में रखा गया है।

प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह का कहना है कि हमारे लिए अब रामगंज चुनौती बना हुआ है। इस इलाके में सर्वे के लिए 250 मेडिकल टीमें लगी हुई हैं। इसके अलावा सोमवार को 100 टीमें और लगा कर सर्वे का काम तेजी से किया जा रहा है। रामगंज इलाका घनी आबादी से घिरा हुआ होने से ही संक्रमण का खतरा बना हुआ है। इलाके के 10 हजार परिवारों की जांच हो चुकी है। कर्फ्यू लगा होने से पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है और सर्वे के लिए आ रही टीमों की मदद के लिए लोग अपने घरों के दरवाजे भी नहीं खोल रहे है। इसके लिए अब सामाजिक और धार्मिक नेताओं की मदद ली जा रही है।

रोहित सिंह का कहना है कि चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग ने भीलवाड़ा के हालात को सख्ती से हल किया और नतीजा अब सामने है।

राजस्थान

भीलवाड़ा में आधे से ज्यादा कोरोना मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। भीलवाड़ा में 3 अप्रैल से 13 अप्रैल तक का कर्फ्यू लगा हुआ है। केंद्रीय कैबिनेट सचिव ने हाल में जिला कलेक्टरों से जो फीडबैक लिया उसमें भीलवाड़ा में अपनाए गए फार्मूले की तारीफ भी की। उन्होंने प्रदेश के मुख्य सचिव डीबी गुप्ता को संकेत दिया कि भीलवाडा मॉडल को देश के अन्य संकटग्रस्त जिलों में भी अपनाया जाएगा। राज्य के 33 में से 22 जिलों में कोरोना मरीज सामने आए हैं। प्रदेश में सोमवार तक 274 मरीज अस्पतालों में भर्ती है। इनमें सबसे ज्यादा 94 मरीज जयपुर में हैं। जोधपुर में 53 मरीज हैं, इनमें ईरान से विमान से लाए गए 33 मरीज भी शामिल हैं। प्रदेश में सबसे पहले कोरोना जोन बने भीलवाड़ा में 27 मरीज हैं। चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा का कहना है कि प्रदेश में हालात काबू में है। जयपुर के रामगंज इलाके में हालात चिंताजनक बने हुए हैं। देश में कोरोना से अब तक 6 लोगों की मौत भी हो चुकी है। इन मौतों में तात्कालिक कारण कोरोना को माना जा सकता है पर इन सभी में कई गंभीर बीमारियां पहले से भी थी। केरल के बाद राजस्थान ऐसा दूसरा प्रदेश है जहां सबसे ज्यादा कोरोना परीक्षण किए गए हैं। प्रदेश में 9 हजार से ज्यादा कोरोना टेस्ट हुए हैं।

कोरोना जैसा कहर पहले भी भुगत चुकी है देवभूमि

ओमप्रकाश ठाकुर
शिमला।

मौत के अदृश्य दूत बन कोरोना विषाणु की ओर से देवभूमि में दी गई दस्तक ने खौफ का पुराना दौर एक बार फिर याद दिला दिया है। आजादी के समय 1948 में प्रदेश में मौत का अदृश्य यह झंझावत इसी तरह चला था और चुपके-चुपके कम से कम दो सौ के करीब लोगों की जानें लील गया था। बाद में मौत के इस झंझावत का जब पता चला तो यह प्लेग निकला। प्लेग के भय ने पूरी देव भूमि में दहशत मचा दी थी। तब भी लोग देवी-देवताओं के शरण में जाते थे। ये दौर आज भी ज्यादा बदला नहीं है।

हिमाचल प्रदेश

देवभूमि में लोग प्लेग को भूलने लगे ही थे कि फरवरी 2002 में जिला शिमला के कोटगढ़ में पंद्रह दिनों के भीतर तीन परिवारों, जिनके सदस्य आपस में रिश्तेदार थे, के 16 सदस्यों की सहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। जुब्बल, रोहड़ू के अस्पतालों से लेकर पीजीआइ, चंडीगढ़ तक इलाज के लिए इन लोगों को ले जाया गया तो 16 फरवरी 2002 को पता चला कि ये प्लेग है। तब लोगों में दहशत फैल गई और इन परिवारों से दूरी रखी जाने लगी थी। डॉक्टर तब भी दूरी रखने का संदेश देते थे। तब तक सुरक्षित दूरी जैसे किसी शब्द का उद्भव व प्रचलन नहीं हुआ था। तब 'छूत' जैसा शब्द जरूर था जो कानों में पड़ने पर सिहरन पैदा कर देता था। यह अलग है कि 1947 में प्रकाशित लेखक अल्बर्ट कामू की किताब 'द प्लेग' में आंखों के सामने लाशों के गिरने की भयावहता, लाचारी व बदलते मानवीय स्वभाव के रंगों का विस्तृत विवरण है।

इससे पहले भी 1983 में रोहड़ू के चिड़गांव के तांगनू और जांगली, 1984 में गांव मंडोल और 1985 में रोहड़ू में प्लेग की आहट सुनी गई थी लेकिन इनका दस्तावेजों में उल्लेख नहीं आ पाया। इन इलाकों में भयंकर बुखार और ठिठुरन से आज भी लोग डरते हैं।

आज कोरोना विषाणु ने फिर से पहले जैसे दहशत का याद ताजा कर दिया है। लेकिन इस बार इस विषाणु का दायरा बहुत बड़ा है व लगभग पूरा ही प्रदेश क्या देश ही चपेट में आ गया है और विज्ञान के पास इस संक्रमण का अभी तक कोई इलाज नहीं है। अभी तक प्रदेश में इस विषाणु के संक्रमण से दो मौतें हो चुकी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक छह अप्रैल की रात तक प्रदेश में कोरोना विषाणु 18 मामले पाजिटिव चिन्हित किए जा चुके हैं।

गरीबों के लिए खाना बनाने में जुटे विदेशी

पवन गौतम
वृंदावन।

वृंदावन के चैतन्य विहार स्थित राधे कुंज का नजारा देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा। यहां सात समंदर पार से भगवान श्री कृष्ण की भक्ति के लिए आए विदेशी लोगों के एक समूह गरीबों के लिए अपने हाथों से खाना बनाने में जुटा है। यहां रह रहे करीब 140 विदेशी कृष्ण भक्त इस कार्य में बड़े मगन दिखाई देते हैं। कई स्थानीय लोग और स्वयंसेवी समूह भी उनके इस कार्य में मदद कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश

आश्रम के सेवा प्रमुख रसिक मोहन दास, जो कि एक विदेशी ही हैं, बताते हैं कि यहां बनाया जा रहा भोजन पूर्ण बंदी के दौरान ड्यूटी पर कार्यरत पुलिसकर्मियों और आस-पास के गांवों में मौजूद जरूरतमंदों को भेजा जा रहा है। एक अन्य विदेशी भक्त गिरधारी दास का कहना है कि विदेशी कृष्ण भक्त रोजाना दो से तीन हजार लोगों के लिए खाना बनाते व वितरण करते हैं।

चाय की चुस्की पर चिपका विषाणु

शंकर जालान
कोलकाता।

चाय पर भी कोरोना के कहर का व्यापक असर नजर आ रहा है। इन दिनों जारी पूर्ण बंदी (लॉकडाउन) की वजह से उत्तर बंगाल के तमाम चाय बागानों में ताला लटका है, जिससे चाय का उत्पादन तो प्रभावित हो ही रहा है। 14 अप्रैल के बाद भी स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी, इसे लेकर संशय है। अभी जबकि चाय का पर्याप्त भंडार है और आने वाले दो-तीन महीने चाय की कोई कमी नहीं होने वाली, बावजूद इसके थोक बाजारों में चाय की कीमतों में 20 से 40 रुपए किलो का इजाफा हो गया है और खुदरा बाजार में यह आंकड़ा 80 से 100 रुपए तक चला गया है। यानी की 20-22 मार्च तक एक किलो चायपत्ती के एवज में ग्राहकों को 160 रुपए देने पड़ते थे अब 240 से 260 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं।

जानकारों के मुताबिक हर क्षेत्र की तरह ही चाय उद्योग पर भी कोरोना वायरस काला साया मंडरा रहा है। उत्तर बंगाल के दार्जीलिंग स्थित चाय बागानों के मालिकों व इस उद्योग जुड़े लोगों का कहना है कि कोविड-19 महामारी से निबटने को लेकर सार्वजनिक पाबंदियों के कारण चाय बागानों में पहले दौर की खिली पत्तियां (फ्लश उत्पादन) बर्बाद हो गई है। इस वजह चाय के उत्पादन में गिरावट आएगी व बागान मालिकों के वित्तीय संकट इजाफा होगा और आम लोगों के लिए चाय की चुस्की महंगी हो जाएगी।

पश्चिम बंगाल

चाय उद्योग के जानकारों का कहना है चाय बागान की वार्षिक आमदनी में पहले दौरान की पत्तियों का योगदान करीबन 40 फीसद रहता है, क्योंकि यह उच्च गुणवत्ता की चाय होती है, जो ऊंचे भाव पर बिकती है, लेकिन इस दफा ऐसी सब पत्तियां नष्ट होने की कगार पर है। दार्जीलिंग चाय संघ (डीटीए) के अध्यक्ष विनोद मोहन ने कहा कि पहाड़ियों में होने वाले 80 लाख किलोग्राम वार्षिक उत्पादन का 20 फीसद हिस्सा फ्लश उत्पादन यानी पहली खेप का होता है। उन्होंने आगे कहा- स्थिति बहुत खराब है। पहले फ्लश उत्पादन लगभग खत्म हो गया है। इसी तरह डीटीए के पूर्व अध्यक्ष अशोक लोहिया का कहना है कि पूरी पहली फ्लश फसल निर्यात योग्य होती है और इस प्रीमियम किस्म का उत्पादन घटने के कारण वार्षिक राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

इस बीच, भारतीय टी बोर्ड का कहना है कि चालू वर्ष में चाय के उत्पादन में 10 करोड़ किलोग्राम की गिरावट आ सकती है। चाय बोर्ड के अध्यक्ष पीके बेजबरुआ ने बताया कि पूर्णबंदी करना अपरिहार्य था, क्योंकि बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं था। उनके मुताबिक 2019 में देश में 138.9 करोड़ किलोग्राम चाय का उत्पादन हुआ था, जो मौजूदा वर्ष यानी 2020 में घटकर 129 करोड़ किलोग्राम पर आ सकता है।

टी बोर्ड के उपाध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि चाय के पौधों को फिर से उत्पादन के स्तर पर लाने में समय लगेगा। इससे चाय की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। उत्तर बंगाल के 87 चाय बागानों की ओर से राज्य सरकार को पत्र लिखकर उत्पादन शुरू करने की अनुमति देने की मांग की गई है, इनका तर्क है चाय उत्पादन मुख्य रूप से एक कृषि गतिविधि है और हर कृषि का एक अनुकूल मौसम होता है। चाय के पहले फ्लश का मौसम मार्च से शुरू होता है और मई के पहले सप्ताह तक जारी रहता है। इसलिए उन्हें चाय बागान खोलने और काम करने की अनुमति दी जाए। ताकि ज्यादा चाय का उत्पादन कर कम से कम कीमत पर उपभोक्ताओं को चाय उपलब्ध कराई जा सके।

गंगा जल हुआ साफ, प्रवासी पक्षी भी जमे हैं तटों पर

सुनील दत्त पांडेय
देहरादून।

जहां कोरोना विषाणु ने पूरी दुनिया में मौत का खौफ सामने ला दिया है और उस के प्रकोप से सारी दुनिया दहल रही है। वहीं, भारत में 25 मार्च से पूरे देश में कोरोना विषाणु संक्रमण को रोकने के लिए देश में बंदी की घोषणा की गई जिससे पूरे देश की रफ्तार ठहर गई उद्योग धंधे बंद हो गए हैं।

हरिद्वार, ऋषिकेश, टिहरी, देवप्रयाग और उत्तरकाशी के गंगा तट भी विरान हो गए हैं। हर की पौड़ी समेत सभी गंगा घाटों गंगा आरती देखने के लिए श्रद्धालुओं पर पाबंदी लगा दी गई है जिससे यहां घाट सूने पड़े हैं। गंगा में लोग ना तो फूल डाल रहे हैं और ना ही पूजा का सामान डाल रहे हैं। मोटर कारें लोगों के गैराज में बंद पड़ी हैं जिससे गंगा तट के इन शहरों की आबोहवा तरोताजा हो गई है और प्रदूषण बहुत कम हुआ है जिसका अच्छा असर पर्यावरण पर पड़ा है। उत्तरकाशी से लेकर हरिद्वार तक के सारे होटल, धमर्शालाएं बंद पड़े हैं। जिस कारण इन होटलों और धमर्शाला का गंदा पानी गंगा नदी में नहीं जा रहा है। हरिद्वार और ऋषिकेश के सभी उद्योग बंद पड़े हैं जिन उद्योगों का रसायन युक्त गंदा पानी पहले गंगा में जाता था, अब नहीं जा रहा है। एक अध्ययन के अनुसार पूर्ण बंदी के चलते 12 दिनों में एक अध्ययन के अनुसार गंगा जल उत्तरकाशी से लेकर हरिद्वार तक से 40 से 50 फीसद तक साफ हुआ है। इतना ही नहीं गंगा जल के और स्वच्छ होने से यहां बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों ने भी डेरा डाल दिया है। गंगा के तटों पर इन पक्षियों को आसानी से बड़े-बड़े समूह में देखा जा सकता है।

> बंदी के चलते हरिद्वार के ही तीन प्रमुख सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में सीवर के पानी की मात्रा में 10 से 15 फीसद तक कमी आई है। हरिद्वार के जगजीत पुर के तीन और सराय के एक प्लांट में सीवर के पानी में भारी कमी दर्ज की गई है। देश बंदी से पहले जगजीतपुर के 27 एमएलडी वाले सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में 46 एमएलडी सीवर का पानी आता था परंतु वे अब वहां क्षमता से भी कम सीवर का पानी आ रहा है।
> *- अजय कुमार, अधिशासी अभियंता, जल संस्थान उत्तराखंड*

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के पूर्व प्रोफेसर और भारतीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर बीडी जोशी का कहना है कि देश बंदी के 14 दिन में यह देखने में आया है कि इन दिनों में गंगा जल की गुणवत्ता में बहुत सुधार हुआ है और गंगा की स्थिति एकदम बदल गई है। गंगा का जल देश बंदी से पहले के मुकाबले बहुत ही स्वच्छ नजर आ रहा है। बंदी के चलते हरिद्वार और ऋषिकेश में तीर्थ यात्रियों की आवाजाही बंद पड़ी हुई है। ऐसे मे गंगा स्नान व अन्य धार्मिक कार्य गंगा किनारे बंद हो गए हैं। उनका कहना है की इसके साथ तीर्थ यात्रियों की भीड़ के चलते हरिद्वार में जो कूड़ा कचरा गंगा में जाता था, अब वह पूरी तरह से बंद है। कारखानों का बंद होना व वाहनों की आवाजाही बंद होने से वायु में प्रदूषण काफी कम हो गया है। वायु प्रदूषण का प्रभाव भी कहीं न कहीं गंगा के जल पर पड़ता था। इन सब वजहों से गंगा जल प्रदूषण के स्तर में काफी सुधार हुआ है। क्योंकि गंगा में होने वाले कुल प्रदूषण में उद्योगों की हिस्सेदारी 10 फीसद तक है। इसके अलावा अन्य कारणों से प्रदूषण होता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदूषण पर काफी हद तक अंकुश लगा दिया जाए तो गंगा पहले की तरह फिर से स्वच्छ हो सकती है। प्रोफेसर जोशी का कहना है कि 14 दिनों में गंगा में टीडीएस की मात्रा में 500 फीसद की कमी आई है, गंगा में जो कूड़ा कचरा और मल जाता था उसकी मात्रा में 100 यूनिट कमी आई है। इसी तरह घुलीय तत्वों में भारी कमी आने से गंगा के जल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वहीं, गंगा के जल में ऑक्सीजन की मात्रा के स्तर में भारी सुधार हुआ है। बंदी से पहले गंगा जल में ऑक्सीजन की मात्रा 7.8 एमजी थी, गंगा बंदी के बाद ऑक्सीजन की मात्रा गंगाजल में बढ़कर 8.9 एमजी से 10 एमजी के बीच पहुंच गई है जो गंगा जल में रह रहे मछली कछुए और अन्य जलीय जंतुओं के लिए भी फायदेमंद है। वहीं, गंगा के जल के प्रदूषण में गंगा बंदी के बाद 50 से 60 फीसद कमी आई है।

उत्तराखंड

हरिद्वार की हर की पौड़ी की प्रबंध कारिणी संस्था गंगा सभा के अध्यक्ष पंडित प्रदीप झा के अनुसार हर की पौड़ी पर रोजाना 25 से 30 हजार लोग गंगा की सांध्य कालीन आरती देखने आते थे और गर्मियों के मौसम के समय इनकी तादाद 50 हजार तक पहुंच जाती थी। इसके अलावा रोजाना हर की पौड़ी पर सुबह से रात तक गंगा स्नान करने वाले तीर्थ यात्रियों की तादाद एक से दो लाख के बीच रहती थी और स्नान पर्वों के समय यह तादाद पांच से 25 लाख तक पहुंचती थी। देश में पूर्ण बंदी के कारण तीर्थ यात्रियों के गंगा में अस्थि विसर्जन पर फिलहाल रोक लगी हुई है जिस कारण गंगा में धार्मिक गतिविधियां पूरी तरह से बंद हैं।

सोनिया ने सरकार को दिए पांच सुझाव

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि कोरोना संकट के मद्देनजर सरकारी खर्च में 30 प्रतिशत की कटौती, 'पीएम केयर्स' कोष के पैसे को प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष (पीएमएनआरएफ) में डालने और 'सेंट्रल विस्टा' परियोजना को स्थगित करने सहित मितव्ययता के कई कदम उठाए जाएं। उन्होंने मोदी को लिखे पत्र में यह सुझाव भी दिया कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रियों और नौकरशाहों के विदेश दौरों को स्थगित करने और सरकारी विज्ञापनों पर भी दो साल तक रोक लगाने की जरूरत है। इसी के साथ सोनिया ने सांसदों के वेतन में 30 फीसदी की कटौती के फैसले का समर्थन भी किया। कोरोना संकट को लेकर प्रधानमंत्री ने रविवार को फोन पर सोनिया से बात की थी।

पत्र में सोनिया ने कहा, 'सांसदों का वेतन 30 प्रतिशत कम करने के निर्णय का हम समर्थन करते हैं। कोविड-19 की महामारी के खिलाफ लड़ने के लिए पैसे एकत्रित करने में अतिसंयमित खर्च आज के समय की मांग है।

● सरकार व सरकारी उपक्रमों द्वारा मीडिया विज्ञापनों- टेलीविजन, प्रिंट व ऑनलाइन विज्ञापनों पर दो साल के लिए रोक लगा कर यह पैसा कोरोना वायरस से उत्पन्न हुए संकट से लड़ने में लगाया जाए।

● 'पीएम केयर्स' कोष के पैसे को प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष (पीएमएनआरएफ) में डालने और 'सेंट्रल विस्टा' परियोजना को स्थगित करने सहित मितव्ययता के कई कदम उठाए जाएं।

● भारत सरकार के खर्चे के बजट (वेतन, पेंशन व सेंट्रल सेक्टर की योजनाओं को छोड़कर) में भी इसी अनुपात में 30 फीसद की कटौती की जानी चाहिए।

इसी भावना से मैं आपको पांच सुझाव दे रही हूं। मुझे विश्वास है कि आप इन्हें लागू करेंगे। उन्होंने कहा, 'सरकार व सरकारी उपक्रमों द्वारा मीडिया विज्ञापनों- टेलीविजन, प्रिंट व ऑनलाइन विज्ञापनों पर दो साल के लिए रोक लगा कर यह पैसा कोरोना वायरस से उत्पन्न हुए संकट से लड़ने में लगाया जाए। केवल कोविड-19 के बारे में परामर्श या स्वास्थ्य से संबंधित विज्ञापन ही इस बंदिश से बाहर रखे जाएं।' सोनिया के मुताबिक केंद्र सरकार मीडिया विज्ञापनों पर हर साल लगभग 1,250 करोड़ रुपए खर्च करती है। इसके अलावा सरकारी उपक्रमों व सरकारी कंपनियों द्वारा विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली सालाना राशि इससे भी अधिक है।

उन्होंने कहा, '20,000 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे 'सेंट्रल विस्टा' परियोजना को स्थगित किया जाए। मौजूदा स्थिति में विलासिता पर किया जाने वाला यह खर्च व्यर्थ है। मुझे विश्वास है कि संसद मौजूदा भवन से ही अपना संपूर्ण कार्य कर सकती है।' सोनिया ने कहा कि इस परियोजना से बचाई गई राशि का उपयोग नए अस्पतालों व जांच सुविधाओं के निर्माण तथा स्वास्थ्यकर्मियों को निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) व बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए किया जाए।

उन्होंने यह आग्रह भी किया, 'भारत सरकार के खर्चे के बजट (वेतन, पेंशन व सेंट्रल सेक्टर की योजनाओं को छोड़कर) में भी इसी अनुपात में 30 फीसद की कटौती की जानी चाहिए। यह 30 फीसद राशि (लगभग 2.5 लाख करोड़ रु. प्रतिवर्ष) प्रवासी मजदूरों, श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई व असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों के लिए आबंटित की जाए।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, राज्य के मंत्रियों व नौकरशाहों द्वारा की जाने वाली सभी विदेश यात्राओं को स्थगित किया जाए। केवल देशहित के लिए की जाने वाली आपातकालीन व अत्यधिक आवश्यक विदेश यात्राओं को ही प्रधानमंत्री द्वारा अनुमति दी जाए।' सोनिया के अनुसार विदेश यात्राओं पर खर्च की जाने वाली राशि कोरोना वायरस से लड़ाई में सार्थक तौर से उपयोग की जा सकती है।

अरुणाचल के अगवा युवक को चीनी सैनिकों ने छोड़ा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबानसिरी जिले में मैकमोहन रेखा के समीप से 19 मार्च को अगवा किए गए 21 वर्षीय भारतीय नागरिक को मंगलवार को छोड़ दिया।

रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल पी खोंगसाई ने कहा कि 21 वर्षीय टोगले सिंगकाम को सीमा की निगरानी कर रहे भारतीय सेना के जवानों के हवाले कर दिया गया। कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए उस युवक को तत्काल पृथक वास में रख दिया गया। उन्होंने बताया कि जब यह (अपहरण की) घटना सामने आई, तब भारतीय सेना तुरंत हरकत में आई और उसने स्थापित सीमा प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से चीनी पक्ष से संपर्क किया। क्षेत्र में अमन-चैन व दोनों सेनाओं के बीच अच्छे रिश्ते के चलते सिंगकाम को मंगलवार को भारतीय सेना के हवाले कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि इससे सिंगकाम के परिवार व इलाके के लोगों को बहुत राहत मिली है। अधिकारी ने बताया कि सेना ने उसे पृथक वास में डाल दिया है और 14 दिन बाद उसे उसके परिवार के हवाले कर दिया जाएगा। टोगले सिंगकाम और उसके दो दोस्त-गामशी चादर और रोन्या नादे 19 मार्च को मछली पकड़ने और तागिन समुदाय से संबद्ध जमीन पर कुछ पारंपरिक वनस्पतियां एकत्र करने गए थे, तभी चीनी सुरक्षाकर्मियों ने घात लगाकर उन्हें घेर लिया। सिंगकाम के दो दोस्त भागने में सफल रहे, जबकि उसे चीनी सुरक्षाकर्मियों ने बंदूक का डर दिखाकर अगवा कर लिया। सिंगकाम के परिवार ने 23 मार्च को नाचो थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

आतंकी हमले में सीआरपीएफ जवान शहीद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 अप्रैल।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा इलाके में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान शहीद हो गया है। आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों के गश्ती दल पर ग्रेनेड फेंका।

इस हमले में एक अन्य जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार की शाम को बिजबेहरा में हुई इस घटना में हेड कांस्टेबल शिवलाल नीतम शहीद हो गए।

हाल ही में सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे पांच आतंकियों को मार गिराया गया था, लेकिन इस अभियान में भारत के पांच कमांडों भी शहीद हो गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, सीआरपीएफ की टीम गश्त पर थी, इसी दौरान आतंकियों ने गोलीबारी की और हथगोले फेंके। इस हमले के बाद सीआरपीएफ और सेना की टीम इलाके में तलाशी अभियान चला रही है।

इससे पहले कुपवाड़ा के पोसवाल इलाके के गुर्जर ढोक में हुए एक मुठभेड़ में भी आतंकियों ने हमला कर दिया था।

खराब मौसम का फायदा उठाकर भारत में घुसे आतंकियों को सेना ने मार गिराया था। हालांकि, इस पूरे अभियान में भारतीय पैरा ट्रूपर्स के भी पांच जवान शहीद हो गए।

हजारों वॉट्सऐप समूहों की 'सैटिंग' बदली

इंदौर, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 के प्रकोप से देश में सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में प्रशासन ने इस महामारी को लेकर फर्जी खबरों, भड़काऊ संदेशों और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए सोशल मीडिया पर नकेल कस दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिलाधिकारी ने बाकायदा लिखित आदेश जारी कर जिले के सभी वॉट्सऐप समूहों के एडमिन को निर्देशित किया है कि फिलहाल वे अपने समूहों को केवल स्वयं की पोस्ट के लिए सीमित कर लें।

सोशल मीडिया पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि प्रशासन के इस आदेश के बाद जिले के हजारों वॉट्सऐप समूहों की सैटिंग इस तरह बदल दी गई है कि अब इस प्लेटफॉर्म पर ग्रुप एडमिन ही कोई पोस्ट डाल सकते हैं। प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा, कोविड-19 के प्रकोप से निपटने में लगे सरकारी अफसरों को सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों, भड़काऊ संदेशों और अफवाहों की बाढ़ के चलते कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उम्मीद है कि वॉट्सऐप समूहों को लेकर जिलाधिकारी के आदेश के बाद इस माध्यम के जरिए गलत सूचनाओं के प्रसार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। इस बीच, अपराध निरोधक शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजेश दंडोतिया ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाहों से भरे भड़काऊ संदेश फैलाने के आरोप में शहर के दो थानों में भारतीय दंड विधान और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। अब तक इन मामलों में अलग-अलग वॉट्सऐप समूहों के दो ग्रुप एडमिन समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के एक स्थानीय मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गए स्वास्थ्य कर्मियों के दल पर शहर के टाटपट्टी बाखल इलाके में एक अप्रैल को पथराव की बहुचर्चित घटना के पीछे भी सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों की भूमिका सामने आई थी। इस घटना में दो महिला डॉक्टरों के पैरों में चोटें आई थीं।

दोनों महिला डॉक्टर कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान चला रहे स्वास्थ्य विभाग के पांच सदस्यीय दल में शामिल थीं। अब तक मिली रिपोर्टों के मुताबिक इंदौर में इस महामारी से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़कर 151 पर पहुंच गई है। इनमें से 13 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है।

वाट्सऐप ने संदेश साझा करने के नियम बदले

पेज 1 का बाकी

मेसेंजिंग ऐप वाट्सऐप ने मंगलवार को एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, 'हम नया फीचर पेश कर रहे हैं। इससे अब संदेशों को एक बार में केवल एक चैट में फॉरवर्ड किया जा सकेगा। हमने संदेशों के फॉरवर्ड होने की संख्या में उल्लेखनीय बढ़त देखी है। इस नए फीचर से उपयोक्ता भ्रामक जानकारियों को फैलने से रोकने में योगदान कर सकते हैं।' पिछले साल वाट्सऐप ने संदेश के साथ यह जानकारी देने की शुरुआत भी की थी कि इसे फॉरवर्ड किया गया है या नहीं। यह कदम उसने फर्जी खबरों को फैलने से रोकने के लिए विभिन्न देशों की सरकार के दबाव बनाने के बाद उठाया था।

कोरोना वायरस के सामुदायिक फैलाव को रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन (सार्वजनिक पाबंदी) के दौरान वाट्सऐप जैसे ऐप का उपयोग बढ़ा है। कंपनी ने कहा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लोग सामुदायिक दूरी (सोशल डिसटेंसिंग) का पालन कर रहे हैं। इस वजह से वह अपने दोस्तों, परिवारों से दूर हैं और उनसे बातचीत करने या वीडियो चैट करने के लिए वाट्सऐप पर निर्भर कर रहे हैं। लोग डॉक्टर, शिक्षक या पृथक रह रहे परिजनों से वाट्सऐप पर बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए कंपनी की ओर से यह कदम उठाया गया है।

ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक कंपनी का मानना है कि इस तरह के संदेशों के प्रसार को सीमित करना अहम है ताकि वाट्सऐप लोगों के लिए एक निजी वार्तालाप की जगह बनी रहे। कंपनी ने कहा कि संदेश फॉरवर्ड को सीमित करने के उसके पिछले कदमों से फॉरवर्ड किए गए संदेशों में 25 फीसद की कमी लाने में मदद मिली है। भारत में वाट्सऐप का उपयाग करने वालों की संख्या 40 करोड़ से अधिक है।

भोपाल : हमले में दो पुलिसकर्मी घायल

पेज 1 का बाकी

करीब 10 बजे चार-पांच पुलिसकर्मी तलैया थाना क्षेत्र के इस्लामनगर में भीड़ को हटाने पहुंचे। जैसे ही पुलिस ने भीड़ हटने को कहा, तभी वहां मौजूद दो शातिर बदमाशों शाहिद कबूतर व मोहसिन कचौड़ी सहित करीब 20 लोगों ने चाकुओं, डंडों व पत्थरों से पुलिस दल पर हमला कर दिया। इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। दोनों पुलिसकर्मियों पर चाकू से वार किया गया। दोनों को चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिंह ने बताया कि आरोपी शाहिद कबूतर 35 साल का है, जबकि मोहसिन कचौड़ी 25-26 साल का है। उन्होंने कहा कि इस मामले में हमने छह-सात नामजद और 10-12 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हमने आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की तीन पार्टियां रवाना कर दी हैं। सिंह ने कहा कि अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। जिस इलाके में पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ है, वह मुसलिम बहुल इलाका है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्विटर पर लिखा कि दिन-रात एक कर जनता को इस महामारी से बचाने में लगे पुलिसकर्मियों पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कबूतर हो या कचौड़ी, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। अराजकता फैलाने वाले गुंडे-बदमाशों को सबक सिखाना जरूरी है। इन गुंडों पर रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मध्य प्रदेश के इंदौर के टाटपट्टी बाखल इलाके में एक अप्रैल को कोरोना संक्रमण के एक मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढ़ने गए स्वास्थ्यकर्मियों पर लोगों ने अचानक पथराव कर दिया था। इस पथराव में दो महिला डॉक्टरों के पैर में चोट आई थी।

संक्रमितों की संख्या 508 बढ़ी, 13 और की मौत

पेज 1 का बाकी

48 है। इसके बाद गुजरात में 13, मध्य प्रदेश में 13, दिल्ली में सात, तेलंगाना में सात, पंजाब में सात, तमिलनाडु में पांच, कर्नाटक में चार, राजस्थान में तीन, उत्तर प्रदेश में तीन, आंध्र प्रदेश में तीन, पश्चिम बंगाल में तीन, जम्मू-कश्मीर में दो और केरल में दो लोगों की मौत हुई है। वहीं, बिहार, हरियाणा, ओड़ीशा और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

देश में सबसे अधिक संक्रमण के मामले महाराष्ट्र से हैं। मंगलवार को यहां संक्रमण के मामले बढ़कर 868 हो गए। तमिलनाडु में 621, दिल्ली में 576, तेलंगाना में 364, केरल में 327, उत्तर प्रदेश में 305, राजस्थान में 288, आंध्र प्रदेश में 266, मध्य प्रदेश में 229, कर्नाटक में 175, गुजरात में 165, जम्मू कश्मीर में 116, पंजाब में 91, पश्चिम बंगाल में 91, हरियाणा में 90, ओड़ीशा में 42, बिहार में 32, उत्तराखंड में 31, असम में 26, चंडीगढ़ में 18, लद्दाख में 14, हिमाचल प्रदेश में 13, छत्तीसगढ़ में 10, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 10, गोवा में सात, पुदुचेरी में पांच, झारखंड में चार, मणिपुर में दो, मिजोरम में एक, अरुणाचल प्रदेश में एक और त्रिपुरा में एक मामला सामने आया है।

बरेली में हमला करने के मामले में 39 गिरफ्तार

पेज 1 का बाकी

कर दिया गया। पुलिस ने मंगलवार सुबह इज्जतनगर थाना क्षेत्र के करमपुर चौधरी इलाके में पीएसी के साथ दबिश दी, लेकिन संदिग्ध लोग घरों में ताला लगा कर फरार हो गए। बरेली के एसपी सिटी रविंद्र कुमार ने बताया कि बंद का उल्लंघन करने, पुलिसकर्मियों पर हमला और चौकी फूंकने का प्रयास करने के आरोप में सोमवार देर रात उपनिरीक्षक दुनेश कुमार ने 150 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई, जिनमें से 39 लोगों को मंगलवार को जेल भेज दिया गया है। तीन महिलाओं को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में बंद का पालन कराने गई पुलिस टीम पर सोमवार को उपद्रवियों ने हमला कर दिया था। हमले में एक आइपीएस अधिकारी सहित कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि यह मामला इज्जतनगर के करमपुर चौधरी का है, जहां बंद का पालन कराने गए पुलिसकर्मियों पर भीड़ ने हमला कर दिया। पुलिस पर हमले की सूचना पर एसपी (नगर) भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। इस दौरान आइपीएस अभिषेक वर्मा और अन्य पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है।

एसपी सिटी ने बताया था कि इज्जतनगर इलाके के करमपुर चौधरी में चीता मोबाइल के दो पुलिसकर्मी गांव में पूर्ण बंदी का पालन कराने गए थे, जहां लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मी बैरियर वन चौकी पर वापस आ गए। इस बीच करीब 200 से 250 लोगों की भीड़ चौकी पर पहुंच गई और भीड़ ने पथराव कर हमला किया। उन्होंने बताया कि बाद में पुलिस बल गांव गई तो फिर हमला करने की कोशिश की गई।

पूर्ण बंदी के मसले पर राज्यों की राय को अहमियत देगा केंद्र

पेज 1 का बाकी

महाराष्ट्र, कर्नाटक ,असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत नौ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी कह दिया कि पूर्ण बंदी बढ़ानी चाहिए।

कोरोना संक्रमण के हालात की समीक्षा के लिए मंत्रिमंडलीय समूह (जीओएम) की बैठक में पूर्ण बंदी बढ़ाने के सुझावों पर चर्चा की गई। लेकिन इस बारे में अंतिम फैसला नहीं किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल और गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि अभी बंद को बढ़ाने का कोई फैसला नहीं लिया गया है, कृपया अटकलें न लगाएं।

केंद्र सरकार के अधिकारियों के मुताबिक, 'कई राज्य सरकारों और विशेषज्ञों ने केंद्र सरकार से पूर्ण बंदी बढ़ाने का आग्रह किया है। केंद्र सरकार भी इस दिशा में विचार कर रही है।

इससे पहले सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंदी को हटाए जाने के तौर-तरीकों पर चर्चा करते हुए स्पष्ट संकेत दिए थे कि एक बार में बंद को हटाए जाने की संभावना बेहद कम है। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से पूछा था कि इन पाबंदियों को क्षेत्रवार या जिलावार कैसे हटाया जाना चाहिए। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान इस बात के संकेत दिए थे कि पूर्ण बंदी 15 अप्रैल को खत्म हो जाएगी।

लेकिन, सोमवार को प्रदेश सरकार के एडीशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) अवनीश अवस्थी ने इस बात के संकेत दिए कि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन 14 अप्रैल के बाद भी जारी रह सकता है। अवनीश अवस्थी ने कहा कि अगर कोरोना का एक भी केस रहेगा तो पूर्ण बंदी नहीं खत्म होगी।

ट्रंप की चेतावनी के बाद भारत ने दवा भेजने का किया फैसला

पेज 1 का बाकी

(प्रधानमंत्री मोदी) यह (दवा निर्यात नहीं करने का) फैसला हुआ। उन्हें मुझे बताना होगा। मैंने रविवार सुबह उनसे फोन पर बात की थी, मैंने कहा था कि अगर आप हमारे लिए निर्यात की अनुमति दें तो अच्छा लगेगा। अगर वह निर्यात की अनुमति नहीं देते हैं, तो कोई बात नहीं, लेकिन इसकी जवाबी कार्रवाई भी होगी। और ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए?' ट्रंप ने कहा, 'मुझे आश्चर्य होगा अगर वह ऐसा करते हैं (दवा निर्यात की अनुमति नहीं देते हैं) क्योंकि भारत और अमेरिका के संबंध काफी अच्छे चल रहे हैं।'

अमेरिका के अलावा श्रीलंका, नेपाल समेत 20 देशों से हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन की मांग भारत के सामने आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, 'भारत का हमेशा से यही रुख रहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुटता व सहयोग दिखाना चाहिए। इसी सोच के आधार पर हमने अन्य देशों के नागरिकों को उनके देश पहुंचाया। भारत अपने उन सभी पड़ोसी देशों को उपयुक्त मात्रा में पैरासिटामोल और एचसीक्यू (हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन) उपलब्ध कराएगा, जो इसके लिए हम पर निर्भर हैं।'

भारत ने 25 मार्च को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के निर्यात रोक लगा दी थी। भारत इस दवा का बड़ा निर्यातक देश है। समझा जाता है कि मोदी और ट्रंप की टेलीफोन पर बातचीत के बाद भारत और अमेरिका के उच्च अधिकारी एचसीक्यू की अमेरिका को आपूर्ति को लेकर संपर्क में थे। ट्रंप के जवाबी कार्रवाई करने की टिप्पणी के बारे में समझा जाता है कि सरकार का मानना है कि यह प्रतिक्रिया पहले से तय नहीं थी बल्कि यह तात्कालिक प्रतिक्रिया थी। भारत सरकार उच्च स्तरीय बैठकों में इस बारे में फैसला करने वाली थी। इससे पहले घरेलु जरूरतों का आकलन किया जा रहा था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'किसी भी जिम्मेदार सरकार की तरह से हमारी पहली जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि दवाओं का स्टॉक हमारे अपने लोगों की जरूरत के लिए पर्याप्त मात्रा में हो।' इसे ध्यान में रखते हुए कई फार्मा उत्पादों के निर्यात पर रोक लगाने का अस्थायी कदम उठाया गया। श्रीवास्तव ने कहा, सभी संभावित परिस्थितियों में दवाओं की उपलब्धता की पुष्टि होने के बाद इन प्रतिबंधों को काफी हद तक हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने सोमवार को 14 दवाओं पर रोक को हटाने की अधिसूचना जारी की।

धार्मिक केंद्रों, सार्वजनिक स्थलों पर रहेगी पैनी नजर

पेज 1 का बाकी

करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीएओएम) की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, खाद्य व आपूर्ति मंत्री राम विलास पासवान, रेल मंत्री पीयूष गोयल, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शिरकत की।

बैठक के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने ट्वीट में कहा, 'मंत्रियों के समूह ने पूर्ण बंदी (लॉकडाउन) के बाद की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। हमने केंद्रीय मंत्रिमंडल के उस निर्णय का स्वागत किया, जिसमें सभी सांसदों के वेतन में एक वर्ष तक कटौती करने और सांसद निधि को दो वर्ष के लिए स्थगित रखने का फैसला किया गया है। इस राशि का उपयोग कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की लड़ाई को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। मंत्रियों ने इस बात पर अपने विचार रखे कि हम इस स्थिति से कैसे बाहर निकल सकते हैं और लोगों को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में लोगों को सजग, सतर्क और प्रतिबद्ध रखने में मदद कर सकते हैं।

दुनिया भर में 75,000 से ज्यादा की गई जान

पेज 1 का बाकी

बाद मंगलवार को तोक्यो और देश के छह अन्य हिस्सों में एक महीने के आपातकाल की घोषणा की।

वाशिंगटन : अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या सोमवार तक 10,000 से पार कर गई और इसके साथ ही देश इस इस खतरे से निपटने के लिए सबसे कठिन सप्ताह में प्रवेश कर गया है। सोमवार तक इस खतरनाक वायरस से 10,800 लोगों की मौत हो चुकी है और 3,66,000 लोग इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। उधर न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू क्योमो ने कहा कि दो दिन से कोरोना के मामलों में गिरावट और मृतक संख्या में कमी एक अच्छा संकेत है लेकिन इससे खुश हो जाना गलती होगी।

अमेरिका में सबसे अधिक न्यूयॉर्क प्रांत में कोरोना वायरस से संक्रमण के 1,30,689 मामले सामने आए हैं और करीब 4,758 लोगों की इससे जान गई है।

बेजिंग : चीन में मंगलवार को पहली बार ऐसा हुआ कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से मौत का एक भी मामला सामने नहीं आया। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि चीन ने जनवरी से इस संबंध में आंकड़े प्रकाशित करने आरंभ किए थे। इसके बाद से पहली बार ऐसा हुआ है, जब इस घातक वायरस से किसी की मौत नहीं हुई है।

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या बढ़कर 4000 के पार चली गई जहां 500 से अधिक मामले नए हैं। इस संक्रमण ने 54 लोगों की जान ले ली है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के चार रोगियों की मृत्यु हो गई।

जमाखोरी, कालाबाजारी रोकी जाए : शाह

पेज 1 का बाकी

सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि इस आशय का निर्देश लॉकडाउन लागू होने और जरूरी वस्तुओं की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करने के बाद जारी किया गया। इस बैठक में गृह मंत्री ने अधिकारियों से उत्पादों की कालाबाजारी व जमाखोरी करने वालों के खिलाफ तेजी से और सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया। श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार दवाओं और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति पर करीबी नजर रखे हुए है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन आइसीयू में

पेज 1 का बाकी

कारण यह है कि उनकी मेडिकल टीम उनके लिए जो इलाज उपर्युक्त समझे, वह उन्हें उपलब्ध कराया जा सके।' जॉनसन में 12 दिन पहले कोरोना वायरस की पुष्टि हुई थी और वह डाउनिंग स्ट्रीट स्थित अपने आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के खिलाफ सरकार की नीति की अगुवाई कर रहे थे।

सोमवार को आइसीयू में भर्ती कराए जाने के बाद 55 वर्षीय जॉनसन ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब को फिलहाल उनकी जगह लेने को कहा है। अस्थायी प्रभार संभालने के बाद राब ने कहा कि सरकार का काम वैश्विक महामारी को हराने की जॉनसन की योजनाओं को आगे ले जाने पर केंद्रित होगा। राब ने कहा, 'सरकार का कामकाज जारी रहेगा। प्रधानमंत्री सेंट थॉमस अस्पताल की उम्दा टीम की निगरानी में सुरक्षित हैं और सरकार का ध्यान कोरोना वायरस को हराने व देश को इस संकट से उबारने के लिए प्रधानमंत्री के निर्देशों, सभी योजनाओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के स्वस्थ होने की कामना की। मोदी ने ट्वीट किया, 'डटे रहिए प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन। आपके बहुत जल्द स्वस्थ होकर अस्पताल से आने की कामना करता हूं।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समस्त अमेरिकी उनके ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। ट्रंप ने वाइट हाउस में नियमित प्रेस वार्ता के दौरान संवाददाताओं से कहा, 'हम यह सुनकर बहुत दुखी हैं कि उन्हें आइसीयू में ले जाया गया है। सभी अमेरिकी उनके ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने प्रधानमंत्री जॉनसन के सभी डॉक्टरों से संपर्क किया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) प्रमुख तेदरोस अदहानोम गेब्रेयसस ने भी जॉनसन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजंसी के महानिदेशक ने ट्विटर पर कहा, 'मैं अपने दोस्त बोरिस जॉनसन के बारे में सोच रहा हूं और मैं अपनी व डब्लूएचओ की तरफ से उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।' फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जॉनसन जल्द इस कठिन स्थिति से उबर जाएंगे।

महबूबा मुफ्ती को जेल से आवास स्थानांतरित किया गया

पेज 1 का बाकी

उनके खिलाफ सख्त पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया। आदेश में कहा गया कि उन्हें मौलाना आजाद रोड की जेल से 'फेयरव्यू गुपकर रोड' स्थानांतरित किया जा रहा है जो उनका आधिकारिक आवास है। इसमें बताया गया कि मुफ्ती को स्थानांतरित किए जाने से पहले प्रशासन ने उनके आधिकारिक आवास को तत्काल प्रभाव से अधीनस्थ जेल का दर्जा दे दिया। इस बीच महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि पिछले साल अगस्त से हिरासत में रखे गए कश्मीरी रिहाई के हकदार हैं क्योंकि वैश्विक महामारी के दौरान भी उन्हें 'कैद' में रखने से हमारी लोकतांत्रिक साख धूमिल हो रही है।

उधर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मांग की कि महबूबा मुफ्ती को रिहा किया जाए। उन्होंने कहा कि मुफ्ती को हिरासत में रखते हुए उनके आवास में स्थानांतरित करना उनको आजाद करने की जिम्मेदारी से बचना है। उमर ने ट्वीट कर कहा, 'महबूबा मुफ्ती को रिहा किया जाना चाहिए। उनकी हिरासत बरकरार रखते हुए उन्हें उनके घर में स्थानांतरित करना बस उनको रिहा करने से बचना है।'

www readwhere com

प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए कदम उठाए जाएं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कामगारों के स्वास्थ्य और प्रबंधन के मुद्दों पर हम विशेषज्ञ नहीं

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के मदेनजर 21 दिन के लॉकडाउन की वजह से पलायन करने वाले कामगारों के स्वास्थ्य और उनके प्रबंधन से जुड़े मुद्दों से निबटने के विशेषज्ञ नहीं है और बेहतर होगा कि सरकार से जरूरतमंदों के लिए हेल्पलाइन शुरू करने का अनुरोध किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता के पीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। याचिका ालायन करने वाले कामगारों के जीवन के मौलिक अधिकार की रक्षा और बंद की वजह से बेरोजगार हुए श्रमिकों को उनका पारिश्रमिक दिलाने के लिए सामाजिक कार्यकताओं हर्ष मंदर व अंजलि भारद्वाज ने दायर की थी।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले एक जनहित याचिका पर सरकार से जवाब मांगा था और उसने इस स्थिति से निबटने के बारे में उसके जवाब पर संतोष व्यक्त किया था। पीठ ने कहा था कि सरकार स्थिति पर निगाह रखे है और उसने इन कामगारों की मदद के लिए हेल्पलाइन भी शुरू की है। पीठ ने इस याचिका की सुनवाई13 अप्रैल के लिए स्थगित कर दी और कहा, 'हम सरकार के विवेक पर अपनी इच्छा नहीं थोपना चाहते। हम स्वास्थ्य या प्रबंधन के विशेषज्ञ नहीं हैं और सरकार से कहेंगे कि शिकायतों के लिए हेल्पलाइन बनाए।' पीठ ने कहा कि वह इस समय बेहतर नीतिगत निर्णय नहीं ले सकती और वैसे भी अगले 10-15 दिन के लिए नीतिगत फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती।' इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि चार लाख से अधिक कामगार इस समय आश्रय गृहों में हैं और यह कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए परस्पर दूरी बनाने का मखौल बन गया है।

उन्होंने कहा कि अगर उन्हें आश्रय गृहों में रखा जा रहा है और उनमें से किसी एक व्यक्ति को भी कोरोना वायरस का संक्रमण हो गया तो फिर सारे इसकी चपेट में आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन कामगारों को अपने अपने घर वापस जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। उनके परिवारों को जिंदा रहने के लिए पैसे की जरूरत है क्योंकि वे इसी पारिश्रमिक पर निर्भर हैं। भूषण ने कहा कि 40 फीसद से ज्यादा कामगारों ने पलायन करने का प्रयास नहीं किया और वे शहरों में अपने घरों में रहे रहे हैं लेकिन उनके पास खाने पीने का सामान खरीदने के लिए पैसा नहीं है।

इस पर पीठ ने कहा कि उसे बताया गया है कि ऐसे कामगारों को आश्रय गृहों में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और ऐसी स्थिति में उन्हें पैसे की क्या जरूरत है। केंद्र की ओर से सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार स्थिति पर निगाह रखे है और उसे मिलने वाली शिकायतों पर ध्यान भी दे रही है। इसके लिए कॉल सेंटर बनाया गया है। गृह मंत्रालय और मंत्री हेल्पलाइन की निगरानी भी कर रहे हैं। इस दौरान पीठ ने कहा कि न्यायालय ऐसी शिकायतों की निगरानी नहीं कर सकता कि किसी आश्रय गृह में कामगारों को दिया गया भोजन खाने योग्य नहीं था।

सुनवाई के दौरान केंद्र ने न्यायालय को सूचित किया कि कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद देशवासियों को खाना-पीना और आश्रय उपलब्ध कराने के लिए देश के 578 जिलों में 22 हजार से ज्यादा राहत शिविर काम कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव ज्ञानेश कुमार द्वारा न्यायालय में पेश रिपोर्ट में राहत शिविरों, आश्रय गृहों और भोजन शिविरों के तथ्यों और आंकड़ों का विवरण दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार इस समय देश के 578 जिलों में सरकार 22,567 राहत शिविर चला रही है जबकि कई गैर सरकारी संगठन भी 3,909 शिविरों का संचालन कर रहे हैं। इन शिविरों में एक करोड़ से भी ज्यादा जरूरतमंदों को आश्रय दिया गया है और यहां उन्हें भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा 17,000 से अधिक भोजन शिविर भी काम कर रहे हैं।

मप्र : कर्मचारियों को सरकार देगी 50 लाख रुपए की बीमा सुरक्षा

भोपाल, 7 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना महामारी को रोकने में मदद कर रहे पुलिस कर्मियों सहित प्रदेश सरकार के अन्य विभागों के कर्मचारियों को 50-50 लाख रुपए की बीमा सुरक्षा देने की घोषणा की है।

> कोरोना विषाणु से लड़ रहे स्वास्थ्य कर्मियों के अलावा राजस्व, पुलिस, नगरीय विकास विभाग के जांबाजों को मिलेगी यह बीमा सुरक्षा

मुख्यमंत्री चौहान ने आधिकारिक सरकारी ट्विटर हैंडल पर मंगलवार को ट्वीट किया कि कोरोना विषाणु के योद्धाओं को प्रणाम! भारत सरकार द्वारा कोविड-19 से लड़ने वाले सभी स्वास्थ्य कर्मियों का 50 लाख रुपए का बीमा किया गया। मप्र शासन द्वारा कोरोना विषाणु से लड़ रहे स्वास्थ्य विभाग के अलावा राजस्व, पुलिस, नगरीय विकास आदि विभागों के जांबाजों को भी 50 लाख रुपए की सुरक्षा। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में कोरोना विषाणु से निपटने में मदद कर रहे कई पुलिस कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों और उनके परिजन संक्रमित पाए गए हैं। मंगलवार को भोपाल में सात पुलिस कर्मियों और उनके परिवार वालों में व स्वास्थ्य विभाग के पांच कर्मियों में संक्रमण की पुष्टि हुई।

इससे पहले मुख्यमंत्री चौहान ने इंदौर में तैनात पुलिस कर्मियों, नर्स, सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं और चिकित्सकों से फोन पर बात कर उनके कार्य की सराहना की थी। इस बीच, प्रदेश के राज्यपाल लाल जी टंडन ने कोरोना विषाणु से उत्पन्न संकट से निपटने में सरकार के प्रयासों में सहयोग की पहल करते हुए यह संकट समाप्त होने तक हर माह अपने वेतन की 30 फीसद राशि (लगभग एक लाख रुपए) प्रधानमंत्री कोष में देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री चौहान ने भी कोरोना विषाणु संकट से निपटने में सहयोग स्वरूप एक साल तक अपने वेतन की 30 फीसद राशि सहायता कोष में देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि उनकी विधायक निधि भी इस संक्रमण से निपटने में व्यय की जाएगी।

मुंबई : लाखों के एन-95 मास्क व सेनिटाइजर जब्त, दो गिरफ्तार

मुंबई, 7 अप्रैल (भाषा)।

अपराध शाखा के अधिकारियों ने मंगलवार को मुंबई के उपनगर गोरेगांव में एक गोदाम से 27.63 लाख रुपए के एन-95 मास्क और सेनिटाइजर जब्त किए और दो लोगों को गिरफ्तार किया।

एक अधिकारी ने बताया कि मास्क और सेनिटाइजर की कालाबाजारी की जा रही थी। ये लोग इन्हें महंगी कीमत पर बेचने वाले थे। कोरोना विषाणु का संक्रमण फैलने के कारण इन दिनों मास्क और सेनिटाइजर की बहुत ज्यादा मांग है। इस कारण से कई लोग इन उत्पादों की कालाबाजारी भी कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि गुप्त सूचना पर अपराध शाखा की इकाई ने गोरेगांव (पश्चिम) में मोतीलाल नगर में एक गोदाम पर छापा मारा। इस गोदाम में मास्क और सेनिटाइजर को रखा गया था।

अधिकारियों ने बताया कि 24.87 लाख रुपए के 9950 एन-95 मास्क और 2.75 लाख रुपए मूल्य का 181 लीटर सेनिटाइजर जब्त किया गया। इस मामले में आगे जांच की जा रही है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान फरहान हुसैन रोशन अली पटेल और आमिर हुसैन जाफरी के तौर पर हुई। दोनों ओशिवरा के निवासी हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों के खिलाफ आवश्यक वस्तु कानून की विभिन्न धाराओं और आपदा प्रबंधन कानून की धारा 51 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गुजरात में कोरोना संक्रमण के 19 नए मामले मिले

अमदाबाद, 7 अप्रैल (भाषा)।

गुजरात में कोरोना विषाणु के 19 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के मामलों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 165 हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने बताया कि 19 में से 13 मामले अमदाबाद, तीन पाटण और एक-एक भावनगर, आणंद और साबरकांठा से हैं। आणंद और साबरकांठा में कोरोना विषाणु का पहला मामला मंगलवार को सामने आया, जिसके बाद राज्य के कुल 33 में से 17 जिलों में संक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं।

> अमदाबाद, भावनगर, वडोदरा और सूरत के कुछ क्षेत्रों में कोरोना विषाणु के बढ़ते मामलों के बीच गुजरात सरकार ने मंगलवार को निर्णय लिया कि इन चार शहरों के 15 क्षेत्रों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिए सामूहिक रोकथाम रणनीति के तहत विशेष कार्य योजना बनाकर उपाय किए जाएंगे।

अधिकारी ने बताया कि 130 मरीज अभी भी संक्रमित हैं, जिनमें से चार वेंटिलेटर पर हैं और उनकी हालत नाजुक है, जबकि 126 अन्य मरीजों की हालत स्थिर बताई गई है। संक्रमण से राज्य में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 23 को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। रवि ने कहा कि ताजा प्रकाश में आए सभी 19 मामलों में संक्रमण स्थानीय स्तर पर फैला था।

अमदाबाद, भावनगर, वडोदरा और सूरत के कुछ क्षेत्रों में कोरोना विषाणु के बढ़ते मामलों के बीच गुजरात सरकार ने मंगलवार को निर्णय लिया कि इन चार शहरों के 15 क्षेत्रों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिए सामूहिक रोकथाम रणनीति के तहत विशेष कार्य योजना बनाकर उपाय किए जाएंगे। इस कार्य योजना के तहत इन क्षेत्रों में पूरी तरह पूर्ण बंदी किया जा सकता है।

पिछले दो दिन में सोमवार तक सामने आए 39 में से 31 मामले इन 15 क्षेत्रों से थे, इसलिए राज्य सरकार को एक विशेष कार्य योजना का खाका बनाना पड़ा। कुल 15 क्षेत्रों में से आठ अमदाबाद, तीन सूरत और दो-दो वडोदरा और भावनगर में हैं। रवि ने इस संबंध में कहा कि राज्य सरकार द्वारा अपनाई गई सामूहिक रोकथाम की रणनीति के तहत इन क्षेत्रों में पूरी तरह पूर्ण बंदी करना, सर्वेक्षण द्वारा संक्रमण के संदिग्ध मामलों का पता लगाना और उनका उपचार करना शामिल होगा।रवि ने बताया कि कार्य योजना का मुख्य उद्देश्य कोरोना विषाणु के संक्रमण को अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोकना है।

कराड में मंगलवार को बचत घाट पर देशबंदी के दौरान मास्क तैयार करती महिला।

सूचकांक 2,476 अंक उछला, एक दिन में अब तक की सबसे बड़ी तेजी

मुंबई, 7 अप्रैल (भाषा)।

वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच बंबई शेयर बाजार का सूचकांक और निफ्टी में मंगलवार को अंकों के लिहाज से किसी एक दिन में अब तक की सबसे बड़ी तेजी आई। वैश्विक स्तर पर कोरोना के मामलों में वृद्धि की गति थोड़ी हल्की पड़ने और इसके अब नीचे आने के संकेत से वैश्विक बाजारों में तेजी रही जिसका असर घरेलू बाजारों पर भी पड़ा।

अवकाश के कारण छोटे कारोबारी सप्ताह में शुरुआत अच्छी रही। तीस शेयरों वाला बंबई शेयर बाजार का सूचकांक 2,476.26 यानी 8.97 फीसद की जोरदार बढ़त के साथ 30,067.21 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 708.40 अंक यानी 8.76 फीसद मजबूत होकर 8,792.20 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों में अंकों के हिसाब से यह एक दिन की सबसे बड़ी तेजी रही जबकि फीसद के हिसाब से यह मई 2009 के बाद की सर्वाधिक ऊंची छलांग है।

सूचकांक के शेयरों में सभी 30 शेयर लाभ में रहे। उनमें से 14 में 10 फीसद से अधिक की तेजी आई। इंडसइंड सर्वाधिक 22 फीसद लाभ में रहा। उसके बाद क्रम से एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आइसीआइसीआइ बैंक, एचयूएल, मारुति, एचसीएल टेक और हीरो मोटोकार्प का स्थान रहा। बाजार में तेजी से कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7.9 लाख करोड़ रुपए बढ़ा।

आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि एशिया के अन्य बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त के साथ खुला। इसका कारण वैश्विक स्तर पर कोरोना के मामलों में कुछ कमी है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार को इस रिपोर्ट से भी बल मिला है कि वित्त मंत्रालय अर्थव्यवस्था के लिए दूसरे राहत पैकेज पर काम कर रहा है। कुछ विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी वैश्विक बाजारों के अनुरूप है। इसका कारण इटली, फ्रांस, जर्मनी में नए मामलों में उतनी वृद्धि नहीं हो रही है और मरने वालों की दैनिक संख्या स्पेन व इटली जैसे देशों में कुछ कम हुई है। इसके अलावा निवेशकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान का भी असर पड़ा है जिसमें उन्होंने मंत्रालयों से 14 अप्रैल के बाद कारोबारी गतिविधियों को आगे बढ़ाने की योजना तैयार करने को कहा है।

उधर, वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड वायदा का भाव 2.48 फीसद मजबूत होकर 33.87 डॉलर बैरल पर पहुंच गया। ओपेक (तेल निर्यातक देशों का संगठन) की इस सप्ताह प्रस्तावित बैठक में आपूर्ति में कमी किए जाने को लेकर समझौता होने की उम्मीद से तेल में तेजी आई है।

खुदरा क्षेत्र में 80 हजार रोजगार जाने की आशंका

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना महामारी और उसकी रोकथाम के लिए जारी बंद से खुदरा व्यापारी 80,000 नौकरियां घटा सकते हैं। उद्योग संगठन रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआइ) ने एक सर्वे में यह कहा है।

आरएआइ ने कोरोना महामारी का व्यापारियों और कार्यबल पर पड़ने वाले प्रभाव के आकलन के लिए यह सर्वे किया। यह सर्वे 768 खुदरा कारोबारियों के बीच किया गया जिनमें 3,92,963 लोगों को रोजगार मिला हुआ है। संगठन ने कहा कि छोटे खुदरा व्यापारी अपने यहां काम करने वालों में से 30 फीसद की छंटनी कर सकते हैं। वहीं मध्यम आकार के खुदरा कारोबारी में यह 12 फीसद और बड़े खुदरा व्यपारियों के मामले में यह पांच फीसद है। कुल मिलाकर सर्वे में शामिल खुदरा कारोबारियों ने कहा कि वे कार्यबल में 20 फीसद की कटौती कर सकते हैं। 20 फीसद की छंटनी से कुल 78,592 कर्मचारी प्रभावित होंगे।

उद्योग संगठन ने कहा कि सर्वे में शामिल छोटे कारोबारियों में वे इकाइयां हैं जहां सौ से कम लोग काम करते हैं। इनकी सर्वे में भागीदारी 65 फीसद है। मझोले खुदरा कारोबारियों में सौ से 1,000 लोग काम करते हैं। बड़े खुदरा कारोबारियों में वे शामिल हैं जिन्होंने 1,000 से अधिक लोगों को काम दे रखा है।

कोरोना महामारी रोकने के लिए जारी बंद के कारण खाने-पीने का सामान बेचने वालों को छोड़कर 95 फीसद से अधिक दुकानें बंद हैं। इससे उनकी आय खत्म होगी। वे पिछले साल के मुकाबले अगले छह महीने में करीब 40 फीसद ही कमाई की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं खाने-पीने का सामान बेचने वाले खुदरा व्यापारी अगले छह महीनों में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 56 फीसद कमाई की उम्मीद कर रहे हैं। खाने-पीने के सामान के अलावा दूसरा कारोबार करने वाली दुकानें पूरी तरह बंद हैं ।

एसबीआइ ने कर्ज व जमा पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने मंगलवार को 10 अप्रैल से सभी अवधि के ऋणों पर कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण ब्याज दर (एमसीएलआर) में 0.35 फीसद कटौती करने की घोषणा की। बैंक ने बचत खाता जमा पर भी ब्याज दर को 0.25 फीसद घटाकर 2.75 फीसद कर दिया है।

बैंक ने कहा कि एमसीएलआर में कटौती के बाद एक साल की अवधि के ऋण पर ब्याज दर 7.75 फीसद से घटकर 7.40 फीसद हो जाएगी। अधिकांश खुदरा ऋणों के लिए एक साल की बैंक ने कहा कि इससे 30 साल की अवधि वाले आवास ऋण की मासिक किस्त प्रति एक लाख के कर्ज पर 24 रुपए कम हो जाएगी। बैंक ने बचत खातों की जमा पर ब्याज को 0.25 फीसद घटाकर 2.75 फीसद करने की भी घोषणा की।

रिजर्व बैंक से राज्य अब 21 दिन के लिए ले सकते हैं ओवरड्राफ्ट

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना महामारी से उत्पन्न संकट को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को राज्य सरकारों के लिए 'ओवरड्राफ्ट' की सुविधाओं में ढील दी। इसके तहत वे अब इस साल 30 सितंबर तक पहले से सात दिन ज्यादा समय के लिए ओवरड्राफ्ट (तात्कालिक नकदी के लिए सीमा से अधिक उधार) की सुविधा उठा सकते हैं। इसके अलावा राज्य सरकारें अब एक तिमाही में कुल मिला कर पहले से अधिक दिन तक ओवरड्राफ्ट सुविधा के तहत उधार रख सकती हैं।

कोरोना महामारी और उसकी रोकथाम के लिए जारी बंद की समस्याओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय बैंक ने एक परिपत्र में कहा कि उसने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को लंबी अवधि तक के लिए 'ओवरड्राफ्ट' की सुविधा लेने की मंजूरी दी है।

राज्य सरकारों को नकदी की समस्या से पार पाने में मदद के लिए आरबीआइ ने राज्यों को अब अधिक दिनों के लिए ओवरड्राफ्ट की सुविधा देने को मंजूरी दी है। अब तक राज्य व केंद्र शासित प्रदेश 14 दिनों के लिए ओवरड्राफ्ट की सुविधा ले सकते थे जिसे बढ़ाकर अब 21 दिन कर दिया गया है। इसी तरह राज्य व केंद्र शासित प्रदेश अब एक तिमाही में 50 दिनों तक 'ओवरड्राफ्ट' में रह सकते हैं। पहले यह समय सीमा 36 दिन थी। परिपत्र के अनुसार नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से अमल में आ गई है और 30 सितंबर, 2020 तक वैध रहेगी।

सेल व टाटा स्टील के संयंत्रों में उत्पादन 50 फीसद घटा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

इस्पात बनाने वाली कंपनियों सेल और टाटा स्टील ने देश में बंद से मांग में हुई कमी के कारण अपने उत्पादन को करीब 50 फीसद तक घटा दिया है।

सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) और निजी कंपनी टाटा स्टील की देश के इस्पात उत्पादन में 20 फीसद हिस्सेदारी है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार सेल और टाटा स्टील ने उत्पादन में लगभग 50 फीसद कमी की है। सूत्रों ने कहा कि इन कंपनियों ने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि बंद के बाद बाजार में मांग कम रहने का अनुमान है और खरीदार भी नए ऑर्डर देने के इच्छुक नहीं हैं। संयंत्रों में सिर्फ ब्लास्ट फर्नेस और कोक ओवन बैटरी जैसे हिस्से ही काम कर रहे हैं, जिन्हें बंद नहीं किया जा सकता है।

टाटा स्टील ने पहले कहा था कि कोविड-19 महामारी से उसके कारोबार और संचालन पर असर पड़ा है। कंपनी ने हालांकि उत्पादन में कमी से संबंधित कोई आंकड़ा नहीं दिया। जबकि सेल के एक अधिकारी ने फोन पर उत्पादन में लगभग 50 फीसद कमी की बात स्वीकार की, जबकि टाटा स्टील से इस संबंध में भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला।

जनवरी-मार्च के दौरान आवास बिक्री 29 फीसद गिरी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

आवासों की बिक्री जनवरी-मार्च अवधि में 29 फीसद घटी है। सात प्रमुख शहरों में इस दौरान मात्र 27,451 आवास बिके और 3.65 लाख करोड़ रुपए के मकान बिक्री के लिए तैयार खड़े थे।

संपत्ति सलाहकार कंपनी जेएलएल ने अपनी रपट में कहा कि कोरोना संकट को देखते हुए अभी ज्यादा खरीदार नहीं हैं। रपट के मुताबिक समीक्षावधि में आवास बिक्री 29 फीसद घटकर 27,451 इकाई रह गई है जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 38,628 मकानों की बिक्री हुई थी। जेएलएल की यह त्रैमासिक रपट दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, पुणे, बंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद शहरों से जुटाए आंकड़ों पर आधारित है। सभी सातों शहरों में बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है।

जेएलएल ने कहा कि पिछले पांच साल में आवासों की बिक्री में यह दूसरी बड़ी गिरावट है। इससे पहले जनवरी-मार्च 2017 में आवास बिक्री में 37 फीसद की गिरावट दर्ज की गई थी। सबसे ज्यादा गिरावट बंगलुरु में 52 फीसद रही। यहां इस दौरान सिर्फ 4,186 आवासों की बिक्री हुई। मुंबई में यह 19 फीसद गिरकर 6,857 इकाई, चेन्नई में 8 फीसद घटकर 2,453 इकाई, दिल्ली-एनसीआर और पुणे में 18 फीसद की कमी के साथ क्रम से 5,941 आवास और 3,728 आवास रही। कोलकाता में भी इसमें 35 फीसद की गिरावट आई और यह 1,259 इकाई रहा। हैदराबाद में आवास बिक्री 41 फीसद 3,027 आवास रही। इस अवधि में 40,574 नई आवास इकाइयों की पेशकश की गई। बाजार में बिना बिके खाली पड़े मकानों की संख्या बढ़कर 4,55,351 इकाई हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में 4,42,228 इकाई थी। इनका कुल मूल्य 3,65,100 करोड़ रुपए के आसपास बैठता है।

जेएलएल इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश नायर ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था की रफ्तार कमजोर होने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में यह पांच फीसद से नीचे जा सकती है। हालांकि वैश्विक वित्तीय संकट के मुकाबले आवास रीयल एस्टेट बाजार वर्तमान लाभ की स्थिति में दिख रहा है। इसकी बड़ी वजह सरकार के पिछले पांच-छह साल में किए गए कुछ बुनियादी सुधार हैं। कोरोना को लेकर जब स्थिति सामान्य होगी तब लोगों को वाजिब दाम पर मकान मिल सकते हैं। बैंकों के पास ऋण देने के लिए अधिक धन उपलब्ध होने से भी बाजार में मांग बढ़ने की उम्मीद है।

सरकार ने निर्यात वस्तुओं के स्रोत का प्रमाणपत्र 'ऑनलाइन' हासिल करने की सुविधा दी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

वाणिज्य मंत्रालय ने व्यापार समझौते वाले देशों के साथ वस्तुओं के निर्यात के लिए जरूरी दस्तावेज जारी करने को लेकर ऑनलाइन मंच तैयार किया है। इस पहल का मकसद कोरोना महामारी से संकट के दौरान वस्तुओं के निर्यात को सुगम बनाना है।

निर्यातक को आयातकर्ता देश को वस्तु के स्रोत या उत्पत्ति के देश के बारे में प्रमाणपत्र देना होता है। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत सदस्य देशों की निर्यात खेप पर शुल्क की रियायत के लिए यह दस्तावेज महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह रियायत सदस्य देश में तैयार माल पर ही दी जाती है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने मंगलवार को एक नोटिस में कहा कि मंच को सभी एफटीए/पीटीए (तरजीही व्यापार समझौता) के लिए माल की उत्पत्ति प्रमाणपत्र (सीओओ) जारी करने वाली सभी मनोनीत एजंसियों तक पहुंचने के लिए तैयार किया गया है। यह सभी निर्यात होने वाले उत्पादों के लिए है। इस पर एचटीटीपी://सीओओ.डीजीएफटी.जीओवी.इन ा के जरिए पहुंचा जा सकता है। यह नोटिस सभी निर्यातकों, व्यापार सदस्यों, एफटीए/पीटीए के तहत मनोनीत एजंसियों और एफटीए/पीटीए भागीदार देशों के दूतवासों को भेजा गया है।

इसमें कहा गया है कि भारत और चिली के बीच तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए), नेपाल के साथ साफ्टा के तहत और भारत-कोरिया के बीच व्यापार आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत निर्यात की जाने वाली वस्तुओं के लिए इस प्रमाणपत्र का आवेदन करने और उसे ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए जारी किए जाने की सुविधा की गई है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा संकट को देखते हुए एफटीए/पीटीए के तहत अन्य देशों के लिए निर्यात की उत्पत्ति को लेकर तरजीही प्रमाणपत्र हेतु आवेदन किया जाएगा और इसे सात अप्रैल से केवल ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए जारी किया जाएगा। महानिदेशालय ने सभी संबद्ध एजंसियों से इस मंच के जरिए व्यापार समझौतों के तहत प्रमाणपत्र जारी करने को कहा है।

www.readwhere.com

जून तक भारत में कोई अंतरराष्ट्रीय हॉकी नहीं

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

एफआइएच प्रो लीग के सीनियर पुरुष टीम के दो मुकाबले, जूनियर पुरुष एशिया कप और सीनियर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी समेत कई हॉकी टूर्नामेंट कोरोना वायरस महामारी के कारण स्थगित कर दिए गए हैं। टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के सीईओ राजेश राजागोपालन को भेजे पत्र में हॉकी इंडिया ने इसकी जानकारी दी है।

टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के सीईओ राजेश राजागोपालन को भेजे पत्र में हॉकी इंडिया ने इसकी जानकारी दी है।

जूनियर महिला एशिया कप (छह से 12 अप्रैल, काकामिगाहारा, जापान), सीनियर महिला टीम का जर्मनी और नीदरलैंड दौरा (11 से 27 अप्रैल), पुरुष टीम के जर्मनी और इंग्लैंड के खिलाफ प्रो लीग के मैच (24 अप्रैल से पांच मई) जूनियर पुरुष एशिया कप (चार से 12 जून , ढाका), महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (14 से 21 जून , कोरिया) और यूसीडी अंडर 23 छह देशों का जूनियर महिला टूर्नामेंट (14 से 27 जून , डबलिन) पर इस महामारी का असर पड़ा है।

हॉकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक आर के श्रीवास्तव ने पत्र में लिखा, 'इन टूर्नामेंटों की नई तारीखें तय होते ही भारतीय खेल प्राधिकरण को सूचना दे दी जाएगी।'

उन्होंने कहा कि टूर्नामेंटों के सालाना कैलेंडर के लिए स्वीकृत बजट नया शेड्यूल तय होने के बाद विदेश दौरों और टूर्नामेंटों पर खर्च किया जाएगा।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुड़ेंगे मोहन बागान और ईस्ट बंगाल

संयुक्त राष्ट्र, 7 अप्रैल (भाषा)।

भारत के दो प्रमुख फुटबॉल क्लब मोहन बागान और ईस्ट बंगाल संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के वैश्विक अभियान में शामिल होंगे। वे कोविड-19 महामारी के कारण विश्व भर में लोगों को सक्रिय बने रहने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

ये दोनों दुनिया भर के उन कई क्लबों में शामिल हैं जो 'सक्रिय बनो' अभियान में हिस्सा लेंगे। यह अभियान विकास और शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस पर शुरू किया गया जिसका उद्देश्य कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में लोगों को घर में स्वस्थ बने रहने के लिए प्रोत्साहित करना है।

फीफा इस अभियान में यूएन और डब्लूएचओ के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह अभियान रीयाल मैड्रिड, बार्सीलोना एफसी, लिवरपूल एफसी और मैनचेस्टर यूनाईटेड के साथ शुरू किया गया जिसमें फुटबॉल प्रशंसकों से अपनी प्रतिद्वंद्विता को भुलाकर कोरोना वायरस को हराने के लिए एकजुट होने की अपील की जा रही है।

इनके अलावा क्लब अमेरिका, सीडी गुआडलजारा, बेजिंग गुआन, शंघाई शेनहुआ, मोहन बागान, ईस्ट बंगाल एफसी, मेलबर्न सिटी एफसी, सिडनी एफसी, ऑकलैंड सिटी, टीम वेलिंगटन, सीए रिवर प्लेट, ओलंपिक डी मार्सिले, टीपी मजेम्बे, सीआर फ्लेमेंगो और एसई पालमीरा भी इस पहल में शामिल होंगे।

फीफा मेजबानी : दो अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप

न्यूयार्क, 7 अप्रैल (एएफपी)।

फीफा के 2018 और 2022 विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली में अमेरिका की बड़ी मीडिया कंपनी फॉक्स के दो पूर्व अधिकारियों सहित तीन लोगों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। फॉक्स समूह के हार्नान लोपेज और कार्लोस मार्टिनेज के अलावा स्पेन की मीडिया कंपनी इमैजिना के लिए काम करने वाले गेरार्ड रोमी पर दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल संघ (सीओएनएमबीओएल) व उत्तर, मध्य अमेरिका और कैरेबियाई फुटबॉल संघ (सीओएनसीएसीएएफ) के अधिकारियों को लाखों डॉलर घूस में देने का आरोप है।

यह मामला 2015 के व्यापक भ्रष्टाचार घोटाले का हिस्सा है, जिसमें फीफा के पूर्व अध्यक्ष सेप ब्लैटर को भी पद से हटना पड़ा था।

उन पर आरोप है कि उन्होंने क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धाओं, कोपा अमेरिका और 2018 व 2022 विश्व कप के क्वालीफाइंग मुकाबलों के लिए टेलीविजन अधिकार के अनुबंधों के बदले रिश्वत का भुगतान किया गया था। यह मामला 2015 के व्यापक भ्रष्टाचार घोटाले का हिस्सा है, जिसमें फीफा के पूर्व अध्यक्ष सेप ब्लैटर को भी पद से हटना पड़ा था।

आइपीएल के कारण कोहली की चाटुकारिता करते हैं आस्ट्रेलियाई

मेलबर्न, 7 अप्रैल (भाषा)।

पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने दावा किया है कि आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर आइपीएल में अपने लुभावने अनुबंध को बचाए रखने के लिए विराट कोहली की चाटुकारिता करते हैं। उन्होंने कहा कि वे इतने बेताब थे कि वे एक खास समय के दौरान भारतीय कप्तान और उनके साथियों पर छींटाकशी करने से डरते थे।

क्लार्क की गुगली

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच कुछ यादगार द्विपक्षीय मुकाबले हुए है लेकिन क्लार्क का मानना है कि जब भी आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भारत का सामना करते हैं तो उनकी निगाहें हर साल अप्रैल मई में होने वाले आइपीएल पर लगी रहती हैं। उन्होंने बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट से कहा कि इस खेल में वित्तीय रूप में देखा जाए तो सभी जानते हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय या आइपीएल के कारण घरेलू स्तर पर कितना शक्तिशाली है।

आस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता कप्तान ने कहा कि मुझे लगता है कि आस्ट्रेलियाई क्रिकेट और संभवतः प्रत्येक टीम ने इस दौरान विपरीत रवैया अपनाया और वास्तव में भारत की चाटुकारिता की। वे कोहली या अन्य भारतीय खिलाड़ियों पर छींटाकशी करने से बहुत डरते थे क्योंकि उन्हें अप्रैल में उनके साथ खेलना था।

क्लार्क को लगता है कि आस्ट्रेलिया के मैदान पर निर्ममतापूर्वक पेश आने के चरित्र के साथ समझौता किया गया क्योंकि आइपीएल नीलामी में शीर्ष दस ड्रॉ में आने के बाद उन्हें लगा कि वे कोहली पर कभी छींटाकशी नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दस खिलाड़ियों के नामों की सूची तैयार करो और वे इन आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अपनी आइपीएल टीम में लेने के लिए बोली लगा रहे होते हैं। खिलाड़ियों का व्यवहार ऐसा था, मैं कोहली पर छींटाकशी नहीं कर सकता, मैं चाहता हूं कि वह मुझे बंगलुरु टीम से चुने ताकि मैं छह सप्ताह में दस लाख डालर कमा पाऊं।

क्लार्क ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि आस्ट्रेलिया कुछ समय के लिए ऐसे दौर से गुजरा जहां हमारी क्रिकेट थोड़ा नरम पड़ गई थी या फिर उतनी कड़ी नहीं थी जितना कि हम देखने के आदी हैं। उन्होंने यह बात उस समय के लिए की जब गेंद से छेड़छाड़ के मामले के बाद टीम के साथ संभ्रांत और ईमानदार जैसे शब्द जोड़े गए थे।

दर्शकों के बिना आइपीएल कराने के पक्ष में हरभजन

मुंबई, 7 अप्रैल (भाषा)।

अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) को खाली स्टेडियमों में करवाने में दिक्कत नहीं है। हालांकि उनका मानना है कि कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण के बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन होना चाहिए क्योंकि इस पर कई लोगों की आजीविका निर्भर है।

"दर्शक अहम होते हैं लेकिन अगर परिस्थितियां अनुकूल न हों तो मुझे उनके बिना खेलने में कोई दिक्कत नहीं है।

चेन्नई सुपरकिंग्स की तरफ से खेलने वाले हरभजन ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा कि दर्शक अहम होते हैं लेकिन अगर परिस्थितियां अनुकूल न हों तो मुझे उनके बिना खेलने में कोई दिक्कत नहीं है। एक खिलाड़ी के तौर पर मुझे दर्शकों का समर्थन नहीं मिलेगा लेकिन इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक प्रशंसक टीवी पर आइपीएल देख पाएगा।

उन्होंने कहा कि हमें हर चीज के लिए सतर्क रहना होगा और खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता में रखना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मैच स्थल, टीम होटल, उड़ान आदि की अच्छी तरह से सफाई की गई हो। यह कई लोगों की आजीविका का सवाल है इसलिए जब सब कुछ ठीक हो जाए तो हमें आइपीएल का आयोजन करना चाहिए।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) ने आइपीएल को 15 अप्रैल तक स्थगित कर दिया था लेकिन वायरस को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण इसके जल्द आयोजन की संभावना नहीं है।

भारत की तरफ से 103 टैस्ट मैच खेलने वाले हरभजन ने कहा कि मुझे मैचों की काफी कमी खल रही है। मुझे उम्मीद है कि एक साल के बाद मैं 17 मैच (फाइनल सहित) खेल पाऊंगा। मुझे मैदान पर नहीं जा पाना अखर रहा है। हर किसी प्रशंसक को इसकी कमी खल रही होगी। उम्मीद है कि आइपीएल जल्द होगा। तब तक मुझे खुद को फिट रखना होगा।

आइपीएल काफी बड़ा टूर्नामेंट, उम्मीद है इसके आयोजन की संभावना बने : इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा कि आइपीएल काफी बड़ा टूर्नामेंट है और कोविड-19 महामारी के कारण इसका आयोजन नहीं होना किसी नाकामी की तरह है।

बटलर को उम्मीद है कि ग्लैमर और चकाचौंध से भरा यह टूर्नामेंट इस साल बाद में आयोजित किया जाएगा। कोरोना महामारी के प्रसार को रोकने के लिए भारत में देश बंदी लागू है। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले बटलर ने ईएसपीनक्रिकइंफो से कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि आइपीएल कब खेला जाएगा या स्थगित होगा। फिलहाल, सब कुछ काफी अनिश्चित है क्योंकि कोई नहीं जानता कि यह (कोविड-19 का प्रकोप) कब तक चलेगा। इसलिए अभी यह तय नहीं किया जा सकता कि टूर्नामेंट का आयोजन होगा या नहीं। आइपीएल के कुछ सत्र में सफलता हासिल करने के बाद बटलर सीमित ओवरों के क्रिकेट में बड़े खिलाड़ी के तौर पर उभरे हैं।

टीम की तरह कोरोना को हराने में जुट जाओ : ब्रासा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

पुरुष हॉकी टीम के पूर्व स्पेनिश कोच जोस ब्रासा को भारत छोड़े एक दशक हो गया लेकिन उनका दिल आज भी इस देश के लिए धड़कता है। उन्होंने कोरोना विषाणु के खिलाफ लड़ाई में भारतीयों को एक टीम की तरह एकजुट होकर लक्ष्य का सामना करने की सलाह दी है।

इटली के बाद कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित स्पेन के इस कोच ने कहा कि इस लड़ाई में सबसे अहम एक टीम के रूप में लड़ना है। साझा लक्ष्य बनाकर उन्हें पाने की कोशिश करनी होगी। एशियाई खेल 2010 तक भारतीय टीम के कोच रहे ब्रासा ने कहा कि भारत मेरे दिल में है और मैं दुआ करता हूं कि जल्दी ही वह कोरोना को हरा दे और वहां ज्यादा मौतें न हों।

बेल्जियम के लीज क्लब के कोच ब्रासा लॉकडाउन के दौरान वहां फंसे हैं लेकिन अपने देश के हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि लगता है कि सबसे खराब दौर अब बीत रहा है और हमें अंधेरे में आशा की किरण दिख रही है। यह अच्छी बात है कि लोग सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन कर रहे हैं। स्पेन में पिछले दस दिन से पूरा लॉकडाउन है। इस वायरस को घर में रहकर ही हराया जा सकता है।

"अगर स्पेन में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र मजबूत होता तो यह नौबत नहीं आती। हॉकी कोच होने के नाते वह लोगों को टीमवर्क, एकजुटता और लक्ष्य को मिलकर हासिल करने का संदेश दे रहे हैं। -जोस ब्रासा

ब्रासा का परिवार मैड्रिड के बाहर पोजुएलो में रहता है और आखिरी बार वह 12 मार्च को अपने परिजनों से मिले थे लेकिन फोन पर लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि स्पेन या बेल्जियम में घबराहट नहीं है लेकिन चिंता जरूर है। खराब स्वास्थ्य तंत्र के कारण स्पेन में लोगों में स्थानीय प्रशासन को लेकर काफी आक्रोश भी है।

ब्रासा ने कहा कि अगर स्पेन में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र मजबूत होता तो यह नौबत नहीं आती। हॉकी कोच होने के नाते वह लोगों को टीमवर्क, एकजुटता और लक्ष्य को मिलकर हासिल करने का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हॉकी या टीम खेल हमें मिलकर हालात का सामना करना सिखाते हैं। यह हमें एक दूसरे की मदद करना भी सिखाते हैं क्योंकि टीम में कमजोर कड़ी पर ही दुश्मन हमला करता है।

ब्रासा ने कहा कि दक्षिणी यूरोप और मध्य या उत्तर यूरोप की संस्कृति में फर्क के कारण भी इटली और स्पेन में यह महामारी बुरी तरह फैली। उन्होंने कहा कि हम दक्षिण यूरोप वाले अपने जिंदादिल स्वभाव, सृजनात्मकता और अनुशासनहीनता के लिए जाने जाते हैं जबकि उत्तर या मध्य यूरोप के लोग संजीदा और नियमों का सख्ती से पालन करने वाले होते हैं। यही वजह है कि जर्मनी, स्वीडन, बेल्जियम जैसे देशों में महामारी उतनी नहीं फैली जितनी इटली और स्पेन में।

देश बंदी के दौरान अपनी दिनचर्या के बारे में उन्होंने कहा कि मैं पुराने मैचों के वीडियो देखता हूं। मैंने खेल आहार के बारे में पढ़ना शुरू किया है। मैं पिछले 20 दिन से अपार्टमेंट से बाहर नहीं निकला हूं और कोचिंग के नए पहलुओं को सीख रहा हूं। इसके अलावा खाना खुद पकाता हूं, सफाई करता हूं।

किर्गियोस ने भूखे लोगों को भोजन पहुंचाने की पेशकश की

सिडनी, 7 अप्रैल (एएफपी)।

अपने गुस्सैल व्यवहार के कारण अकसर विवादों में रहने वाले आस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने कोरोना विषाणु महामारी के दौरान भूखे लोगों तक भोजन पहुंचाने की पेशकश की है। किर्गियोस इससे पहले आस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के पीड़ितों के लिए धनराशि जुटाने में भी सबसे आगे रहे थे।

किर्गियोस आस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के पीड़ितों के लिए धनराशि जुटाने में भी सबसे आगे रहे थे।

अपनी बेबाक टिप्पणियों और कोर्ट पर गर्म मिजाज दिखाने वाले किर्गियोस ने कहा कि वह लोगों के घरों तक खुद भोजन पहुंचाएंगे। कोविड-19 के कारण लगी पाबंदियों की वजह से सभी उद्योग धंधे बंद हैं जिससे आस्ट्रेलिया में बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए हैं।

विकेट बचाए रखने के लिए अलग तरकीब अपनाते हैं स्मिथ

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

आस्ट्रेलियाई रन मशीन स्टीवन स्मिथ ने खुलासा किया है कि वह आउट होने के तरीकों को सीमित करने के लिए आम तौर पर ऑफ स्टंप की लाइन में या उससे बाहर खड़े होते हैं। विश्व के नंबर एक टैस्ट बल्लेबाज स्मिथ ने अभी तक 73 टैस्ट मैचों में 7227 रन बनाए हैं। इसके अलावा उनके नाम पर 4162 वनडे रन भी दर्ज हैं।

स्मिथ की बल्लेबाजी की तकनीक अपरंपरागत है जिसको समझने में अधिकतर गेंदबाज नाकाम रहे हैं। आइपीएल के पहले चैंपियन राजस्थान रॉयल्स द्वारा आयोजित बातचीत में स्मिथ ने न्यूजीलैंड के स्पिनर ईश सोढ़ी के सामने अपनी तकनीक को लेकर खुलकर बात की। अपने बल्लेबाजी स्टांस (बल्लेबाज के खड़े होने का तरीका) के बारे में स्मिथ ने कहा कि यह इस पर निर्भर करता है कि कौन गेंदबाजी कर रहा है, विकेट कैसा है, मुझे किस तरह से रन बनाने हैं और गेंदबाज मुझे किस तरह से आउट करना चाहते हैं। इससे मैं तय करता हूं कि मुझे अपना स्टांस कैसे रखना है।

उन्होंने कहा कि लेकिन मैं अमूमन ऐसा स्टांस लेता हूं जहां मेरा बैकफुट ऑफ स्टंप की लाइन में होता है और कुछ अवसरों पर तो उससे भी बाहर। इससे मैं जानता हूं कि कोई भी गेंद जो मेरी नजर से बाहर की तरफ जा रही हो, वह मेरे स्टंप पर नहीं लगेगी। स्मिथ ने कहा कि मेरा मानना है कि अगर गेंद स्टंप की सीधे में नहीं हो तो आपको आउट नहीं होना चाहिए। जब मैंने ऐसा स्टांस लेना शुरू किया तो यह मेरी एक चाल थी। यह आउट होने के तरीकों को सीमित करने के लिए था।

ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में व्यस्त हैं युवा शतरंज खिलाड़ी

चेन्नई, 7 अप्रैल (भाषा)।

आर प्रागननंदा, डी गुकेश और पी इनियान जैसे भारतीय शतरंज के युवा खिलाड़ियों ने कोराना वायरस के कारण देश बंदी के दिनों में खुद को ऑनलाइन प्रतियोगिताओं और अभ्यास में व्यस्त रखा है। शतरंज में प्रगु नाम से मशहूर प्रागननंदा ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अलावा अपने परिवार के साथ भी समय बिता रहे हैं।

इस 14 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि एक शतरंज खिलाड़ी के लिए यह स्थिति (देश बंदी) ज्यादा अंतर पैदा नहीं करती। शतरंज ऐसा खेल हैं जिसे दुनिया में कहीं से भी खेला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हम कंप्यूटर का इस्तेमाल करके अभ्यास कर रहे हैं। मैं अपने खेल पर काम कर रहा हूं और ऑनलाइन कोचिंग भी ले रहा हूं।

2006-2008 तक भारतीय टीम के चयनकर्ता रहे दिलीप

धोनी और कोहली इन्हीं के कार्यकाल में उभरे

मेरा काम था प्रतिभा तलाशना : वेंगसरकर

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

दिलीप वेंगसरकर को प्रतिभाओं को तलाशने के मामले में भारत के सबसे अच्छे चयनकर्ताओं में से एक माना जाता है। उन्होंने पहली बार आयु वर्ग के क्रिकेट में राष्ट्रीय टीम के मौजूदा कप्तान विराट कोहली की प्रतिभा को पहचाना था। इस पूर्व कप्तान के चयनसमिति के अध्यक्ष के तौर पर 2006 से 2008 का कार्यकाल आने वाले चयनकर्ताओ के लिए एक पैमाना बना। उनके कार्यकाल में महेंद्र सिंह धोनी कप्तान बने और उन्होंने विराट कोहली का पक्ष लिया।

सोमवार को अपना 64वां जन्मदिन मनाने वाले वेंगसरकर ने कहा कि प्रतिभा को परखना मेरा काम था। आप प्रतिभा को परखने में अच्छे हो सकते हैं लेकिन अगर कोई प्रतिभावान है तो उसे मौका मिलना चाहिए। उनका मानना है कि वह चयनसमिति के अध्यक्ष पद से न्याय करने में इसलिए सफल रहे क्योंकि वह बीसीसीआइ के प्रतिभा अनुसंधान विकास विभाग (टीआरडीडब्लू) से जुड़े थे जिसने धोनी जैसे क्रिकेटर की प्रतिभा को तलाशा था।

टीआरडीडब्लू हालांकि अब अस्तित्व में नहीं है। कोहली के बारे में बात करते हुए वेंगसरकर गर्व के साथ कहते हैं कि वह आस्ट्रेलिया के इमर्जिंग टीम के दौरे पर चयनसमिति के अध्यक्ष के कहने पर पारी की शुरुआत करने को भी तैयार थे। कोहली का यह रवैया वेंगसरकर को काफी पसंद आया। उन्होंने कहा कि टीआरडीडब्लू के अध्यक्ष के तौर पर मैंने जूनियर क्रिकेट में कोहली को कई बार देखा था। इसलिए जब मैं चयन समिति का अध्यक्ष बना, तो हमने उन्हें आस्ट्रेलिया के एक इमर्जिंग टीम के दौरे के लिए चुना। मैं वहां था और जब मैंने उन्हें बल्लेबाजी करते देखा तो मुझे पता था कि वह क्रिकेट में बड़ी जिम्मेदारी के लिए तैयार है।

"प्रतिभा को परखना मेरा काम था। आप प्रतिभा को परखने में अच्छे हो सकते हैं लेकिन अगर कोई प्रतिभावान है तो उसे मौका मिलना चाहिए।

छक्के लगाकर टीआरडीडब्लू पहुंचे धोनी

वेंगसरकर बताया कि महेंद्र सिंह धोनी को 21 साल की उम्र में टीआरडीडब्लू योजना में शामिल किया गया था जबकि इसके लिए 19 साल की उम्र निर्धारित थी। वेंगसरकर ने बताया कि इसके पीछे काफी दिलचस्प कहानी है। उन्होंने कहा कि बंगाल के पूर्व कप्तान प्रकाश पोद्दार के कहने पर धोनी को इसमें शामिल किया गया था। पोद्दार जमशेदपुर में एक अंडर-19 मैच देखने गए थे। उसी समय बगल के कीनन स्टेडियम में बिहार की टीम एकदिवसीय मैच खेल रही थी और गेंद बार-बार स्टेडियम के बाहर आ रही थी। इसके बाद पोद्दार को उत्सुकता हुई की इतनी दूर गेंद को कौन मार रहा है। जब उन्होंने पता किया तो धोनी के बारे मे पता चला। वेंगसरकर ने कहा कि पोद्दार के कहने पर 21 साल की उम्र में धोनी को टीआरडीडब्लू कार्यक्रम का हिस्सा बनाया गया।

वेंगसरकर से जब पूछा गया कि क्या कोहली को देखकर उन्हें लगा था कि वह 15 साल तक क्रिकेट खेलेंगे तो उन्होंने कि आप कभी भी इस बात को लेकर सुनिश्चित नहीं हो सकते कि किसी खिलाड़ी का करिअर कितना लंबा चलेगा। मैंने जो देखा वह एक असाधारण प्रतिभा थी और अगर आप प्रतिभा की पहचान कर सकते हैं तो आपको पता होगा कि किस खिलाड़ी के पास शीर्ष स्तर पर सफल होने की संभावना है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि शीर्ष स्तर के लिए आपके पास कुछ अतिरिक्त कौशल होना चाहिए और कोहली में वह था। वेंगसरकर से पूछा गया कि क्या उन पर कोहली का चयन नहीं करने का कोई दबाव था क्योंकि उस समय इस बल्लेबाज के रवैये पर काफी सवाल उठते थे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि किसी ने मुझ पर दबाव डाला। मुझे यकीन था कि मैंने उस समय असाधारण प्रतिभा वाले एक खिलाड़ी को चुना था। मुझे पता था कि वह एक जबरदस्त खिलाड़ी थे, जिन्हें समर्थन की जरूरत थी।

फिनिशर के रूप में भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं उथप्पा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (भाषा)।

पांच साल से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज रोबिन उथप्पा की निगाहें फिनिशर के तौर पर टी-20 टीम में वापसी करने पर टिकी हैं। उन्हें लगता है कि वह अभी एक और विश्व कप खेल सकते हैं। उथप्पा वनडे विश्व कप 2007 की टीम में शामिल थे और पहले टी-20 विश्व कप की विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच जुलाई 2015 में जिंबाब्वे दौरे में खेला था।

यह 34 वर्षीय बल्लेबाज अक्तूबर 2011 के बाद से केवल आठ वनडे और चार टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेल पाया है। उथप्पा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा कि अभी मैं प्रतिस्पर्धी बनना चाहता हूं। अब भी मेरे अंदर यह जज्बा है। मैं वास्तव में खेलना चाहता हूं और अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं पूरी ईमानदारी से यह मानता हूं कि मैं अभी एक विश्व कप में खेल सकता हूं। इसलिए मैं इसके लिए खुद को तैयार रख रहा हूं विशेषकर छोटे प्रारूप में।

उथप्पा जानते हैं कि इसके लिए उन्हें भाग्य की भी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि भाग्य भी आपके साथ होना चाहिए। यह अहम भूमिका निभाता है। विशेषकर भारत में इसकी भूमिका स्पष्ट होती है। विदेशों में यह बहुत अधिक महत्व नहीं रखता लेकिन उपमहाद्वीप विशेषकर भारत में जहां इतनी अधिक प्रतिभा है, यह अहम बन जाता है।

उन्होंने कहा कि आप कभी खुद को चुका हुआ नहीं मान सकते। अगर आप खुद को चुका हुआ मान लेते हो तो यह अनुचित होगा। विशेषकर तब जबकि आप मानते हैं कि आपके पास क्षमता है और और मौका बन सकता है। जब ऐसा मौका है मैं क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा। उथप्पा ने कहा कि मैं अब भी मानता हूं कि चीजें मेरे अनुकूल हो सकती हैं और मैं विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा बन सकता हूं और उसमें अहम भूमिका भी निभा सकता हूं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 142, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com